25 नवंबर, 2024
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 10, अंक 37

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

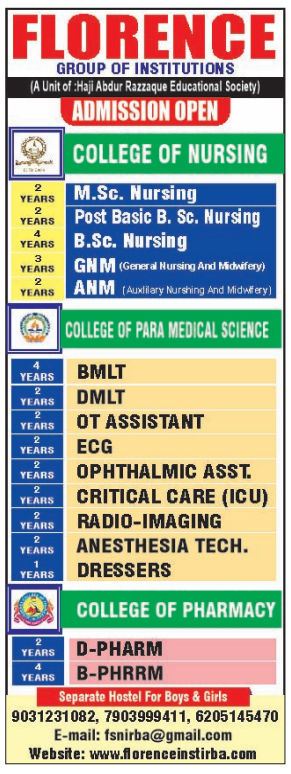

न्यूज रील्स

जयशंकर तीन दिवसीय दौरे पर इटली रवाना

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली रवाना हुए। 24 से 26 नवंबर तक चलने वाले इस दौरे में वे जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा बनेंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में होगी। इस दौरान जयशंकर इटली समेत तमाम दूसरे देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात और द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

हेमंत सोरेन मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त, राज्यपाल ने सरकार बनाने का दिया न्योता

28 नवंबर को मोरहाबादी में ताजपोशी

- इंडिया गठबंधन की हुई बैठक, चुने गये नेता
- राज्यपाल से मिल कर समर्थन पत्र सौंपा
- सरकार गठन का दावा किया पेश
- चार विधायकों पर एक मंत्री का फार्मूला तय

प्रशांत झा

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य में इंडी गठबंधन की सरकार फिर बनेगी। गठबंधन दल के विधायकों की रविवार को मुख्यमंत्री आवास में बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने राजभवन जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया और हेमंत सोरेन को झारखंड का मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए उन्हें सरकार गठन हेतु आमंत्रित किया। हेमंत सोरेन 28 नवंबर को फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सुबह से जुटने लगे थे विधायक: हेमंत सोरेन ने रविवार को सीएम आवास पर इंडी गठबंधन के विधायकों की बैठक बुलायी थी। इंडी गठबंधन यानी झामुमो, कांग्रेस, राजद और माले के विधायकों का सुबह 11 बजे से आगमन शुरू हो गया। गठबंधन के विधायकों के अलावा कांग्रेस की तरफ से प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राजेश ठाकुर, झामुमो की तरफ से विनोद पांडेय, अभिषेक प्रसाद पिंटू आदि लोग भी मौजूद थे। विधायकों की बैठक के बाद हेमंत सोरेन की मीर और अन्य नेताओं के साथ भी बैठक हुई। इसमें मंत्री पद को लेकर चर्चा की गयी। इसके बाद सभी राजभवन के लिए रवाना हो गये।

राज्यपाल से मिला शिष्टमंडल: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने रविवार शाम को राज्यपाल से मुलाकात की। इसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले के नेता शामिल थे। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को हेमंत सोरेन के नेतृत्व मे सरकार गठन के लिए समर्थन पत्र सौंपा। इससे पहले हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। राज्यपाल ने हेमंत सोरेन का इस्तीफा स्वीकार किया। इसके बाद उन्हें मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया।

मोरहाबादी में होगा समारोह: जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन सरकार-2 का शपथ ग्रहण समारोह मोरहाबादी मैदान में होगा इसमें मुख्यमंत्री के साथ मंत्रीगण भी शपथ लेंगे। मंत्रियों के नाम जल्द ही तय कर लिये जायेंगे। चर्चा है कि शपथ ग्रहण सामरोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजद नेता तेजस्वी यादव, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, दीपंकार भट्टाचार्य समेत कई अन्य नेता शामिल हो सकते हैं।

विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा : हेमंत सोरेन

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्यपाल संतोष गंगवार ने कार्यवाहक सीएम नियुक्त किया है। शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को होगा। समारोह पूर्वाह्न 11.30 बजे होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर राज्यपाल के साथ दो फोटो भी पोस्ट किया है। एक में राज्यपाल को गुलदस्ता दे रहे हैं और दूसरे में समर्थन पत्र सौंप रहे हैं। हेमंत सोरेन ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि 'महामहिम से मिल कर इंडिया गठबंधन सरकार गठन के लिए विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा।'

मंत्रियों को लेकर बातचीत लगभग तय

राज्य में 81 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत के लिए 41 सीटों की जरूरत है। इंडी गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें झामुमो 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और माले को 2 सीटों पर जीत मिली है। झारखंड में अधिकतम 12 मंत्री ही बनाये जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक मंत्री पद के लिए फार्मूला तय हो चुका है। झामुमो से मुख्यमंत्री के अलावा 6 मंत्री, कांग्रेस से 4, राजद से 1 और भाकपा माले से 1 विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है। गठबंधन दल के विधायकों में मंत्री बनने वालों को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। हालांकि अभी तक कौन-कौन मंत्री होंगे, इसके बारे में अधिकारिक रूप से कोई घोषणा नहीं की गयी है। कांग्रेस के आलाकमान द्वारा मंत्रियों के नाम तय किये जायेंगे। वहीं, राजद में भी नेतृत्व द्वारा नाम तय किया जायेगा। वहीं झामुमो में हेमंत सोरेन मंत्रियों के नाम तय करेंगे। उम्मीद है कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जायेगी।

चुनाव आयोग ने विजयी प्रत्याशियों की सूची सौंपी

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से रविवार को भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद और झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राजभवन में मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को विधानसभा निर्वाचन 2024 में विजयी प्रत्याशियों की सूची समर्पित की। रवि कुमार ने कहा था कि विधानसभा चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक समाप्त करना है, लेकिन 24 नवंबर तक इसे पूरा कर लिया जायेगा। राज्यपाल को विजयी प्रत्याशियों की सूची सौंपने के बाद चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो गयी।

कांग्रेस आलाकमान तय करेगा झारखंड में विधायक दल का नेता

हेमंत सरकार को बिना शर्त समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को कांग्रेस प्रदेश कार्यालय, रांची में विधायक दल की बैठक हुई। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, सह-प्रभारी बेला प्रसाद और सपतागिरी उल्का, स्पेशल ऑब्जर्वर मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तारिक अनवर, अल्लावुरू, अजय शर्मा और नव निर्वाचित सभी विधायक भी इसमें शामिल हुए। बैठक में सभी विधायकों को जीत की बधाई दी गयी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन (मीडिया विभाग) सतीश पॉल ने बैठक के बारे में बताया कि इसमें सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किये गये। एक तो यह कि विधायक दल का नेता के लिए आलाकमान को अधिकृत किया गया। साथ ही गठबंधन के साथी हेमंत सोरेन को बिना शर्त समर्थन देंगे। गुलाम अहमद मीर ने कहा कि कांग्रेस की ओर से उन पर उपमुख्यमंत्री बनाने का कोई दबाव नहीं है, वह चाहते हैं कि जल्द से जल्द नयी सरकार का गठन हो। कांग्रेस के कांके विधायक सुरेश बैठा, बेरमो विधायक अनूप सिंह, पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव, जामताड़ा विधायक डॉ इरफान अंसारी, महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह, मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, कोलेबिरा विधायक नमन विकास कोंगाड़ी, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, लोहरदगा विधायक रामेश्वर उरांव, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, छतरपुर विधायक राधा कृष्ण किशोर और जगरनाथपुर विधायक सोनाराम सिंकू ने भाग लिया।

सीएम हेमंत सोरेन से मिलना हो तो बुके नहीं, बुक लेकर आयें

अजय शर्मा

- हेमंत सोरेन ने आमजनों से किया अनुरोध
- विकसित झारखंड के निर्माण का संकल्प भी
- राज्य के विकास को लेकर गंभीर हैं हेमंत सोरेन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में एक बार फिर हेमंत सोरेन की सरकार का गठन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री के तौर पर झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन फिर शपथ लेंगे। अभी हाल में हुए चुनाव के बाद आये परिणाम ने झामुमो सरकार की नीतियों पर मुहर लगा दी है। खुद हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से अनुरोध किया है कि जो लोग भी उनसे मिलने आयेंगे, वे बुके लेकर न आयें, किताब लेकर आयें। सीएम ने कहा है कि पूरे देश से मिल रही शुभकामनाओं के लिए सभी का हृदय से धन्यवाद। 2019 की तरह पुनः सभी से अनुरोध करूंगा कि अगर आप मिलने आ रहे हैं, तो बुके की जगह बुक दें। सीएम ने एक्स पर लिखा है कि जेल में रहने के दौरान आप सब के द्वारा उपहार स्वरूप दी गयी किताबों को पढ़ने का काफी समय मिला। इसके लिए आप सभी का धन्यवाद।

गौरतलब है कि जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तब उनके किताबों के प्रेम का खुलासा पत्नी कल्पना सोरेन ने किया था। कल्पना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि, हेमंत जी को किताबें पढ़ने का हमेशा से शौक रहा है। वह घर में भी किताबों को संजो कर रखते हैं। अन्य किताबों के साथ-साथ झारखंड और झारखंड आंदोलन से जुड़ी किताबें वह हमेशा विशेष रुचि लेकर पढ़ते रहे हैं। राज्य की बागडोर संभालने के बाद उन्होंने उनसे मिलने वाले सभी लोगों से 'बुके नहीं बुक' देने की अपील की थी। जिसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में उन्हें हजारों किताबें मिली।

मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य को और संवारने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया है। झामुमो सरकार की नीतियों पर राज्य की जनता ने जिस तरह से मुहर लगायी है, उससे पूरा गठबंधन गदगद है। इस बार लोगों को उम्मीद है कि हेमंत सोरेन की अगुवाई में झारखंड की अबुआ राज्य सरकार और बेहतर काम करेगी। आगे आने वाले कुछ ही दिनों में इसका रूपरेखा देखने को मिलेगा। हेमंत सोरेन राज्य के विकास को लेकर काफी गंभीर हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,400 रु./10 ग्राम
चांदी	95,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

जब झारखंड की जनता ने कहा हेमंत या यंग शिबू सोरेन

■ वही तेवर, वही अंदाज, यही है हमारा नेता, धरतीपुत्र

राकेश सिंह

...ये देखो शिबू सोरेन

झारखंड की जनता ने अपना नेता चुन लिया है। उसने एक बार फिर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की परछाई हेमंत सोरेन पर भरोसा जताया है। वही दाढ़ी, वही गेट अप, वही तेवर, हूबहू शिबू सोरेन। जब हेमंत सोरेन यंग शिबू सोरेन के अवतार में चुनाव मैदान में उतरे, तो राज्य की जनता ने उन्हें पहले से भी ज्यादा प्यार और आशीर्वाद दिया। चुनाव प्रचार के दौरान लोग तो यहां तक कह रहे थे कि ये देखो, 'शिबू सोरेन'। क्या कमाल का चुनाव लड़ा हेमंत सोरेन ने। गजब का धैर्य, गजब का अनुशासन, गजब की रणनीति और गजब का जनता से कनेक्शन। हेमंत सोरेन का जनता में क्रेज देखते बन रहा था। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने गांठ बांध ली थी कि वह भाजपा के चक्रव्यूह को जब तक भेदेंगे नहीं, तब तक चैन से बैठेंगे नहीं। हेमंत सोरेन ने पिता शिबू सोरेन और मां रुपी सोरेन का आशीर्वाद लिया और निकल गये मैदान में। वही अंदाज, वही तेज, ये नये हेमंत सोरेन थे। परिपक्व और संतुलित। हेमंत सोरेन जनता के बीच यह साबित करने में सफल रहे कि वह ही आदिवासियों के सबसे बड़े नेता हैं। उन्होंने झारखंड में आदिवासी-मूलवासी का मुद्दा उठाया और खुद को धरतीपुत्र बताया, जिसे जनता ने भी स्वीकारा। जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकले तब एक पल तो ऐसा लगा कि झारखंड आंदोलन के अपने दिनों के दिशोम गुरु शिबू सोरेन हैं।

एक दृश्य जिसने झारखंड के आदिवासियों को झकझोर दिया

ये हेमंत अब बदले हुए हेमंत थे। जब हेमंत अपने परिवार के लोगों से मिले और जिस प्रकार से उनकी माता ने उन्हें गले लगाया। उनके आंसू निकले, झारखंड की जनता यह दृश्य नहीं भूल पायी। हेमंत ने शिबू सोरेन के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अपने बच्चों को गले लगाया। अपनी जीवन संगिनी जिन्होंने चट्टान की तरह हेमंत सोरेन का साथ दिया, उनकी आंखें कल्पना पर गर्व कर रहीं थीं। इन दृश्यों ने झारखंड के आदिवासियों को एक कर दिया। उन्हें लगा कि यह उनके परिवार का ही दृश्य है। आदिवासियों ने फैसला कर लिया कि उन्हें करना क्या है।

जेल यात्रा को आदिवासी अस्मिता से जोड़ा

हेमंत ने अपनी जेल यात्रा को झारखंड और आदिवासी अस्मिता से जोड़ा। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा था कि मुझे झूठे आरोपों में 5 महीने जेल के अंदर रखा। झारखंड के लोगों के लिए 5 महीने बहुत कठिन थे। सुनियोजित तरीके से लोगों की आवाज दबायी जा रही है। मैं फिर अपने राज्य की जनता के बीच हूं। जो संकल्प हमने लिया है, उसे हम मुकाम तक ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कैसे षड्यंत्र रचा गया। बस फिर क्या था जनता ने भी हेमंत सोरेन का पूरा साथ दिया। खासकर आदिवासियों ने इसे अपनी अस्मिता से जोड़ा। हेमंत सोरेन ने कहा था कि 'भाजपा वाले आदिवासियों को मूर्ख समझते हैं। मेरे साथ चूहा-बिल्ली का खेल खेला गया। जिस दिन से झारखंड में जेएमएम की सरकार बनी, अगले दिन से उसे गिराने की कोशिश शुरू हो गयी। खबरें चलायीं गयीं कि हेमंत जेल जायेंगे। मुझे जेल भेज भी दिया। अब क्या फांसी पर लटका देंगे। जितना खून आदिवासियों का धरती पर बहेगा, यहां उतने ही वीर सपूत पैदा होंगे।' इस एक बयान से उन्होंने दो एजेंडे सेट कर दिये। पहला आदिवासी वोट और दूसरा सिंपैथी कार्ड।

मंईयां ने हेमंत-कल्पना को दिल खोल कर दिया आशीर्वाद

हेमंत सोरेन जेल से निकलने के बाद जन कल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारने में जुट गये। एक के बाद एक जन कल्याण की योजनाओं का पिटारा खोल दिया। हेमंत ने एक ऐसी योजना धरातल पर उतार दी, जिसने झारखंड में अलग ही लहर पैदा कर दी। वह है, मंईयां सम्मान योजना। इस योजना ने प्रदेश की महिलाओं को नयी ताकत दे डाली। सशक्त बनने की। आत्मनिर्भर बनने की। फिर क्या था मंईयां ने हेमंत-कल्पना को ऐसा आशीर्वाद दिया कि रिकॉर्ड स्थापित हो गया। इस योजना की काट भाजपा के पास नहीं थी। जब तक भाजपा जगी तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उधर, 200 यूनिट तक बिजली बिल में छूट भी रौशन कर गयी गरीबों की दहलीज। नतीजतन रौशन हुआ झामुमो गठबंधन।

कल्पना महिलाओं के लिए आदर्श, पति के लिए बन गयीं चट्टान

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू ही नहीं हैं, उनके जैसी फाइटर भी हैं: हेमंत सोरेन के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने पूरा साथ दिया। जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तब वह कल्पना ही थीं, जिन्होंने पार्टी को संभाला। नयी ऊर्जा का संचार किया।

आंसू से शुरू हुआ सफर, मजबूत इरादों में तब्दील हुआ। कल्पना सोरेन ने झारखंड की राजनीति को नयी दिशा दे डाली। जैसे-जैसे उनकी वाणी में धार आती गयी, जनता उनके पीछे-पीछे होती चली गयी। जनता ने कल्पना को अपना परिवार का माना। खासकर महिलाओं ने कल्पना की आंसुओं और दर्द को समझा और कल्पना की ताकत बन गयीं। कल्पना सोरेन ने जेएमएम के साथ-साथ खुद को भी स्थापित किया और साबित किया कि वह सिर्फ दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू ही नहीं हैं, उनके जैसी फाइटर भी हैं।

विपक्षी भी मानने लगे लोहा

अपने पति के लिए कैसे एक पत्नी को खड़ा रहना चाहिए उन्होंने साबित कर के दिखाया। कल्पना सोरेन का लोहा विपक्ष के लोग भी मानने लगे। लोकसभा के चुनाव में जेएमएम ने शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सबसे बड़ी बात यह रही कि जेएमएम गठबंधन ने भी कल्पना सोरेन का भरपूर साथ दिया। अब विधानसभा चुनाव का परिणाम सबके सामने है। राज्य की 81 विधानसभा सीटों में जेएमएम गठबंधन को 56 सीटें मिलीं, वहीं भाजपा गठबंधन 24 सीटों पर सिमट गयी। सबसे ज्यादा 34 सीटें झामुमो को मिली हैं, भाजपा को 21 और कांग्रेस को 16 सीटें हासिल हुईं। यह जेएमएम का अब तक का सबसे बेहतरीन परफॉरमेंस है। क्योंकि इस बार हेमंत सोरेन अकेले नहीं थे, वह दो थे। यानी कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। भाजपा की तरफ से हेमंत-कल्पना को क्या नहीं कहा गया। बंटी-बबली, पति-पत्नी की पार्टी। कल्पना सोरेन को हेलीकाप्टर मैडम भी कहा गया। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने कल्पना को बाहरी बताने के लिए हेलीकॉप्टर मैडम का जुमला इस्तेमाल किया। लेकिन विपक्ष को इसका लाभ नहीं मिला और जनता ने कल्पना को अपना समर्थन दिया। जनता ने कल्पना को अपने दिल में जगह दे डाली। इस बार विधानसभा चुनाव में कल्पना ने रिकॉर्ड 93 रैलियां कीं।

जेएमएम नया जेएमएम बन कर उभरा

कल्पना सोरेन ने पार्टी में ऐसा जोश भरा कि जेएमएम नया जेएमएम बन कर उभरा। जहां पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने अपना समर्थन दिया। महिलाओं को कल्पना में अपना आदर्श दिखने लगा। कल्पना सोरेन हर दिन 4 से 7 जनसभाओं को संबोधित करती थीं। अपनी रैलियों में वह जनता को खुद से जोड़ने में कामयाब हुईं और जिस जोशीले अंदाज में वह भाषण देतीं वह देखते ही बनता। ऐसा कोई मिला नहीं जिसने उनके भाषण की शैली की तारीफ नहीं की हो। कल्पना सोरेन की सभाओं में इतनी भीड़ होती कि मानों लोग अपना फैसला सुनाने पहुंचे हों। मीडिया के सामने भी कल्पना बेबाक तरीके से अपनी बातों को रखतीं। जहां कहीं भी वह डगमगातीं, वह निश्छल भाव से स्वीकारतीं भी कि इस विषय के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। कल्पना की सबसे बड़ी ताकत ही उनकी निश्चलता है, जिससे जनता का जुड़ाव मजबूत होता जा रहा है। हेमंत सोरेन ने सही ही कहा कि इस चुनाव में वह एक नहीं दो थे, तभी उन्होंने इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया।

भाजपा विधायकों को हिमंता बिस्वा सरमा का संदेश

घुसपैठ का मुद्दा सदन में उठाते रहें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के सीएम सह झारखंड बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने एक वीडियो जारी कर भाजपा कार्यकर्ताओं को संदेश दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी बातों को रखते हुए कहा है कि उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, और असम से उनका यह मित्र हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने आगे कहा है कि मैने झारखंड में चार महीने बिताये।

अफसलता आगे जाकर सफलता की बुनियाद बन जाती है

हिमंता ने कहा, हमलोगों ने एक साथ चुनाव जीतने का भरपूर प्रयास किया। पर हमारा मकसद कामयाब नहीं हो पाया। जब कोई काम में सफल नहीं हो पाते हैं, तो वही अफसलता आगे जाकर सफलता की बुनियाद बन जाती है। उन्होंने नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों से निवेदन किया है कि वे सदन में घुसपैठ का मुद्दा उठाते रहें। आप लोगों का प्यार-मोहब्बत हमेशा याद रहेगा। जब भी असम आयें, तो याद कीजियेगा कि आपका दोस्त असम में भी है।

सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन ने शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो को दी श्रद्धांजलि, जयराम ने की परिवार से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो के चंदनकियारी के सिलफोर पंचायत के रहने वाले अग्निवीर अर्जुन महतो को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा , 'परमात्मा वीर शहीद की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें।' वहीं झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन ने भी अर्जुन महतो को श्रद्धांजलि देते हुए कहा बोकारो के वीर सपूत अग्निवीर अर्जुन महतो के शहीद होने की दुखद खबर ने हृदय को व्यथित कर दिया। परमात्मा से प्रार्थना है कि वीर शहीद की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। वहीं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नवनिर्वाचित विधायक जयराम कुमार महतो चंदनकियारी पहुंचे। वहां उन्होंने शहीद के परिजनों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को दिलासा दिया।

बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ चंपाई सोरेन का सामाजिक अभियान

कहा- पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में आदिवासी समाज आज अल्पसंख्यक बन चुका है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अपने आंदोलन को एक सामाजिक अभियान करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक या चुनावी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह झारखंड की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की रक्षा के लिए एक सशक्त पहल है। चंपाई सोरेन ने चिंता व्यक्त की कि पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में आदिवासी समाज आज अल्पसंख्यक बन चुका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर हम भूमिपुत्रों की जमीनों और वहां रहने वाली बहू-बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सके, तो यह एक गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने भविष्य में संथाल परगना की वीर भूमि पर अपने अभियान के अगले चरण की शुरूआत करने की घोषणा की। जिसमें वीर सिदो-कान्हू और वीरांगना फूलो-झानो को याद किया जायेगा। सोरेन ने कहा कि सरकारें बदलती रहेंगी, लेकिन आदिवासी समाज की पहचान और संस्कृति की रक्षा के लिए यह प्रयास जारी रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह जनसांस्कृतिक धरोहर नहीं बची, तो एक बार फिर उलगुलान का आगाज होगा। इस सामाजिक अभियान के तहत चंपाई सोरेन ने स्थानीय समुदाय से अपील की कि वे इस दिशा में सामूहिक रूप से एकजुट होकर काम करें, ताकि उनके अधिकारों और धरोहरों की रक्षा हो सके।

नीट पेपर लीक मामला: धनबाद और बोकारो के तीन लोग समेत पांच के खिलाफ सीबीआइ की चार्जशीट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीबीआइ ने नीट 2024 प्रश्नपत्र चोरी मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ पांचवां आरोपपत्र दाखिल किया है। इस मामले में अब तक 45 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। जिन पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है, उसमें धनबाद निवासी अमित कुमार सिंह, बोकारो निवासी सुदीप कुमार, युवराज कुमार, बिहार का नालंदा निवासी अभिमन्यु पटेल और पटना का रहने वाला अमित कुमार शामिल है। इसके साथ ही इस मामले में कुल 45 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है और वे सभी अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

हजारीबाग में रची गयी थी साजिश : चर्चित नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआइ कर रही है। सीबीआइ की जांच में खुलासा हुआ है कि हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ अहसानुल हक को नीट यूजी 2024 परीक्षा के लिए हजारीबाग के सिटी कोऑर्डिनेटर के तौर पर प्रतिनियुक्त किया गया था। अहसानुल हक ने उसी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल और नीट यूजी परीक्षा के लिए सेंटर सुपरिटेंडेंट मोहम्मद इम्तियाज आलम और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर नीट प्रश्नपत्र चोरी करने की साजिश रची थी।

सीबीआइ ने पेपर लीक के लाभार्थी उम्मीदवारों की पहचान कर ली है

रांची (आजाद सिपाही)। सीबीआइ ने बताया कि अब तक इस नीट पेपर लीक मामले में कुल 48 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआइ ने इस पेपर लीक के लाभार्थी उम्मीदवारों की भी पहचान कर ली है और आवश्यक कार्रवाई के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के साथ उनका विवरण साझा किया है। शेष गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में जांच और अन्य पहलुओं के संबंध में आगे की जांच जारी है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.8 °C	11.8 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.08 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

हेमंत सोरेन और रामेश्वर उरांव की जीत पर पासवा ने हर्ष जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा है जननायक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव यह झारखंड विधानसभा में प्रचंड बहुमत से जीत पर संपूर्ण पासवा परिवार में हर्ष का माहौल है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पित है और यही कारण है कि दूसरी बार दो तिहाई बहुमत से गठबंधन सरकार का गठन होने जा रहा है। पासवा के नेतृत्व में संपूर्ण झारखंड के निजी विद्यालयों और शिक्षाविदों में हर्ष का माहौल है। झारखंड के निजी विद्यालय इस बात के लिए आशान्वित हैं कि जनप्रिय सरकार झारखंड के निजी विद्यालयों के प्रति संवेदनशील रहेगी।

आलोक दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पासवा के संरक्षक सह वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव यह शुरू से मानते हैं कि झारखंड के निजी विद्यालय झारखंड के शिक्षा व्यवस्था की नींव हैं और झारखंड के निजी विद्यालयों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और यही कारण है कि पिछली सरकार में भी झारखंड के निजी विद्यालयों को आरटीइ की कठिन शर्तों से कभी कोई परेशानी नहीं हुई।

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार, आज शपथ संभव

फड़णवीस-शिंदे-अजित पहुंचे दिल्ली

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई/नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब साफ हो गया है कि राज्य में महायुति की सरकार बनेगी। राज्य में सरकार गठन को लेकर प्रक्रिया तेज है। बैठकों का दौर जारी है।

विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। इसलिए इससे पहले सरकार का गठन होना है। ऐसा न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। सरकार का चेहरा यानी मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए देवेंद्र फड़णवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार रविवार रात दिल्ली पहुंचे। भाजपा आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी है।

जानकारी के अनुसार मुंबई स्थित राजभवन में सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमे भाजपा के कई राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत के लिए 145 सीटों की जरूरत है। महायुति को इससे कहीं ज्यादा 230 सीटें मिलीं हैं।

महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा को 132, शिवसेना (शिंदे) को 57 और एनसीपी (अजित गुट) को 41 सीटें मिली हैं। वहीं, महा विकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गयी। इस गठबंधन के कांग्रेस को 46, शिवसेना (यूबीटी) को 20 और एनसीपी (शरद) को 10 सीटें मिली हैं।

ऋषभ और श्रेयस आइपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

वेंकटेश तीसरे सबसे महंगे भारतीय, केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सऊदी अरब के जेद्दाह में चल रहे मेगा ऑक्शन में दो भारतीय क्रिकेटर्स आइपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गये हैं। पहले नंबर पर हैं ऋषभ पंत हैं, जो अब तक के सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। दिल्ली कैपिटल के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है।

दूसरे नंबर पर हैं पिछले सीजन में कोलकाता को चैंपियन बनाने वाले कप्तान और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ की बोली लगा कर खरीदा है। चौंकाने वाली डील रही वेंकटेश अय्यर की, जिनके लिए कोलकाता नाइट राइडर्स और बेंगलुरु रॉयल चैलेंजर्स के बीच 23.50 करोड़ तक बोली लगी। कोलकाता ने वेंकटेश को 23.75 करोड़ में खरीदा।

वेंकटेशन ने पिछले आइपीएल फाइनल में हैदराबाद के खिलाफ फिफ्टी लगायी थी। वहीं, मिचेल स्टार्क को 11.75 करोड़ रुपये में दिल्ली ने खरीदा। पिछले सीजन 24.75 करोड़ में कोलकाता ने खरीदा था। इस बार कीमत करीब आधी हुई। 110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी। इनमें अर्शदीप, श्रेयस, पंत और बटलर भी शामिल हैं।

महिलाओं ने रचा इतिहास, पहली बार 12 नेत्री होंगी विधानसभा में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार 12 महिलाओं ने जीत हासिल कर अपनी मौजदूगी दर्ज करायी। इनमें 8 विधायक इंडिया गठबंधन से और 4 विधायक बीजेपी ने चुनी गयी हैं।

झामुमो के टिकट पर गांडेय, जामा और इचागढ़ सीट पर महिलाओं ने जीत दर्ज की। कांग्रेस ने पाकुड़, महागामा, रामगढ़, बोकारो और मांडर सीट पर जीत दर्ज की। वहीं बीजेपी के टिकट पर कोडरमा, झरिया और जमशेदपुर ईस्ट सीट पर महिलाओं ने जीत दर्ज की। झारखंड विधानसभा चुनाव के इतिहास में ये पहली बार है जब 12 महिलाएं विधान सभा में रहेंगी।

कल्पना सोरेन

लुईस मरांडी

सविता महतो

निसात आलम

दीपिका पांडे

ममता देवी

श्वेता सिंह

शिल्पी नेहा तिर्की

नीरा यादव

मंजू कुमारी

रागिनी सिंह

पूर्णिमा साहू

झामुमो की महिलाओं की जीत

गांडेय- कल्पना मुर्मू सोरेन ने बीजेपी की मुनिया देवी को 17,142 वोटों से हराया

जामा- पूर्व मंत्री लुईस मरांडी ने बीजेपी के सुरेश मुर्मू को 5,738 वोटों से मात दी

इचागढ़- सविता महतो ने आजसू के हरेलाल महतो को 26,523 वोटों के अंतर से हराया

कांग्रेस की महिलाओं की सफलता

पाकुड़- निसात आलम ने आजसू के अजहर इस्लाम को 86,029 वोटों से हराया

महगामा- दीपिका पांडे सिंह ने बीजेपी के आशोक कुमार को 18,645

रामगढ़- ममता देवी ने आजसू की सुनीता चौधरी को 67,90 वोटों से हराया

बोकारो- श्वेता सिंह ने बीजेपी के बिरंची नारायण को 7,207 वोटों स हराया

मांडर- शिल्पी नेहा तिर्की ने बीजेपी के सन्नी टोप्पो को 22,803 वोटों से हराया

बीजेपी की महिला विजेता

कोडरमा- नीरा यादव ने राजद के सुभाष प्रसाद यादव को 5,815 वोटों से हराया

जमुआ- मंजू कुमारी ने झामुमो के केदार हाजरा को 32,631 वोटों से हराया

झरिया- रागिनी सिंह ने झामुमे के कांग्रेस की पूर्णिमा नीरज सिंह को 14,511 वोटों से मात दी

जमशेदपुर ईस्ट- पूर्णिमा साहू ने कांग्रेस के अजय कुमार को 42,871 वोटों से हराया

झारखंड राज्य सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 20वीं झारखंड राज्य सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता रविवार को सिल्ली के द विलेज रिसोर्ट में संपन्न हुई। प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल बुबुन शरण उपस्थित थीं। उन्होंने इस अवसर पर आगामी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की कामना की। सिल्ली के विलेज रिसोर्ट में 23 से 24 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिता में लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जिसमें पहला स्थान रांची जिला 247 अंक के साथ, दूसरा स्थान चतरा जिला कुल 84 अंक के साथ और तीसरा स्थान लोहरदगा जिला 16 अंक के साथ रही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड वुशू एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र दुबे और कोषाध्यक्ष रत्नेश कुमार मौजूद रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में दीपक गोप सहित सैयद वाहिद अली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किये।

ओरमांझी में 2 युवकों को गोली मारने में सुजीत सिन्हा गिरोह का हाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के ओरमांझी के बिरसा जू के पास शुक्रवार की शाम दो युवकों को गोली मारी गयी थी। इस घटना में जेल में बंद सुजीत सिन्हा गिरोह की संलिप्तता सामने आयी हैं। इस घटना की जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली है कि जमीन कारोबारी से सुजीत सिन्हा गिरोह ने रंगदारी की मांग की थी। हालांकि जमीन कारोबारी ने इस संबंध में न तो पुलिस को जानकारी दी, न ही रंगदारी दी। इसी को लेकर सिन्हा गिरोह के अपराधी जमीन कारोबारी जायसवाल को गोली मारने आऐ थे। लेकिन उनके बीच में जायसवाल के दो कर्मचारी आजाद और जावेद अंसारी आ गये और दोनों को गोलियां लग गयीं। इस मामले को लेकर ओरमांझी थाना में सुजीत सिन्हा और उसके गिरोह के अपराधियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गयी है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कठिन परिश्रम-प्रयत्न से कठिनाईयों का निवारण होगा, दिमागी समाधान निकालने में समर्थ होंगे।

वृष प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास,यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा।

मिथुन रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में लाभकारी वातावरण की शुरूआत होगा, सहयोगियों के साथ विकास का मार्ग मिलेगा।

कर्क सदभावनाएं एवं शुभ संदेश प्राप्त होगा, उद्योग-व्यापार में सफलता, गृहोपयोगी वस्तुओं का संचय करेंगे।

सिंह परिश्रम-प्रयत्न से नौकरी-व्यापार में बिगड़ा काम बनेगा, संतान संबंधी समस्याओं का समाधान करना आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

कन्या परीक्षा-प्रतियोगिता में आपको प्रयासों के अनुरूप सफलता मिलेगी, नई आशाओं का उदय होगा।

तुला परिश्रम से इच्छित सफलता की ओर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक संतुलन बनाये रखने में सफल होंगे।

वृश्चिक चिन्तित मनोरथ की सिद्धि होगी,बिजनेस में शुभ परिवर्तन, आर्थिक लाभ, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा।

धनु बौद्धिक प्रयासों में सफलता मिलेगी, सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कुछ कर दिखाने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

मकर साहसिक कार्य में सफलता, पारिवारिक सुख-साधनों में वृद्धि, विरोधियों पर विजय।

कुंभ घर-गृहस्थी का अच्छा सुख मिलेगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग, कर्मक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति।

मीन रोजी-रोजगार के क्षेत्र में चिन्तनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी, परिश्रम का फल मिलेगा।

खीस्त राजा पर्व की निकली शोभायात्रा, छात्राओं ने की पुष्प वर्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुरूलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजाघर चर्च में आर्चबिशप विसेंट आइंद, रांची प्रोविंश के प्रोविंश अजित कुमार खेस और पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो की अगुवाई में रविवार को इसाई समुदाय का खीस्त राजा पर्व की शोभायात्रा निकाली गयी। इस अवसर पर आरसी चर्च के तेरह यूनिट के फादर, सिस्टर, धर्म बहनें, स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी शामिल हुए। शोभायात्रा की शुरूआत संत मरिया महागिरजाघर चर्च में विशेष विनती की गयी। सभी विश्वासी पुरूलिया रोड में पंक्ति वाइज खडे हुए। सबसे आगे बेदी सेवक, महिला कैथलिक संघ के सैकड़ों महिलाएं ने शोभायात्रा की शुरूआत की।

शोभायात्रा पुरुलिया रोड, मेनरोड, अल्बर्ट एक्का चौक, प्लाजा चौक, डंगराटोली चौक होते हुए लोयला ग्राउंड में सभा में तब्दील हो गया। जहां पर आर्च बिशप बिसेंटआइंद ने परमेश्वर का संदेश सुनाया। इससे पहले निर्धारित जुलूस मार्ग में

विश्वासियों के हाथों में यीशु हमारा राजा की तख्तियां, संत अन्ना और उर्सलाइन कांन्वेट स्कूल की छात्राओं ने सड़कों पर पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत करते रहे। इसके पीछे महिला विश्वासियों के कंधों पर यीशु को पालकी मे ढोए हुए खीस्त हमारा राजा है का जयजयकारा लगा रहे थे। मुहल्लों की मंडली ढोल, नगाड़ा, मांदर और यीशु गीतों से झूमते नाचते हुए राजाओं के राजा यीशु हलेलुया प्रभु को प्रभु हलेलुया गाये जा रहे थे। एक दिसंबर से यीशु का आगमन काल शुरू हो जायेगा।

यीशु मनुष्य के लिए मुक्तिदाता हैं: आर्चबिशप : आर्चबिशप विसेंट आइंद ने सभा को संदेश देते हुए कहा कि यीशु मनुष्य के लिए मुक्तिदाता हैं। लेकिन हमारे राजा हैं। राजनैतिक दृष्टि कोण से नहीं, लेकिन हमारे राजा हैं। सांसारिक नहीं हैं। हमारे व्यवहार सोच-विचार होता है, जो हम बहुत सारी चीजों को प्राथमिकता देते हैं। इनमे से बहुत सारे सांसरिक होते हैं। जहां सांसरिक बातें होती हैं। दुनियावी व्यवहार होता है। वहां प्रभु का राज नहीं होता है। प्रभु के राज्य में तो दयनीय, स्वर्गीय वातावरण, सोच, बातचीत, व्यवहार होता है। यीशु को जीवन में लाकर रोज विश्वास से जीना है कि यीशु हमारा राजा है। हमारा व्यवहार भी सांसारिक न होकर यीशु के बताये संदेश के अनुसार होना चाहिए।

इसलिए रोज का व्यवहार, वातारण, बातचीत, तौर तरीके में जीवन शैली में देख सके। सचमुच हमारे लिए यीशु राजा हैं। हमारे व्यवहार, जीवन से दूसरों से थोड़ा अलग होना चाहिए है। ताकि लोग कहें यीशु प्रेमी कैसे इतने प्रेम से रहते हैं। इनके परिवार में क्यों शांति है। यीशु प्रेमी में भी कठिनाई, बीमारी, गरीबी, तकलीफ होती है। इसके बावजूद इनके जीवन में प्रेम, मेल मेलाप, सहज भाव, सेवा भाव, क्षमा का भाव रहता है। 2025 वर्ष बीत गये। लेकिन यीशु का राज समाप्त नहीं हुआ है। इतिहास बताता है कि सैकड़ों बलशाली राजाओं का राज हुआ करता था। उनके पास बड़ा सामाज्य हुआ करता था। लेकिन सब इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह गये। एकमात्र राज्य है। वह यीशु का राज्य है।

सुनाया फ्रांस के राजा नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश

फ्रांस के राजा नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश को सुनाया कहा कि नेपोलियन बोनाबार्ट राजाओं में से एक राजा था। जिसका छोटा सा कद था। लेकिन बहुत बड़ा सम्राट था। उनके पास काफी सेना थी। उन्होंने पूरा यूरोप को अपना बाहुबली शक्ति से अधीन कर लिया था। अपने समय में विख्यात हो गया था। आज उसी के वचन में स्वीकार किया था। कहा कि अपने समय में साम्राज्य का विस्तार अपने बाहुबल, शक्ति से, प्रेम से राज्य स्थापित किया। अब भी टिका हुआ है और आगे भी टिका रहेगा। ये वचन नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश है। इस समय से यीशु को राजा मान रहे हैं। यीशु के लिए सच्ची प्रजा बनने की कोशिश करें। उनके अनुकूल जीवन को बनायें। उसी के जीवन में सेवाभाव, प्रेमभाव, क्षमाभाव को जोड़ दें। परिवार को आपसी संबंध और समुदाय से जोड़ दें। यही विश्वासियों का नारा होगा। हमारे जीवन के सादगी में ये यह नारा गूज उठेगा। लोगों को बता सकते हैं दूसरे लोग स्वीकार कर सके कि सचमुच यीशु राजा है। उनके राज्य में कोई भी सदस्य बन सकता है। सेवा का भाव अपना सकता है।

याज्ञवल्क्य बने एबीवीपी के बिहार झारखंड के क्षेत्रीय संगठन मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोरखनाथ में आयोजित हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 70 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में याज्ञवल्क्य शुक्ल को बिहार झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनाया गया है। याज्ञवल्क्य मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले से हैं। इनकी शिक्षा रांची विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में पीएचडी तक हुई है। शुक्ल ने शोध झारखंड के पलामू प्रमंडल में कोरबा जनजाति का सांस्कृतिक भूगोलीय अध्ययन विषय पर किया है। उन्होंने नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में परास्नातक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। वह विद्यालयीन काल से अभाविप के संपर्क में हैं। वर्ष 2009 से वह पूर्णकालिक कार्यकर्ता हैं। वे 2007 में जगजीत सिंह नामधारी महाविद्यालय, गढ़वा के निर्वाचित छात्रसंघ अध्यक्ष तथा रांची विश्वविद्यालय के निर्वाचित छात्रसंघ उपाध्यक्ष रहे हैं। शुक्ल वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा आयोजित भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल की श्रीलंका यात्रा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। झारखंड के युवाओं को भ्रमित करने वाले षड्यंत्रों को परास्त कर 'जुटान' जैसे विभिन्न सफल प्रयोगों से जनजातीय विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्व में वह रांची महानगर संगठन मंत्री, झारखंड प्रांत संगठन मंत्री, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य तथा बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी किये हैं। वह एबीवीपी के वर्ष 2022-2024 तक राष्ट्रीय महामंत्री हैं। अब वह बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हैं।

पूर्व विधायक अंबा के घर पर पथराव, टूटी गाड़ी को बताई जनसेवा की पहली तस्वीर

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे आने के बाद सबसे पहला हमला पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के आवास पर हुआ है। उनके घर पर रविवार की सुबह कुछ लोगों ने पथराव किया। इस पथराव में उनकी मारुति गाड़ी के शीशे टूट गये हैं। पथराव के पीछे नवनिर्वाचित विधायक के दबंग समर्थकों का हाथ होने का आरोप अंबा प्रसाद ने लगाया है। अंबा प्रसाद ने सोशल मीडिया पर अपनी टूटी हुई गाड़ी की तस्वीर पोस्ट की है और कहा है कि क्या यही है जनसेवा की आपकी पहली तस्वीर? अंबा प्रसाद ने कहा कि अभी कल ही चुनाव के नतीजे आए और आज नव निर्वाचित विधायक के समर्थकों ने हमारी गाड़ी का शीशा तोड़कर अपनी दबंगई का प्रदर्शन किया। आखिर ऐसी क्या व्यक्तिगत दुश्मनी है आपकी मुझसे? जनता ने आपको सेवा और विकास के लिए चुना है, न कि डर और गुंडागर्दी फैलाने के लिए। दर्द सिर्फ.टूटे हुए शीशे का नहीं, बल्कि टूटते भरोसे और बिगड़ती सियासत का है। अंबा प्रसाद ने जिला प्रशासन से न्याय की मांग की है।

डाढ़ा गांव के मेहता समाज के लोगों ने मृत्यु भोज पर लगायी रोक

इचाक (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत डाढ़ा गांव में रविवार को एक विशेष बैठक कर मेहता समाज ने मृत्युभोज परंपरा को बंद करने का निर्णय लिया है। इसके लिए समाज के सभी लोगों ने मिलकर प्रस्ताव भी पारित किया है। मेहता समाज के सदस्यों ने अपील की कि किसी मृत्यु उपरांत बारहवां के दिन मृत्यु संस्कार भोज को करने की बजाए उसमें लगने वाले धन को बच्चों की परवरिश पर खर्च करें, ताकि उनका भविष्य बन सके। समाज के लोगों ने कहा कि समाज में मृत्यु संस्कार में जो भोजन कराया जाता है, उसमें रोक लगाने की जरूरत है। कई परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के बावजूद वे लोग जैसे-तैसे पैसों का जुगाड़ कर मृत्युभोज करते हैं। मृत्युभोज धन राशि खर्च न करते हुए, उस राशि को अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च करें, जिससे वे पढ़ लिखकर देश और समाज के लिए अच्छा काम कर सकेंगे। बैठक के दौरान डाढ़ा के मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी दयानंद मेहता ने कहा कि समय के अनुसार सभी को बदलाव करनी चाहिए। गांव के मेहता समाज ने इस प्रथा को बंद करने हेतु प्रस्ताव भी पारित किया गया है। दरअसल ग्राम पंचायत डाढ़ा के पूर्व उपमुखिया सह वरिष्ठ समाजसेवी रामकेश्वर प्रसाद मेहता का निधन बिते 19 नवंबर को हो गया था और रामकेश्वर प्रसाद मेहता हमेशा समाज के लिए हमेशा सार्थक कार्य के लिए समय दिया करते थे। उनका सोच था कि समाज में कई ऐसी कुरीतियां है जो प्राचीनकाल से चलती आ रही है। उन्हीं के इस सकारात्मक सोच के साथ डाढ़ा गांव के मेहता समाज ने मृत्यु संस्कार भोज बंद करने का निर्णय लिया है।

सीएनआइ चर्च में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के सहयोग द्वारा संचालित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल और हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल द्वारा नया बस स्टैंड समीप स्थित सीएनआई चर्च (डी. यू मिशन) में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य का जांच, दांत का जांच, आंख का जांच, बीपी का जांच एवं ब्लड का जांच के साथ अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा उपचार किया गया। जिसमें 65 जरूरतमंद लोगों का जांच किया गया। उपचार के साथ चिकित्सकों के द्वारा उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श दिया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में मुफ्त दवाई, बीपी ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर और आरबीएस का जांच मुफ्त हुआ। साथ ही जरूरतमंदों को दवाई भी निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। मुफ्त मेडिकल कैंप से इलाज करवाकर मरीजों ने संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल और हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल का धन्यवाद व साधुवाद ज्ञापित किया। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि शिविर में बुनियादी उपचार बिलकुल मुफ्त है। मौके पर डॉ निषाद गवली, डॉ कृष्णा राज, डॉ नितिन कुमार, डॉ शालू कुमारी, डॉ संगीता कुमारी, डॉ शाहीन प्रवीण, डॉ.शुभम सौरव, डॉ शुभोजीत पॉल और पीआरओ राजकुमार दास ने अपना सरहानीय योगदान दिया।

जनादेश का सम्मान करते हुए धन्यवाद समर्पित करता हूं: सुनील कुमार

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। बरकट्ठा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी सुनील कुमार ने चुनाव परिणाम घोषणा के बाद जनता का आभार व्यक्त किया है। कहा है कि यह चुनाव परिणाम मेरे लिए अप्रत्याशित है, लेकिन लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि है। मैं बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के देवतुल्य मतदाताओं के जनादेश का सम्मान करते हुए अपना धन्यवाद समर्पित करता हूं। मैं परिणाम की गहन समीक्षा कर निरंतर आगे भी बरकट्ठा की देवतुल्य जनता की सेवा के लिए प्रयासरत रहूंगा।

जीत के बाद रोशनलाल ने की पूजा-अर्चना

केरेडारी (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी से नव निर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी न रविवार को प्रखंड के कंडाबेर में स्थित चर्चित सिद्ध पीठ मां अस्ट भुजी माता स्थान में पहुंचकर पूजा अर्चना कर मां आशीर्वाद लिया। अपने दर्जनों समर्थकों के साथ ये मां अस्तभुजी मंदिर पहुंचे और मां की आराधना की। इस मंदिर के मुख्य पुजारी उमेश पाठक ने विधि विधान के साथ पूजा करवाया। पूजन के बाद विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा की ये विजय जनता को विजय है। आने वाले पांच साल मैं पूरी तरह से जनता के लिए समर्पित होकर काम करूंगा। विधानसभा क्षेत्र के सभी वर्गों का विकास हमारी प्रथमिकता होगी। मौके पर भाजपा और आजसू पार्टी के दर्जनों कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रेन का गठन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के द्वारा लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रेन का गठन कर लिया गया है। कोडरमा के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी के मार्गदर्शन में गठित इस कमेटी के अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार होंगे। इस कमेटी में पैनल अधिवक्ताओं के अलावा पारा लीगल वॉलेंटियर को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही इस कमेटी में रिटायर्ड न्यायिक पदाधिकारी के रूप में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष डॉ रतन किशोर तिवारी और डिप्टी चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल किरण कुमारी को भी सदस्य बनाया गया है। इस कमेटी के द्वारा देखभाल और संरक्षण योग्य बालकों और विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों के संरक्षण और पुनर्वास से संबंधित मामलों में सहायक के तौर पर कार्य किया जाना है। आगे झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर यह कमेटी अपने कार्य संपादित करेगी।

जीत के बाद प्रदीप प्रसाद ने नरसिंह स्थान मंदिर में की पूजा

यह जीत जनता के भरोसे और आशीर्वाद का परिणाम है: प्रदीप

उन्होंने भगवान से यह भी प्रार्थना की वह क्षेत्र की प्रगति और जनता की समृद्धि के लिए उनका मार्गदर्शन करें

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने रविवार को सबसे पहले नरसिंह स्थान मंदिर पहुंचकर भगवान का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने ईश्वर की आराधना करते हुए अपनी सफलता का श्रेय जनता जनार्दन को दिया और कहा, यह जीत मेरी अकेले की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है जिसने मुझ पर विश्वास जताया। यह आपके भरोसे और आशीर्वाद का परिणाम है। मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान श्री प्रसाद ने पूरे विधि-विधान से भगवान की आरती की और प्रार्थना की कि वह उन्हें अपने कार्यकाल में सच्चाई, ईमानदारी और जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने भगवान से यह भी प्रार्थना की वह क्षेत्र की प्रगति और जनता की समृद्धि के लिए उनका मार्गदर्शन करें। पूजा के बाद, मंदिर प्रांगण में उपस्थित समर्थकों और स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए प्रदीप प्रसाद ने कहा, आप सभी ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, उसे मैं व्यर्थ नहीं जाने दूंगा। मेरी प्राथमिकता क्षेत्र के हर व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करना, विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाना और सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करना है। साथ ही कहा कि मैं अपने क्षेत्र के हर व्यक्ति को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनके सपनों को साकार करने के लिए मैं दिन-रात मेहनत करूंगा। मेरी सफलता तभी सार्थक होगी, जब मैं जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरूंगा। इस अवसर पर श्री प्रसाद के साथ उनके परिवार के सदस्य, करीबी सहयोगी और बड़ी संख्या में उनके समर्थक उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी ने निकाला विजय जुलूस

यह कार्यकर्ताओं की जीत है : अमित कुमार यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अमित कुमार यादव ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी जेएमएम प्रत्याशी जानकी प्रसाद यादव से 3660 मतों से विजयी हासिल किये। भाजपा प्रत्याशी अमित कुमार यादव को 82221 मत प्राप्त हुए वही जेएमएम प्रत्याशी जानकी प्रसाद यादव 78561 मत मिले भाजपा प्रत्याशी की जीत की खुशी के मौके पर बरकट्ठा में भाजपाइयों ने जमकर डांस और आतिशबाजी की साथ ही एक दूसरे को मिठाईयां खिलायी। इस बार का मतगणना काफी और अंतिम समय तक विजेता उपविजेता अपनी विजयी गाथा लिखने को तैयार थे। मौके पर पूर्व प्रमुख राम लखन मेहता, उमेश चौधरी, राजेन्द्र प्रसाद, मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साहु, भोला प्रसाद, टुकलाल नायक, बिंदु सोनी, अशोक गुप्ता, सुनील गुप्ता, राहुल गुप्ता, दुर्गानंद झा, अजय सिंह, मिथलेश पाठक, उपेंद्र पांडेय, अनिल आजाद, रवि कुमार, पवन कुमार, सुमन कुमार, मिथलेश भारती, उमेश यादव, शंकर यादव, यशवंत कुमार, रोहित यादव, संजय ठाकुर, अशोक वर्णवाल, भोला राम, अशोक रविदास, सुरेंद्र साव, राजकुमार यादव, रविंद्र शर्मा, बसंत राम समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल है।

बाइक से गिरकर युवक घायल

विष्णुगढ़(आजाद सिपाही)। विष्णुगढ़-गोमिया मुख्य मार्ग स्थित गड्ढांडी के समीप रविवार को दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से हुआ घायल। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोकारो जिला अंतर्गत ललपनिया थाना क्षेत्र के अय्यर निवासी अनुराग करमाली पिता नुनुचंद करमाली उम्र 30 वर्ष अपने दोपहिया वाहन होंडा शाइन एसपी जिसकी पंजीकरण संख्या जेएच09एएस9879 से जा रहा था। इसी क्रम में वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे सर पर गंभीर चोट और नाक से रक्त का रिसाव होने लगा। घटना की सूचना मिलते ही विष्णुगढ़ पुलिस बल दुर्घटना स्थल पर पहुंची तत्पश्चात घायल को एम्बुलेंस के माध्यम से विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉ० शहबान के द्वारा प्राथमिक उपचार कर स्थिति गंभीर होने की वजह से बेहतर इलाज हेतु हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव की जीत पर चंद्रवंशी समाज में खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा ने भाजपा विधायक प्रत्याशी डॉ नीरा यादव की हैट्रिक जीत पर चंद्रवंशी समाज में खुशी की लहर है। मंच के मुख्य संरक्षक सदस्य रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, बिरेंद्र राम, उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, ओम प्रकाश राम, अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक नवीन, सचिव महेश भारती, कोषाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, दीपक सिंह, सुरेंद्र भारती, अरुण राम, उपेंद्र वर्मा, विजय राम, दिवाकर राम, अनिल राम, मनोज राम, रंजीत राम, राजकुमार राम, रवि रवानी, मुकेश राम, रवि राम, विजय कुमार, मनोज कुमार, द्वारिका राम, प्रेम कुमार, ओम प्रकाश सिंह, देवेंद्र कुमार, विकास कुमार, अविष्कार कुमार, सुरेंद्र राम, सरजू राम, विजय राम, बिरजू राम, महेश राम, नारायण राम, राजेंद्र राम ने विधायक नीरा यादव को जीत की हार्दिक शुभकामनाएं के साथ ढेर सारी बधाई दी। वही मंच अध्यक्ष दीपक कुमार नवीन, सचिव महेश भारती ने कहा कि मंच की अगली बैठक में विधायक डॉ नीरा यादव को भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर सम्मानित करने का निर्णय लिया जायेगा।

सांसद मनीष जायसवाल ने अंबेडकर लाइब्रेरी को सौंपा बेहद आकर्षक संविधान की प्रति

लाइब्रेरी संचालकों ने सांसद जताया आभार

भारत का संविधान हर मायने में पूरे विश्व को दिखाता है दिशा: मनीष जायसवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। आगामी 26 नवंबर को संविधान दिवस है। इधर लोकसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। लोकसभा सत्र में जाने से पूर्व हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को हजारीबाग के जिला परिषद चौक स्थित बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर पुस्तकालय पहुंचकर यहां बाबा साहेब की प्रतिमा में मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और डॉ अंबेडकर पुस्तकालय को भारतीय संविधान की एक बेहद ही आकर्षक और विशाल प्रति भेंट किया। ज्ञात हो कि पिछले दिनों सांसद मनीष जायसवाल ने इस परिसर में डीएमएफटी योजना के तहत इस इसी पुस्तकालय सह संग्रहालय भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के दौरान पुस्तकालय समिति से दिल्ली से लाकर लोकसभा के तर्ज.पर यहां भी संविधान की विशाल प्रति भेंट करने का वादा किया था। जिसे महज दो महीने में ही सांसद मनीष जायसवाल ने पूरा कर दिया। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल से डॉ अंबेडकर पुस्तकालय से जुड़े विनोद कुमार, बजदेव राम, लक्ष्मण रवि, प्रदीप कुमार दास, मनोज कुमार, सुधीर कुमार, सतीश कुमार दास, सुंदर राम, सहदेव अंजना सहित सांसद मनीष जायसवाल से जुड़े उनके पूर्व विधायक प्रतिनिधि रहें विजय कुमार और उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी उपस्थित रहें। पुस्तकालय समिति से जुड़े लोगों ने भारत के संविधान के इस आकर्षक और विशाल प्रति भेंट करने के लिए सांसद मनीष जायसवाल का आभार जताया और धन्यवाद दिया। मौके पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि संविधान दिवस के दिन सांसद सत्र शुरू होने के कारण हजारीबाग में उपस्थित नहीं हूं इसीलिए पहले ही पुस्तकालय समितियों को संविधान की प्रति भेंट किया। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हर मायने में पूरे विश्व को दिशा दिखाता है।

विधायक डॉ नीरा यादव का अभिनंदन और विजय जुलूस आज

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कोडरमा से लगातार तीसरी बार विधायक चुनी गयीं डॉ नीरा यादव का अभिनंदन कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया जायेगा। डोमचांच में 11 बजे दिन अभिनंदन के बाद शहीद चौक से विजय जुलूस निकाला जायेगा जो कोडरमा होते हुए झुमरीतिलैया झंडा चौक पहुंचेगा। भाजपा जिला महामंत्री विजय यादव और भाजयुमो के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में पार्टी के पदधारी और कार्यकताओं के साथ ही अन्य संगठनों और संस्थाओं के लोग होंगे।

विधायक रोशन लाल चौधरी को शॉल ओढ़ाकर दी गयी बधाई

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव के नवनिर्वाचित विधायक रोशन लाल चौधरी के बड़कागांव पहुंचने पर बड़कागांव डीलर संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार गुप्ता द्वारा बुके देकर, शॉल ओढ़ाकर और मिठाई खिलाकर भव्य तरीके से स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान नव निर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा कि यहां के सभी ग्रामीण जनता को मैं दिल की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं की विकट स्थिति होने के बावजूद भी लोगों ने मेरा साथ नहीं छोड़ा और मिलजुल कर हमें जीतने के लिए जो अथक प्रयास किया इसके लिए मैं सभी का शुक्रगुजार हूं। मौके पर बड़कागांव के हजारों समर्थक, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने जनता का जताया आभार

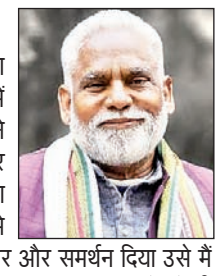

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में किस्मत आजमाने वाले बटेश्वर प्रसाद मेहता ने अपनी हार के बाद भी क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बरकट्ठा विधानसभा की देवतुल्य जनता का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। आप सबों ने जितना प्यार और समर्थन दिया उसे मैं तहेदिल से आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं। चुनाव परिणाम चाहे जो भी हो, मैं आप सभी के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा। आपकी सेवा करना और आपके सुख दुख में आपके साथ खड़ा रहना मेरा जीवन का उद्देश्य है। बता दें कि की बरकट्ठा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में किस्मत आजमाने वाले तीसरे स्थान पर रहे है और 39064 वोट लाने में सफल रहे।

जनता ने रोशन लाल चौधरी को खुलकर आशीर्वाद दिया: कोलेश्वर गंझू

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के भाजपा प्रत्याशी रोशन लाल चौधरी ने रिकॉर्ड मत प्राप्त करते हुए जीत हासिल की है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में भाजपा, आजसू, लोजपा, जदयू के कार्यकर्ताओं को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जीत की खुशी का जश्न सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी खूब देखा जा रहा है। बड़कागांव प्रखंड के अति सुदूर ग्रामीण क्षेत्र उरेज गांव में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह वरिष्ठ नेता कोलेश्वर गंझु के नेतृत्व में भारी संख्या में भाजपा और आजसू पार्टी कार्यकर्ताओं ने खूब अबीर गुलाल लगाकर मिठाई बांट जश्न मनाया। गांव में द्वार द्वार जाकर लोगों को रोशन लाल चौधरी के विधायक बनने का संदेश दिया। मौके पर कोलेश्वर गंझु ने कहा कि जनता ने रोशन लाल चौधरी का 15 वर्षों तक इम्तिहान लिया। जिसका 2024 में जनता ने खूब आशीर्वाद दिया और रोशन लाल चौधरी रिकॉर्ड मत प्राप्त कर विजय हासिल किये। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से एतवा गंझु, जागेश्वर गंझु, रविंद्र गंझु, मैनेजर गंझु, रमन गंझु, दिनेश करमाली, जितेंद्र गंझु, गोवर्धन गंझु के अलावा कई लोग शामिल थे।

दीक्षांत समारोह में रम्या राज ने राज्यपाल से ग्रहण की डिग्री

कोडरमा (आजाद सिपाही)। बेहतर घर, परिवार व समाज के निर्माण के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। एक बेटी शिक्षित होने से दो परिवार शिक्षित होता है। ज्ञात हो कि घर परिवार समाज में शिक्षा का अलख जगाने का काम समाजसेवी सह अध्यापक राजेंद्र वर्मा ने किया जिनकी पुत्री रम्या राज ने बी आईटी मेसरा, रांची से बीटेक (कंप्यूटर साइंस) सत्र 23 -24 की 34 वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार के द्वारा डिग्री की उपाधि हासिल कर समाज और कोडरमा जिला को गौरवान्वित किया है। जिससे कोडरमा सहित संपूर्ण चंद्रवंशी समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। इस खुशी की बेला में दादी कलावती देवी, मां पूनम देवी, पिता राजेंद्र वर्मा, चाचा उपेंद्र वर्मा, चाची बिनीता सिंह, शैलजा वर्मा, प्रियंका वर्मा, भाई गोल्डी, आशु, आदित्य, येशु, बहन ईशा, मंच मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, बिरेंद्र राम, ओम प्रकाश राम, उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, अध्यक्ष दीपक कुमार नवीन, सचिव महेश भारती, संतोष चंद्रवंशी, रवि राम, दीपक सिंह, जय प्रकाश राम, मदन राम, बादल कुमार, सहदेव राम, प्रेम भारती, रमेश राम, सक्षम भारती, ज्योति भारती, सोनम भारती, चंपा देवी, रंजीत राम, दिवाकर राम, मनोज राम, विजय राम, राजेंद्र राम, राजकुमार राम, अमन भारती आदि ने रम्या राज को ढेर सारी शुभकामनाएं के साथ हार्दिक बधाई दी। वही रम्या ने कहा कि यह उपलब्धि शिक्षक, दादी, मां, पापा, चाचा चाची सभी बड़ों के आशीर्वाद के साथ छोटे भाई बहन ने सहयोग कर हौसले को बढ़ाने का काम किया।

मतदाताओं के जनादेश का सम्मान: कृष्णा यादव

चंदवारा (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के कृष्णा यादव ने बरही विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के जनादेश का सम्मान करते हुए अपना धन्यवाद समर्पित किया है। उन्होंने कहा है कि मेरे लिए यह चुनाव परिणाम अप्रत्याशित है, लेकिन लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि है। मैं परिणाम की गहन समीक्षा कर निरंतर आगे भी बरही विधानसभा की देवतुल्य जनता की सेवा के लिए प्रयासरत रहूंगा। मेरे लिए हार कोई मायने नहीं रखता, मैंने शून्य से शुरूआत की है जिसे निर्बाध रूप से आपसे जुड़े रहकर जारी रखूंगा। बरही विधानसभा क्षेत्र की जनता का सहृदय आभार। आपने जिन्हें अपना जनादेश देकर बरही विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधित्व का अवसर प्रदान किया उन्हें ढेरों शुभकामनाएं और अनंत बधाई। उनसे उम्मीद करूंगा कि आपके जनादेश का सम्मान करते हुए बरही विधानसभा क्षेत्र के विकास और तरक्की में एक नया इतिहास लिखेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने जनता के प्रति व्यक्त किया आभार

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग ज़िले के सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने चुनाव समाप्त होने के बाद क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इसे केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि जनता से जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझने का एक विशेष अवसर है। हजारीबाग की देवतुल्य जनता का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। चुनाव परिणाम चाहे जो भी हो, मैं सदैव आपकी सेवा के लिए तत्पर रहूंगा। आपके सुख-दुख में सहभागी बनना और आपकी समस्याओं का समाधान करना मेरा जीवन का उद्देश्य है। उन्होंने क्षेत्र की आवाज को बुलंद करने और विकास के लिए ईमानदारी से कार्य करने का भरोसा दिलाया। मुन्ना सिंह ने कहा कि वह हजारीबाग के हर व्यक्ति के हित के लिए निरंतर काम करते रहेंगे।

टंडवा में गजल संध्या का आयोजन

टंडवा (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट एनकेएसटीपीपी ने बीते शनिवार को पर्यावरण मूल्यांकन समिति सदस्यों के स्वागत में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। एनकेएसटीपीपी के सदस्यों और वसुंधरा लेडीज क्लब की प्रतिनिधियों ने अतिथियों को गुलदस्ते भेंट कर उनका से स्वागत किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ. शरद सिंह नेगी, आइएफएस सेवानिवृत्त, अध्यक्ष, इएसी, और पूर्व महानिदेशक, एमओइएफ एंड सीसी, का स्वागत अरिंदम सिन्हा, आरइडी इआर-मुख्यालय, द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक दीप प्रज्वलन से हई। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या गजल संध्या का आयोजन हुआ, जिसने समारोह में एक संगीतपूर्ण माहौल जोड़ दिया। यह आयोजन न केवल एनटीपीसी नॉर्थ करणपुरा की सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण को भी उजागर करता है।

मांडू विधायक निर्मल महतो ने आजसू सुप्रीमो के लिए दिखाया दरियादिल

सीट छोड़ने का किया एलान, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो मांडू से लड़ें चुनाव

सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है निर्मल महतो का वीडियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। पूरे झारखंड में आजसू का झंडा मांडू विधानसभा से निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने फहराया है। वे इकलौते विधायक वर्तमान समय में रहेंगे जो विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। लेकिन शपथ लेने से पहले ही निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के लिए अपनी सीट खाली करने का फैसला किया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो को एक पत्र लिखा है और कहा है कि वे उनके लिए मांडू विधानसभा

खाली करेंगे। साथ ही उन्हें जिताकर विधानसभा भेजेंगे। इस पर अब आखिरी फैसला सुदेश महतो के द्वारा ही लिया जाना है। सुदेश महतो पार्टी सुप्रीमो हैं और पूरे प्रदेश में बड़े निर्णय पार्टी हित में वही लेते हैं। जहां तक बात गठबंधन और सीट की होती है, फैसला उन्हीं का माना जाता है। अब वह मांडू विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे या फिर तिवारी महतो को विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व सौंपेंगे, यह तो उनके ऊपर निर्भर करता है। फिलहाल तिवारी महतो के इस बड़े फैसले ने उन्हें एक बड़े दिलवाले के रूप में जनता के बीच खड़ा कर दिया है। जिस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तिवारी महतो ने 10 वर्षों का संघर्ष किया। आज अपने पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के मान सम्मान के लिए उन्होंने अपनी कुर्बानी देने का फैसला किया। उनका यह फैसला पार्टी में एकलव्य की कुर्बानी की तरह देखा जायेगा।

कुजू में निर्वाचित विधायक का भव्य स्वागत

विकास के लिए मिले जीत पर जनता और एनडीए का आभारः निर्मल महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। एनडीए चुनाव कार्यालय कुजू में मांडू विस नवनिर्वाचित विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो का रविवार को एनडीए समर्थक और कार्यकताओं ने जोरदार भव्य स्वागत किया है। मौके पर निर्मल महतो ने विस की जनता और एनडीए नेता कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का आशीर्वाद प्यार और एनडीए के समर्थन से मांडू में बदलाव के लिए मुझे जीत मिली है। इस जीत के लिए मैं सभी को धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि मांडू विधानसभा के जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे जीत दिलाया है, उन सभी लोगों का विश्वास के साथ विकास में पहली प्राथमिकता होगा। साथ ही, मैंने जो चुनाव में वादा किया है उसको पूरा करूंगा। वही, उन्होंने कहा कि राज्य में एनडीए की सरकार नही बनने के कारण मैं विजयी जुलूस नहीं

निकालूंगा। इसके बदले विधानसभा के हरेक पंचायत में जाकर आभार व आशीर्वाद यात्रा निकालने का काम करूंगा। साथ ही, कहा कि इंडिया गठबंधन जो-जो वायदा करके सत्ता हासिल किया है उसको उसे पूरा करता है या नहीं, क्योंकि पिछले चुनाव में कई ऐसे वायदा किया जो आज तक पूरा नहीं किया है। वही, वायरल वीडियो वाले मामले पर कहा कि अगर जरूरत पड़ेगा तो मैं सुदेश महतो के लिए मांडू विधानसभा की सीट छोड़ भी सकता हूं। क्योंकि आज जो भी कुछ मैं हूं वो जनता व सुदेश महतो और चंद्रप्रकाश चौधरी के बदौलत पार्टी के सुप्रीमो जो भी फैसला लेंगे मैं उसका स्वीकार करूंगा। इसके बाद तिवारी महतो सुदेश महतो से आशीर्वाद लेने के लिए रांची रवाना हुए। स्वागत करने वालो में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, प्रो खिरोधर प्रसाद साहू, पंकज साहा, आजसू प्रखंड अध्यक्ष नरेश महतो, लालचंद महतो, रामभजन लाल महतो, जदयू प्रदेश महासचिव जगदीश महतो, चंद्रमणि देवी, गुड्डू सिंह, जय किशोर महतो, रतन प्रसाद साहू, रवि साहू, अशोक कुमार, गोपाल ठाकुर, महेश ठाकुर, नितेश गुप्ता, राजेन्द्र महतो, अमित ठाकुर राधे, अक्षय भारती, मदन महतो, जयराम प्रजापति सहित काफी संख्या एनडीए कार्यकर्ता और एनडीए समर्थक शामिल रहे।

कुंदा में जनार्दन पासवान की जीत पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)। रविवार को कुंदा प्रखंड क्षेत्र के एनडीए गठबंधन प्रत्याशी जनार्दन पासवान की जीत के बाद कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखने को मिला। चतरा विधानसभा से एनडीए के लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान की जीत पर कुन्दा में भाजपा कार्यकर्ताओं में उमंग छा गया। लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जीत की बधाई दिया और मिठाई खिलाकरखुशी का इजहार किया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर भोक्ता, गंदौरी साव, मनोज यादव, दिव्या भोक्ता, अनीता देवी, अखलेश यादव, सतेंद्र सींह, घनश्याम यादव, रवि वर्मा, अनुज गुप्ता, लवकुश गुप्ता, बसंत भोक्ता, बिनोद यादव समेत काफी संख्या में लोग शामिल हुए। लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान की जीत के बाद कुंदा प्रखंड क्षेत्र में जश्न का माहौल है।

गोमिया विधायक योगेंद्र महतो की जीत पर खुशी का माहौल

गोमिया को विकसित बनाना हमारा लक्ष्यः योगेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। झारखंड विधानसभा चुनाव के परिणाम मिलते ही में लोगों ने खूब आतिशबाजी की अपने-अपने क्षेत्र के समर्थकों के साथ एक दूसरे को रंग गुलाल लगे गाजे बाजे के साथ अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में विजय जुलूस निकाली गयी है गोमिया विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक योगेंद्र महतो के पैत्रिक आवास मुरुबंदा मे पहुंचकर विधानसभा क्षेत्र के हिसीम पंचायत के त्रियोंनाला कसमार से झामुमो कार्यकर्ताओं ने भारी बहुमत से योगेंद्र की जीत पर खुशियां जाहिर किया बुक्के व 20 किलो का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और जीत की बधाई दी। इस मौके पर नवनिर्वाचित गोमिया के विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के पेटरबार, खैरा चातर बगदा गोमिया, कसमार, महुवाटाड, चतरोचट्टी आदि क्षेत्र में सरकार

की विकास योजनाओं को लाना मेरा लक्ष्य है विधानसभा में किसी भी तरह का कोताही नहीं किया जायेगा पूरे गोमिया में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य आदि मूलभूत सुविधाओं जैसे विकास योजनाएं नई सरकार के गठन के बाद धरातल पर शत-प्रतिशत उतारने का प्रयास किया जायेगा, गोमिया की जनता मुझे 5 वर्षों के लिए भारी मतों से विजय दिलाई है और जनता के हित के लिए खरे उतरने का काम करूंगा और गोमिया का विकास करके मॉडल विधानसभा बनाने का पहला प्रयास होगा, इस मौके पर झामुमो के हिसीम पंचायत से लोकधन मुर्मू, संजय मुर्मू, फूलचंद मुर्मू, गंगाराम किस्कू, कालीचरण मुर्मू, जितेंद्र किस्कू, कालीचरण सोरेन, रविंद्र मांझी, फुलेश्वर मांझी, धाम मुर्मू, कालेश्वर मांझी, भोलाराम मांझी लकी देवी, सुनीता कुमारी, सुनैना कुमारी, अब्दुल रहमान शकूल प्रजापति, शिवम प्रसाद सहित कई दर्जन लोग स्वागत समारोह में शामिल थे।

जिले में 5,20,585 मतदाताओं ने किया मतदान

चतरा में 8071 और सिमरिया में 6928 मतदाताओं ने किया नोटा का प्रयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा विधान सभा क्षेत्र के 2,68,805 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें 8071 मतदाताओं ने नोटा बटन दबाकर किसी पर भरोसा नहीं किया। तथा 148 मत अस्वीकृत कर दिया गया। शेष मतदाताओं ने विभिन्न दलों एवं निर्दलीय प्रत्याशियों पर अपना विश्वास जताया था। जिसमें 1. चन्द्रशेखर कुमार - बहुजन समाज पार्टी - 3625 मत, 2. जनार्दन पासवान - लोक जन शक्ति पार्टी (राम विलास) - 109019 मत, 3. रश्मि प्रकाश - राष्ट्रीय जनता दल - 90618 मत। 4. पुन भुईयां - सीपीएम - 3016 मत, 5. अशोक कुमार डोम - लोकहित अधिकार पार्टी - 2689मत। 6. अशोक भारती - झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा - 16776। 7. डोमन भुईयां - सीपीआई - 6112 मत। 8. सुबोध पासवान - एआईएमआईएम - 5535 मत, 9.अशोक कुमार गहलौत- निर्दलीय - 5714 मत, 10. उमेश कुमार भारती - निर्दलीय - 14190 मत तथा 11. सागर राम - निर्दलीय - 3292 मत शामिल है। जबकि सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के चुनाव में -251780 मतदाताओं ने मतदान किया था। जिसमें 6928 ने नोटा बटन का प्रयोग किया तथा 140 मत अस्वीकृत कर दिया गया। शेष मतदाताओं ने कुमार उज्जवल - भारतीय जनता पार्टी - 111906 मत, 2. मनोज कुमार चन्द्रा - झारखण्ड मुक्ति मोर्चा - 107905 मत, 3. रामवतार राम - बहुजन समाज पार्टी - 2265 मत, 4. जितेन्द्र कुमार - झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा - 11164 मत, 5. लाल किशोर दास - झारखण्ड पार्टी - 572 मत, 6. सुरेश कुमार - कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया - 3809 मत, 7. विकास कुमार - निर्दलीय - 902 मत 8. विनय कुमार - निर्दलीय - 527 मत, 9. बिनोद कुमार - निर्दलीय - 793 मत, 10. शंकर रजक - निर्दलीय - 1271 मत तथा , 11. सदानन्द भुईयां - निर्दलीय - 3598 मत देकर अपना विश्वास जताया।

चुनाव हारे हैं, जमीन नहीं, चतरा में सशक्त विपक्ष की भूमिका में रहेगा राजद : सत्यानंद भोक्ता

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा विधानसभा क्षेत्र से अपने पुत्रवधु रश्मि प्रकाश के चुनाव हारने पर हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रहे सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि चतरा में राजद चुनाव भले हार गया है, लेकिन जमीन नहीं हारा है। राजद यहां कल भी मजबूत था, आज भी है और कल भी रहेगा। चुनाव में हार जीत लगा रहता है। कहां चूक हुई, उसकी समीक्षा करेंगे। उन्होंने चतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चतरा विधानसभा में हमारी हार हुई है, इस हार को स्वीकार करते हैं। लेकिन झारखंड में एक बार फिर लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार पूर्ण बहुमत से बनने जा रही है। यह किसी जीत से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राजद व महागठबंधन दल में शामिल दलों के किसी भी कार्यकताओं को इस हार से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार उनकी बन रही है और 24 घंटे वह एटीएम की तरह उनके साथ खड़े मिलेंगे। चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के साथ साथ महागठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत किया है। सभी ने सामूहिक रूप से अच्छा प्रयास किया। इसके लिए सभी को आभार और धन्यवाद। वह सभी के सुख दुख में सदैव खड़े रहेंगे।

उज्ज्वल दास की जीत पर टंडवा में निकला विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। सिमरिया विधान सभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार उज्ज्वल कुमार दास ने जेएमएम प्रत्याशी मनोज चंद्रा को 4001 वोट से विजय प्राप्त किया। इस उपलक्ष्य में टंडवा भाजपा मंडल क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने विधायक बने उज्ज्वल दास को आकर्षक रूप से सजाये घोड़े की रथ में सवार कर विजय जुलूस निकाली गयी। इस शोभायात्रा के नेतृत्वंदल अध्यक्ष संजीव पांडेय ने किया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं की जोश बैंड की धुन में बेहतरीन प्रदर्शन किया। खुशियों से भरी शोभायात्रा की टोली में मिठाई

वितरण किया गया, साथ ही आतिशबाजी जयकारे, आजसू पार्टी, भाजपा पार्टी के झंडे को लहराते आंबेडकर चौक से गुप्ता चौक बाजार टांड़ नीम चौक झंडा चौक होकर शहीद चौक तक जुलूस का समापन किया गया। इस मौके पर विधायक बने उज्ज्वल दास, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुनील चौरसिया, ईश्वर दयाल पांडेय, मंडल उपाध्यक्ष बबलू गुप्ता, नंदा थापा रंजित गुप्ता, कुलदीप दास, शशि चौरसिया, राजेंद्र नायक, विकास पांडेय, जिला महामंत्री मिथलेश गुप्ता, महेंद्र यादव, पंकज राज, आजसू नेता जितेंद्र महतो, महेश महतो, लखन साहू, विजय पांडेय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राधा गोविंद विवि में 76वां एनसीसी दिवस मना

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय में 22 झारखंड बटालियन एनसीसी कैडेट्स द्वारा एनसीसी दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही एनसीसी कैडेट्स का रक्त दान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी और विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने अपनी राष्ट्रीय भावना को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न संस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुत दी। साथ ही रोड रैली, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, पोस्टर, वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने 76 वां एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं दीं और सभी कैडेट्स को देश और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किये। एनसीसी एएनओ लेफ्टीनेंट डॉ अमन वर्मा ने एनसीसी दिवस की सभी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा कि एनसीसी दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स की अच्छी प्रस्तुति पर विशिष्ट अतिथियों द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत और राष्ट्रगान गाकर हुआ। मौके पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो रश्मि, कुलसचिव प्रो निर्मल कुमार मंडल, वित्त और लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार, एनसीसी के शिक्षकगण और छात्र -छात्राएं उपस्थित थे।

दो दिवसीय मंगसीर बदी नवमी महोत्सव संपन्न, दादी जी के भजनों पर झूमे भक्त

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के बिजुलिया तालाब रोड के श्रीराणी सती मंदिर में 18 वां मंगसीर बदी नवमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। रविवार को श्रीराणी सती दादी जी का दरबार सजाया गया। यजमान अशोक अग्रवाल व उनकी पत्नी प्रमिला अग्रवाल ने श्रीगणेश पूजन की। इसके बाद भक्तों ने श्रीराणी सती दादी जी को 56 भोग और सवामनी का प्रसाद का भोग लगाया। सुबह 10.30 बजे से मंगल पाठ प्रारंभ हुआ। राजस्थान जयपुर के प्रसिद्ध मंगल पाठ की युगल जोड़ी रवीश व सोनम सोनी ने संगीतमय मंगल पाठ कराया। दोनों गायकों ने वह झुंझुनू की सेठानी है,जिसे हम प्यार करते है...,मंगल पाठ की बेला आई, दादी नट मत नट मत झोली भर दे..आदि भजनों पर भक्त भाव विभोर हो गये। महिलाओं ने भावपूर्ण मंगल पाठ किया। महिला भक्त भजनों पर झूमती रही। शाम 5 बजे महाआरती के साथ महोत्सव का समापन हुआ। इधर,श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट और श्रीराणी सती महिला मंगल समिति की सभी सदस्यों ने महोत्सव के धार्मिक कार्यक्रम में सराहनीय योगदान दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल व सचिव सुनील अग्रवाल ने भक्तों के सहयोग पर आभार जताया। कार्यक्रम में महिला-पुरुष भक्तों की भीड़ लगी रही।

हृदय गति रुकने से अधेड़ की मौत

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के नावाडीह पनारी पंचायत के मलिकडीह गांव निवासी 55 वर्षीय विफन यादव की मौत हृदय गति रुक जाने से हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक विफन यादव राज मिस्त्री का काम करता था। सुबह उठकर आहर की ओर शौच के लिए गया था। इसी दौरान वह मुर्छित हो कर गिर गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया।

रेलवे ब्रिज निर्माण में लगी पोकलेन मशीन को अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने लगायी आग

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। शिवपुर-कठौतिया रेल लाईन के निर्माण में लगी आइएससी कंस्ट्रक्शन कंपनी के टंडवा थाना क्षेत्र के बुकरू गांव स्थित ब्रिज संख्या 103 के निर्माण में लगी पोकलेन मशीन और एक हाइड्रा मशीन को अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने शनिवार की मध्य रात्रि आग के हवाले कर दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी भाग निकले। आगजनी की घटना की जानकारी जैसे ही ब्रिज निर्माण में लगे वर्कर्करो को मिली तो वर्कों

ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम में वर्कों के सहारे घंटो मशक्कत के बाद हाइड्रा मशीन में लगे आग को तो बुझा लिया। लेकिन पोकलेन मशीन में लगी आग को बुझाने में वे असफल रहे, जिससे पोकलेन मशीन जलकर बर्बाद हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की मध्य रात्रि करीब 12 बजे आधा दर्जन की से अधिक की संख्या में हथियारबंद अपराधी पहुंचे और आगजनी की घटना को अंजाम दिया। वहीं टंडवा पुलिस आगजनी की घटना में शामिल अपराधियों के धड़-पकड़ को लेकर अभियान में जुट गयी है।

उषा सिलाई और प्रोडक्शन सेंटर का उद्घाटन

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। गुरु सिंह सभा भुरकुंडा गुरुद्वारा में कलसी बिल्डकॉन के सहयोग से खुले उषा सिलाई सेंटर व प्रोडक्शन सेंटर का रविवार को उद्घाटन हुआ। सेंटर का उद्घाटन कलसी बिल्डकॉन के सुमित सिंह व पत्नी कोमल कलसी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर कोमल कलसी और सुमित सिंह ने बताया की कलसी बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा भुरकुंडा गुरुद्वारा में 20 नवंबर से 4 दिसंबर तक 15 महिलाओं को शिलाई का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिसमें पैंट, शर्ट, सलवार, कुर्ती, स्कुल ड्रेस, टी-शर्ट सहित अन्य परिधान का निर्माण और सप्लाई की जानकारी दी जायेगी। मौके पर संजू देवी, उषा कौर, अमृता कौर, अमरजित कौर, स्नेहा कौर, रानी कुमारी, रेखा कौर, सरबजीत कौर, लक्ष्मी कौर, दलविन्दर कौर, सुनीता कौर, जसमित कौर, शीतल कौर, परमजीत कौर, निशा कौर सहित अन्य उपस्थित रहे।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 502 date 19.11.2024, I, Raj Kumar @ Raj Kumar Madanpotra, aged about 52 years, Aadhar No. 9354 2391 8623, son of Girdhari Lal Madanpotra, resident of Krishna Nagar Colony, Ratu Road, Ranchi, P.O.- G.P.O. Ranchi, P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi, (Jharkhand), PIN- 834001, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-
1) That my actual date of birth is 13.01.1972.
2) That my date of birth has wrongly been mentioned as "15.01.1971" in my PAN card No. ACIPM9741L and in my Aadhar card No. 9354 2391 8623, which requires to be corrected as "13.01.1972".
3) That this affidavit is being sworn by me to get my date of birth corrected as "13.01.1972" in my PAN card and in my Aadhar card. Hence necessity of this affidavit. 3) That this affidavit is being sworn by me to get my date of birth corrected as "13.01.1972" in my PAN card and in my Aadhar card. Hence necessity of this affidavit.
4) That the statements made above are true and correct to my knowledge, information and belief. Sworn and signed this affidavit at Ranchi, today on this the day 15 of November, 2024.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 503 date 19.11.2024, I. Raj Kumar Raj Kumar Madanpotra, aged about 52 years, Aadhar No. 9354 2391 8623, son of Girdhari Lal Madanpotra. resident of Krishna Nagar Colony, Ratu Road, Ranchi, P.O.- G.P.O. Ranchi, P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi, (Jharkhand), PIN- 834001, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-
1) That in my educational certificates, my name has been mentioned as "Raj Kumar", whereas in my Aadhar Card and PAN card, my name has been written with my surname as "Raj Kumar Madanpotra".
2) That through this affidavit I hereby declare that both the names i.e. Raj Kumar and Raj Kumar Madanpotra, son of Girdhari Lal Mandanpotra, are the name of same and similar person i.e. myself
3) That the statements made above are true and correct to my knowledge, information and belief. Sworn and signed this affidavit at Ranchi, today on this the 15 day of November, 2024.

विचारधाराओं की लड़ाई में विजय का जनादेश

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग-अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़ कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनायी है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव के परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है, जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पायीं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया, तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा। कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुषों तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिलाओं और 1 हजार 820 अन्यों ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था। कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इंकार नहीं कर सकते, क्योंकि झारखंड में भी मंईयां सम्मान योजना ने भूमिका निभायी, लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16 प्रतिशत मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा इस्लामिक कट्टरवाद–इन पर सभी भाजपा एवं शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे, इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोध में काम करने वाला घोषित किया। महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। भाजपा व शिवसेना समर्थकों में से जिन्होंने कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गये या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि हिंदू, बौद्ध,सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है।

महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया, तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है।

अभिमत
आजाद सिपाही

जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर इन दोनों खिलाड़ियों का दबदबा था, उसी तरह भारतीय रेलवे और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच की साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप एक परिवर्तनकारी (गेम-चेंजर) भूमिका निभा रही है। यह परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के बीच मौजूद अवरोधों को तोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।

रेलवे और गतिशक्ति : एक अजेय साझेदारी

एके खंडेलवाल

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने संयुक्त रूप से 26 शतक लगाकर एक शानदार जोड़ी बनायी थी। जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर इन दोनों खिलाड़ियों का दबदबा था, उसी तरह भारतीय रेलवे और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच की साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप एक परिवर्तनकारी (गेम-चेंजर) भूमिका निभा रही है।

यह परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के बीच मौजूद अवरोधों को तोड़ने की सुविधा प्रदान करता है। गतिशक्ति अब बुनियादी ढांचे की योजना बनाने और निर्णय लेने की आधारशिला है। इसका कार्यान्वयन इस राष्ट्रीय परिवाहक (ट्रांसपोर्टर) के मंडल-स्तरीय निर्माण संगठनों तक फैला हुआ है। इसके माध्यम से रेलवे ने पीएमजीएस के संचालन के दो प्रमुख तत्वों - संस्थागत ढांचे और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआइएस) के डेटा-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। जहां गतिशक्ति गांगुली की कलात्मकता एवं दृढ़ नेतृत्व को प्रदर्शित करती है, वहीं रेलवे, तेंदुलकर की अनुकूलनशीलता की तरह, विविध चुनौतियों का कुशलता से सामना करता है।

रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किलोमीटर (आरकेएम) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचा से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे जोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आयी है। इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटा कर केवल सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गयी, जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 ही थी। जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने भारत के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है। विभिन्न रेलवे जोन, विभागों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से, पीएमजीएस अब बुनियादी ढांचे से संबंधित समग्र योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन का एक आदर्श मॉडल बन गया है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोड़ना है। परंपरागत रूप से, सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतर-विभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से, परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गयी हैं।

पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष मात्र 6-7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान जहां 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। यह एक वित्तीय वर्ष में अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है! कुल 5,309 किलोमीटर की नयी लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ, परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किलोमीटर (आरकेएम) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किलोमीटर प्रति दिन से बढ़कर 15 किलोमीटर प्रति दिन हो गयी है। प्रभावी रूप से, पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नयी बनी सड़कों को तोड़ने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचा से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, हाउसिंग सोसाएटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए पहले शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढ़ने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों (वेयरहाउसिंग) को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा। योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गतिशक्ति की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढांचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरूआती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केंद्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की योजना बना सकता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने तथा व्यापार करना और अधिक आसान बनाने की क्षमता के आधार पर इस बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गयी है।

कुल 16 रेलवे जोन के सभी 68 मंडलों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से होने वाला सुधार स्पष्ट दिखायी देता है। गतिशक्ति के आने से पहले, प्रत्येक रेलवे जोन व विभाग एक हद तक अलग-थलग रूप से संचालित होते थे। इससे देरी, अक्षमताएं और समन्वय की कमी की समस्याएं पैदा होती थीं। पीएमजीएस-एनएमपी के माध्यम से डिजिटल इंटरफेस की शुरूआत ने क्रॉस-जोन सहयोग का एक एकीकृत मंच प्रदान किया, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान और परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वन का संभव हुआ।

हालांकि मैं पीएमजीएस और भारतीय रेलवे, दोनों को सचेत करना चाहूंगा। जहां सचिन और सौरव ने क्रिकेट के मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वैसे ही, पीएमजीएस की शक्ति और रेलवे के दृढ़ संकल्प को वैसी राजनीतिक परियोजनाओं से कमजोर नहीं पड़ने दिया जाना चाहिए, जिनमें दीर्घकालिक लाभ का अभाव हो, क्योंकि भारत जल्द ही अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरा करने वाला है।

(लेखक : पूर्व सदस्य इंफ्रा रेलवे बोर्ड हैं।)

देश-विदेश की खबरें

जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची टीम के विरोध में संभल में हिंसा, तीन मौत

परिजन बोले- पुलिस की गोली से मौत
कमिश्नर ने कहा- छतों से की गयी फायरिंग
सड़कों से 4 ट्रॉली पत्थर हटाये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

संभल। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में तीन युवकों की मौत हो गई। कमिश्नर ऑन्जनेय सिंह ने इसकी पुष्टि की है। हिंसा में सीओ अनुज चौधरी और एसपी के पीआरओ के पैर में गोली लगी है। एसपी समेत 15 अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हैं।

हिंसा के बाद अगले 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। पूरे शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल है। जामा मस्जिद जाने वाले सभी तीन रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गयी है।

इधर, मृतकों के परिजनों का दावा है कि पुलिस की गोली से मौत हुई है। हालांकि कमिश्नर ने कहा, 'पुलिस फायरिंग में कोई मौत नहीं है। हमलावरों की फायरिंग में युवकों की जान गयी है।'

तीन युवकों की मौत से शहर में फिर तनाव हो गया है। सपा सांसद बर्क के इलाके में भी पथराव की घटना हुई। हिंसा के बाद एडीजी रमित शर्मा, आइजी मुनिराजजी मौके पर पहुंच चुके हैं।

दरअसल, रविवार सुबह 6.30 बजे डीएम-एसपी के साथ एक टीम जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची थी। टीम देखकर मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गये। कुछ ही देर में करीब दो से तीन हजार से ज्यादा लोग जामा मस्जिद के बाहर पहुंच गये। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद भगदड़ जैसे हालात हो गये। अचानक पथराव शुरू हो गया, पुलिस को भागना पड़ा। बवाल इतना बढ़ गया कि पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे फिर लाठीचार्ज करके भीड़ को खदेड़ा। उग्र भीड़ ने 3 चौपहिया और 5 बाइकों में आग लगा दी। हालात कई घंटे बेकाबू रहे। सड़कों से 4 ट्रॉली पत्थर हटाये गये हैं।

भारत ने 300 अरब डॉलर का क्लाइमेट पैकेज खारिज किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बाकू। भारत ने अजरबैजान की राजधानी बाकू में 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी29) के दौरान विकासशील देशों की मदद के लिए बनाये गये 300 अरब डॉलर के क्लाइमेट फाइनेंस पैकेज को खारिज कर दिया। भारत ने इस रकम को विकासशील देशों की जरूरतों के मुकाबले काफी कम बताया। भारतीय डेलिगेशन की तरफ से चांदनी रैना ने कहा कि हम इससे काफी निराश हैं, ये साफ तौर दिखाता है कि विकसित देश अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के इच्छुक नहीं है। हमें यह कहते हुए खेद है कि यह दस्तावेज महज नजरों का धोखा है।

रविवार को सीओपी29 में विकासशील देशों को 2035 तक हर साल 300 बिलियन डॉलर देने पर सहमति बनी है। इसका मकसद विकासशील देशों को फॉसिल फ्यूल में कमी करने करने के लिए बढ़ावा देना, क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए तैयार करना और इससे होने वाले नुकसान को दूर करने में मदद करना है।

यह दस्तावेज महज नजरों का धोखा : चांदनी रैना ने बैठक के समापन सत्र में कहा कि हमारी राय में, यह पैकेज हम सभी के सामने आने वाली बड़ी चुनौती से नहीं निपट पायेगा। हम इसे अपनाने का विरोध करते हैं। 300 अरब डॉलर का पैकेज विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि विकासशील देश जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन उन पर ही दबाव बनाया जा रहा है कि वो अपना डेवलपमेंट धीमा करके कम कार्बन उत्सर्जन करें। विकासशील देशों को विकसित देशों द्वारा बनाये गये एकतरफा कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म से भी जूझना पड़ रहा है।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से अडाणी मामले पर हंगामे के आसार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 18वीं लोकसभा का तीसरा सत्र (शीतकालीन सत्र) 25 नवंबर से शुरू होने वाला है। इससे पहले रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इस दौरान 30 पार्टियों के कुल 42 नेता मौजूद थे। कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में पहले दिन अडाणी मामले पर बहस की मांग की है। अमेरिका की न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने गौतम अडाणी पर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने इस मामले पर जेपीसी की मांग रखी है।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी ने मणिपुर हिंसा, प्रदूषण, रेल दुर्घटनाओं पर भी संसद में चर्चा करने का प्रस्ताव रखा है।

हालांकि संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा- चर्चा के मुद्दों पर फैसला कार्य मंत्रणा समिति करेगी। विपक्ष सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दे।

संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सरकार ने सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयक की लिस्ट तैयार की है। लोकसभा बुलेटिन के मुताबिक लोकसभा में 8 और राज्यसभा में 2 विधेयक लंबित हैं। इस सत्र में कार्यवाही शुरू होने से पहले केरल और नांदेड़ सीट से उपचुनाव जीत कर आये 2 नये सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला शपथ दिलायेंगे।

सत्र में कुल 16 विधेयक पेश किये जायेंगे
11 पर चर्चा होगी, 5 मंजूरी के लिए पेश होंगे

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कुल 16 विधेयक पेश किये जाने हैं। इनमें से 11 विधेयक चर्चा के लिए रखे जायेंगे, जबकि 5 कानून बनने के लिए मंजूरी के लिए रखे जायेंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए प्रस्तावित विधेयकों का सेट अभी सूची का हिस्सा नहीं है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सरकार इसे सत्र में ला सकती है। वहीं, राज्यसभा बुलेटिन में कहा गया है कि लोकसभा से पारित एक अतिरिक्त विधेयक भारतीय वायुयान विधेयक राज्यसभा में मंजूरी के लिए लंबित है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की हिंसा में 82 मौत, 156 घायल

हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों को बंधक बनाया, शव सौंपने से इनकार

आजाद सिपाही संवाददाता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में गुरुवार से जारी हिंसा में मरने वालों की संख्या 82 पहुंच गई है, जबकि 156 लोग घायल हैं। मरने वालों में 16 सुन्नी और 66 शिया समुदाय के लोग हैं। हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों को बंधक बना रखा है और शव सौंपने से इनकार कर रहे हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के मंत्री आफताब आलम ने कहा कि आज हमारी पहली कोशिश दोनों गुटों के बीच युद्ध विराम कराना है। जैसे यह होगा, हम दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अभी भी जिले के कई इलाके में दोनों गुटों के बीच छिटपुट गोली-बारी जारी है।

पारचिनार से खैबर पख्तूनख्वा जा रहे काफिले पर हमला : गुरुवार को कुर्रम जिले के मंदुरी और ओछाट में 50 से ज्यादा पैसेंजर वैन पर गोलीबारी की गयी, जिसमें 6 वैन को भारी नुकसान पहुंचा था। ये सभी गाड़ियां एक काफिले में पारचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर

जा रही थी। अफगानिस्तान की सीमा से सटे शिया बहुल कुर्रम जिले में अलीजई (शिया) और बागान (सुन्नी) जनजाति के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है।

सीमा विवाद की वजह से बना आतंकियों की पनाहगाह : खैबर पख्तूनख्वा को लेकर हमेशा से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव रहा है। इस वजह से कई आतंकी गुट इसे पनाहगाह की तरह इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा यहां रहने वाली जनजातियों में भी लंबे वक्त से जमीन विवाद चला आ रहा है।

यहां पर होने वाली आतंकी घटनाओं की एक बड़ी वजह बॉर्डर एरिया को लेकर दोनों देशों में आपसी सहमति न होना है। दरअस्ल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक सीमा के जरिए अलग होते हैं। इसे डूरंड लाइन कहा जाता है। पाकिस्तान इसे बाउंड्री लाइन मानता है, लेकिन तालिबान का साफ कहना है कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा राज्य उसका ही हिस्सा है। अफगानिस्तान पर कब्जे पर तालिबान ने पाकिस्तान से इस इलाके को खाली करने को कहा और यहां लगी फेंसिंग उखाड़ दी। पाकिस्तान ने इसका विरोध किया और वहां फौज तैनात कर दी। इसके बाद तालिबान ने वहां मौजूद पाकिस्तानी चेक पोस्ट्स को उड़ा दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव ज्यादा बढ़ गया।

हादसे में कृपालु महाराज की एक बेटी की मौत, दो की हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

मथुरा। जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी पुत्री विशाखा त्रिपाठी का रविवार की सुबह यमुना एक्सप्रेस-वे पर नोएडा के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। कृपालु महाराज की दो अन्य पुत्रियां दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहीं हैं। डॉ विशाखा त्रिपाठी के निधन से आध्यात्मिक जगत में शोक की लहर दौड़ गयी है। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को यमुना के मोक्षधाम पर किया जायेगा। बता दें कि जगद्गुरु कृपालु परिषद की अध्यक्षा डॉ विशाखा त्रिपाठी अपनी दोनों बहनों के साथ दिल्ली एयरपोर्ट अपनी निजी कार

से जा रही थीं। नोएडा के दनकौर के समीप पीछे से आ रहा कैंटर ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी गाड़ी पर पलट गया, जिससे 75 वर्षीय विशाखा त्रिपाठी की मौके पर ही मौत हो गयी। उनकी बहनें श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है।

प्रसिद्ध प्रेम मंदिर और कीर्ति मंदिर के संस्थापक जगद्गुरु कृपालु महाराज के सन 2013 में देहावसान के बाद वसीयत के अनुसार उनकी बड़ी पुत्री विशाखा त्रिपाठी को जगद्गुरु कृपालु परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनके निर्देशन में वृंदावन और मनगढ़ में संचालित धर्मार्थ कार्यों की देखरेख चल रही थी। विशाखा त्रिपाठी महाराज श्री के साथ लंबे समय से विभिन्न सेवा प्रकल्पों से जुड़ी हुईं थीं। उन्हें कई बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है। कोतवाल रवि त्यागी ने बताया कि शाम को चार बजे शव वृंदावन लाया जायेगा। सोमवार को मोक्षधाम वृंदावन में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

विनर और रनर के बाद कोई भी नेता नहीं बचा पाया अपनी जमानत

गढ़वा 80 तथा भवनाथपुर 81 विस क्षेत्र के चुनाव परिणाम में स्थिति बराबर रही

गिरिनाथ सिंह जैसे दिग्गज नेता भी अपनी जमानत नहीं बचा पाये

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा 80 तथा भवनाथपुर 81 विधानसभा क्षेत्र से मात्र विनर और रनर ही अपनी जमानत बचा पाये। शेष सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से कुल 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जबकि भवनाथपुर से 17 प्रत्याशी चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे थे। जिनमें गढ़वा से 18 तथा भवनाथपुर के 15 प्रत्याशियों की जनता ने जमानत जब्त करा दी।

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र की बात करें, तो भाजपा के विजयी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी को कुल एक लाख 33 हजार 109 वोट प्राप्त हुए, जबकि रनर रहे झामुमो प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर को कुल एक लाख 16 हजार 356 मतदाताओं ने उन्हें वोट दिया। तीसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गिरिनाथ सिंह ने मात्र आठ हजार 96 वोट ही हासिल किया। जबकि चौथे नंबर पर रहे बसपा प्रत्याशी अजय कुमार चौधरी को 7,722 वोट से ही संतोष करना पड़ा।

भाजपा के विजयी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी और झामुमो के विजयी प्रत्याशी अनंत प्रताप देव

भाजपा के हारे प्रत्याशी भानु प्रताप शाही और झामुमो के हारे प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर।

इसी प्रकार निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र कुमार सिंह को 4502 वोट ही प्राप्त हुए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी राम प्यारे पाल को 4092, आजाद समाज पार्टी कांशी राम के लव कुमार सिंह को 3202, एआईएमआईएम के नजीबुदीन खान को 2914, निर्दलीय प्रत्याशी लोकनाथ कुमार को 2148, निर्दलीय प्रत्याशी सुजाउदीन अंसारी को 1960, निर्दलीय प्रत्याशी सत्येंद्र तिवारी को 1875, प्रमेश कुमार को 1337 वोट से संतोष करना पड़ा।

वहीं दिलीप कुमार तिवारी को 1007, झारखंड पार्टी के मंदीप मल्लाह को 909, सतीश कुमार चौबे को 768, हरीश कुमार सिंह को 569, गिरजा नंदन उरांव को 527, गोरखनाथ महतो को 416, पिपुल पार्टी आफ इंडिया के सुखलाल बाखला को 414 तथा झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सोनू यादव को 349 वोट मिले।

इसी प्रकार भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी रहे झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव को कुल एक लाख 46 हजार 265 वोट मिले। जबकि रनर रहे भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही को एक लाख 24 हजार 803 मत प्राप्त हुए। शेष सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी। जिसमें तीसरे नंबर पर रहे निर्दलीय राहुल प्रसाद गुप्ता को 5946 वोट से ही संतोष करना पड़ा। वहीं राजेश बैठा को 5087 वोट, बसपा प्रत्याशी पंकज कुमार को 3744, निर्दलीय विशेश्वर मेहता को 2861, सोशलिस्ट युनिटी सेंटर आफ इंडिया कम्यूनिष्ट के अजय कुमार सिंह को 1991, निर्दलीय राम नरेश यादव को 1827, कम्यूनिष्ट पार्टी आफ इंडिया के घनश्याम पाठक को 1812, निर्दलीय युसूफ अंसारी को 1452, पीपुल पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिक के नंदलाल राम को 806 वोट ही मिल सका।

लोकहित अधिकार पार्टी के जयराम पासवान को 753, निर्दलीय वरूण बिहारी को 698, आजाद समाज पार्टी के रौशन कुमार को 672, निर्दलीय देवेंद्र कुमार प्रजापति को 804, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के आदित्य कुमार गुप्ता को 570, समाजवादी पार्टी के उमेंद्र कुमार यादव को 508 वोट मिले।

कैसे होती है जमानत जब्त

विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव लड रहे सभी प्रत्याशियो को अपनी जमानत बचाने के लिए कुल प्राप्त मत से कम से कम एक बटा छह वोट अवश्य लाना होता है। यदि कोई प्रत्याशी इससे कम वोट लाता है तो उसकी जमानत जब्त हो जाती है। इस चुनाव में गढ़वा व भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विनर व रनह ही अपनी जमानत बचा पाने में कामयाब हुए हैं।

सत्येंद्र नाथ तिवारी की जीत पर मेराल में निकाला गया विजय जुलूस

तीसरी बार विधायक बने सत्येंद्रनाथ तिवारी पूर्व सांसद और भाजपा के स्टार प्रचारक घूरन राम के साथ शामिल होकर कार्यकर्ताओं को हौसला बढ़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रखंड मुख्यालय में विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी की जीत पर हाई स्कूल के मैदान से गाजे बाजे के साथ विजय जुलूस निकला गया। जिसमें तीसरी बार विधायक बने सत्येंद्रनाथ तिवारी पूर्व सांसद और भाजपा के स्टार प्रचारक घूरन राम के साथ शामिल होकर कार्यकर्ताओं को हौसला बढ़ाया। विजय जुलूस नेशनल हाईवे मुख्य पथ पर बस स्टैंड, थाना चौक होते हुए नेनुआ मोड पहुंच कर समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ आतिश बाजी करते हुए जमकर गुलाल उड़ाए साथ ही एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ता विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी जिंदाबाद, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के साथ गगन भेदी जय श्री राम का नारा लगा रहे थे। विजय जुलूस में किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष उदय कुमार कुशवाहा, प्रवीण पाल, मंडल अध्यक्ष मनोज जयसवाल, रूपू महतो, डॉ. लालमोहन, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा, विजय प्रसाद, अमित प्रसाद, धनंजय शर्मा, विकास दुबे, दिलीप मेहता, इंदेश पांडे, संदीप दुबे, राधेश्याम, भोला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे।

मेराल प्रखंड की जनता ने यह साबित कर दिया कि जो प्रखंड से जीतेगा, वहीं विधायक बनेगा

मेराल (आजाद सिपाही)। गढ़वा विधानसभा का हृदय स्थली कहे जाने वाला मेराल प्रखंड की जनता ने विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जीत का इतिहास दुहराया है। बता दें कि गढ़वा-रंका विधानसभा चुनाव में जिन पार्टी और प्रत्याशी को मेराल प्रखंड से बढ़त मिलती है, वहीं जीत का परचम लहराता है। यह चुनाव परिणाम आने के बाद एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है। प्रखंड की जनता ने तीसरी बार सत्येंद्र नाथ तिवारी पर विश्वास जताते हुए उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया है। प्रखंड से भाजपा प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी को करीब 8 हजार वोटो की बढ़त मिली जिससे जीत का सेहरा उनके माथे पर तीसरी बार बंध पाया। सत्येंद्र नाथ तिवारी 2009 में पहली बार जेवीएम के टिकट पर चुनाव लड़े थे, तब भी मेराल प्रखंड से उन्हें बढ़त मिली थी, जो जीत में सहायक हुआ था। दूसरी बार 2014 में वे भाजपा के टिकट पर चुनाव लडे, तब भी मेराल प्रखंड से उन्हें बढ़त मिली और लंबे अरसे के बाद गढ़वा विधानसभा में भाजपा का परचम लहराया था। परंतु 2019 के विधानसभा चुनाव में मेराल प्रखंड से झामुमो के प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर को बढ़त मिली और वे पहली बार विधायक व मंत्री बने। परंतु सिटिंग विधायक और मंत्री रहते हुए उन्होंने मेराल प्रखंड के ग्रामीण जनता से जुड़ाव नहीं रख पाये, जिसकी वजह से वे मेराल प्रखंड से हुए पीछे हो गये और चुनाव में सत्येंद्र नाथ तिवारी से पटकनी खा गये। हालांकि उनके हार की वजह गढ़वा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी सभा तथा वोट का ध्रुवीकरण मुख्य कारण रहा।

अनंत प्रताप देव की जीत पर जगह-जगह निकाला गया विजय जुलूस

भवनाथपुर में निकाला गया विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। झारखंड विधानसभा चुनाव में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडी गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव की जीत पर भवनाथपुर प्रखंड कमिटी द्वारा रविवार को विजय जुलूस निकाला गया। नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव ने अपने निकटम प्रतिद्वंदी पिछले एक दशक से विधायक रहे भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही को हरा कर दूसरी बार भवनाथपुर विस पर कब्जा जमाया। विजय जुलूस ब्लॉक मोड़ से मुख्य पथ होते हुए कपूरी चौक तक गयी। विजय जुलूस के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर पर सवार होकर चलने के साथ ही डीजे के धुन पर नाचते हुए जगह जगह बम पटाखा फोड़कर तथा एक दूसरे को अबीर गुलाल कर जीत की बधाई दी। मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि विस क्षेत्र में अगले पांच साल में अमन-चैन के वातावरण में विकास की नयी पराकाष्ठा लिखने और भवनाथपुर विस क्षेत्र से बेरोजगारी और पलायन को रोकने के साथ ही भवनाथपुर में रोजगार के नये सृजन उपलब्ध कराने लिए भवनाथपुर के जनता ने विधायक अनंत प्रताप देव को अपना समर्थन देकर सेवा करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में पांच साल पहले जो सामंतवादी व्यवस्था थी, उसे समाप्त करने का काम किया गया। इस मौके पर प्रखंड सचिव विनोद कुमार सिंह, बबलू यादव, इलियास अंसारी, मकरी के पूर्व मुखिया अब्दुल्ला अंसारी, अजीमुद्दीन अंसारी, शमशेर अंसारी, विजय सिंह खरवार, गुलाब, परमबीर राम, अमित सिंह, अनिल गुप्ता उर्फ कूंटू, सलाहुद्दीन, महिला मोर्चा के सुशीला देवी, प्रमुख शोभा देवी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

छोटे राजा के जीत पर समर्थकों ने मनाया जश्न

केतार (आजाद सिपाही)। छोटे राजा की जितने के खुशी में समर्थकों ने प्रखंड क्षेत्र में खूब आतिशबाजी की और जश्न मनाया। समर्थकों ने कई स्थानों पर जेसीबी से विजय जुलूस निकाला। एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई खिलाया और जीत की बधाई दिया। मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो के प्रखंड उपाध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में खोन्हर, चेचरिया, मोटांगवा बालीगढ़ में विजय जुलूस निकाल कर खूब जश्न मनाया। वहीं पाचाडूमर में प्रमुख प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद के आवास से विजय जुलूस निकाला गया। मुकुंदपुर में झामुमो के उपाध्यक्ष दिनेश वर्मा, दीपक वर्मा, विवेक गुप्ता, राजेश वर्मा के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया। मौके पर उपस्थित रमेश राम, राजद प्रखंड अध्यक्ष जगनारायण यादव, लाल हेमेंद्र ठाकुर, मनीष कुमार गुप्ता सहित काफी लोग उपस्थित थे।

सगमा में अनंज की जीत मनाया गया जश्न

सगमा (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर विधान सभा से झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा के जीत पर प्रखंड में समर्थकों द्वारा एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुसी मनाया। जीत की खुशी में प्रखंड के सगमा सारदा कटहर कलां पुतुर सोनडीहा, बीरबल, घघरी गांव के समर्थकों द्वारा जुलूस की शक्ल में होकर हेमंत सोरेन जिंदाबाद छोटे राजा जिंदा बाद का नारा लगाते हुए मुख्यपथ पर अबीर गुलाल लगाते हुए भ्रमण किया। इस दौरान समर्थकों ने एक दूसरे को मुंह मीठा कराया। मौके पर हरिदास यादव, प्रेमन प्रसाद यादव, जायगोपाल यादव, नंदलाल यादव, योगेंद्र यादव सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ताओ शामिल थे।

डंडई में निकाला गया विजय जुलूस

डंडई (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा की जीत पर डंडई प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विजय जुलूस निकाला। डंडई प्रखंड मुख्यालय सहित रारो, लवाही, पचौर, जरही के साथ अन्य जगहों पर विजय जुलूस गाजे-बाजे के साथ निकाला गया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी। साथ ही जमकर बम पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। इस दौरान झामुमो नेता रामशीष प्रसाद, जितेंद्र कुमार ठाकुर, आनंद प्रकाश, राजेश मेहता, क्यामुदिन अंसारी सहित अन्य लोग थे।

सत्येंद्रनाथ तिवारी के जीत की खुशी में भाजपा समर्थकों ने मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सत्येंद्रनाथ तिवारी के जीत की खुशी में समर्थकों ने रंका अनुमंडल मुख्यालय में नारा लगाते हुए जेसीबी से विजय जुलूस निकाला और जमकर आतिशबाजी की गयी। एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया और मिठाइयां बांटी। यह जुलूस प्रखंड कार्यालय से निकल कर मुख्यमार्ग 343 से बाजार होते हुए रंका थाना मोड़ गया और वहां से लौटकर पुनः भाजपा कार्यालय पर आकर समाप्त हुआ। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश दास, पूर्व विधायक प्रतिनिधि संतोष तिवारी, कंचनपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार, युवा नेता संतोष चंद्रवंशी, उपमुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर तिवारी, अशोक दूबे, जमादार सिंह, जितेंद्र यादव, संजय ठाकुर, बंशी यादव, कृष्णा भुईयां, पूर्व प्रमुख हेमंत लकड़ा, मुखिया प्रत्याशी संजय भुईयां, विश्वनाथ यादव, विनोद रवि, जीएस ठाकुर, राजेश प्रजापति, चप्पू चंद्रवंशी, सोनू तिवारी, सचिन यादव, मनोज रवि, अजय रविदास सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

राजद प्रत्याशी नरेश प्रसाद सिंह की जीत पर निकला विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी नरेश प्रसाद सिंह की भारी बहुमत से ऐतिहासिक जीत पर बरडीहा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में विजय जुलूस निकाला गया। जुलूस में गाजे-बाजे और उत्सव का माहौल देखने को मिला। इस दौरान बरडीहा, सुख नदी, जीका, खरगडीहा, सलगा, कौवा खोह, आदर सेमरी और अन्य गांवों में विजय जुलूस निकाला गया। कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे और पार्टी के झंडे के साथ जश्न मनाया। अबीर-गुलाल लगाकर और नाच-गान करते हुए कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा गया। पार्टी समर्थक ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकते नजर आये।

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गुलाल लगाकर अपनी खुशी साझा की। इस अवसर पर झामुमो के जिला उपाध्यक्ष नवल किशोर यादव, राजद के छोटू यादव, मुकेश प्रजापति, पंकज पाल, और गुलाम सिद्दीकी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डुमारी गांव निवासी बुधवा उरांव की पत्थर से कूच कर हत्या

तोरपा (आजाद सिपाही)। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के डुमारी गांव निवासी बुधवा उरांव (50) की अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी। उसका शव तोरपा थाना क्षेत्र के रायसेमला बांध टोली के पास से रविवार को बरामद किया गया। बताया जाता है कि उसकी हत्या पत्थर से कूचकर की गयी है। जानकारी के अनुसार बुधवा शुक्रवार को अपने घर से बांध टोली में लगे मेला गया था। उसके बाद से घर नहीं लौटा। रविवार को उसका शव बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाइकोर्ट के आदेश के बावजूद डीजे बजाने वालों के डीजे जब्त, कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। हाईकोर्ट के सख्त निदेशों के बावजूद मझिआंव थाना क्षेत्र में डीजे बजाने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इसी क्रम में शनिवार रात करीब 11 बजे पुलिस ने बोदरा गांव के पास से एक डीजे सिस्टम जब्त किया। थाना प्रभारी आकाश कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान कृष्ण कन्हैया डीजे (वाहन संख्या खल03ळ 8917), जो कांडी थाना क्षेत्र से संचालित हो रहा था, को डीजे बजाते हुए पकड़ा गया। इसे जब्त कर थाने लाया गया और संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। थाना प्रभारी ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी थाना क्षेत्रों में डीजे संचालकों के साथ बैठक कर सख्त चेतावनी दी थी। किसी भी परिस्थिति में शादी, विवाह, त्योहार या अन्य आयोजनों में डीजे बजाने पर रोक लगायी गयी थी। निर्देश के उल्लंघन पर डीजे संचालकों पर कानूनी कार्रवाई की बात कही गयी थी।

थाना प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि शादी या अन्य आयोजनों में केवल 60 डेसिबल से कम ध्वनि सीमा वाले लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस की इस कार्रवाई से यह साफ है कि हाईकोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। डीजे संचालकों को चेतावनी दी गयी है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई से नहीं बच पायेंगे।

जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी को धन्यवाद दिया, प्रत्याशियों की जीत की बधाई दी

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा जानकारी दी गयी कि विधान सभा चुनाव के तहत 74 लातेहार विधानसभा क्षेत्र और 73 मनिका विधानसभा क्षेत्र हेतु मतगणना लातेहार जिले में सफलता पूर्वक और शांति पूर्वक सम्पन्न हो गया। ऐसे में सभी मतदाताओं, अधिकारियों, कोषांग के सभी कर्मियों, मतदान कर्मियों, पुलिस अधीक्षक तथा सभी सुरक्षा बलों, अर्द्ध सैनिक बलों यथा सशस्त्र सीमा बल के जवानों को आभार और धन्यवाद।

इसके अलावे पूरे मतदान प्रक्रिया के दौरान प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के द्वारा किये गये सहयोग के लिए सभी मीडिया कर्मियों का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने आभार प्रकट किया है। साथ ही चुनाव के सभी प्रत्याशियों ने भी चुनावी प्रक्रिया को सपन्न करने में अपनी भागिदारी निभायी है। इन सबों के सहयोग से ही जिला प्रशासन ने भारत निर्वाचन आयोग के नियमों का अक्षरशः पालन करते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न करा पाई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने 74 लातेहार विधानसभा क्षेत्र और 73 मनिका विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी को बधाई दी है।

बाल विवाह मुक्त समाज निर्माण में किशोरों की भूमिका अहम: एस होरो

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कुडू प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरी में रविवार को चयनित पियर एजूकेटर का 6 दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित साथिया (एजुकेटर) को प्रशिक्षक द्वारा आरकेएसके कार्यक्रम, पियर एजुकेटर पर भूमिका, नशा पान, गैर संचारी रोग, मानव तस्करी, बाल विवाह समेत समाज में महिला पुरुष समानता लाने में किशोरों कि भूमिका पर विशेष रूप से जानकारी दी गयी।

समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सिएचसी कुडू की प्रभारी डॉ सुलामी होरो मौजूद रहीं। प्रशिक्षण के दौरान किशोरावस्था के किशोरों को मुख्य रूप से

स्वास्थ्य जीवन शैली, स्वास्थ से संबंधि समस्याओं, शिक्षा संबधी बेरोजगारी, लिंग संबंधी भेदभाव, बाल- विवाह, समानता का अधिकार के साथ- साथ आरकेएसके के मुख्य छः बिंदुओं पर स्लोगन, रोल प्ले और खेल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में बाल विवाह के दुष्परिणाम पर विशेष जानकारी देते हुए कहा गया कि समाज के सभी लोगों को मिलकर इस दिशा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। आप अपने गावं के किशोर किशोरियों के लीडर है। सभी किशोरियों को जागरुक कर बाल विवाह मुक्त गावं बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। किशोरियों को अपना एक सपना गढ़ने का मौका दिया जा सकता है। इस बात पर जोर दिया गया कि जो सदियों से महिला पुरुष के बीच भेद-भाव की परंपरा चली आ रही है उसके लिए किशोरों को आगे आना होगा। इस परंपरा को तोड़ सके और एक समानता वाले समाज का निर्माण कर सके। इसके लिए किशोर की भूमिका मतवपूर्ण है। प्रशिक्षण के अंत में सभी के द्वारा शपथ लिया गया कि, महिला पुरुष में समानता आये और बाल विवाह मुक्त गावं हो इसके लिए विशेष अभियान चलायेंगे ।

प्रशिक्षण प्रशिक्षक के रूप में आरकेएसके के शंकर राम, रोशनी टोप्पो, करुणा लकड़ा,अर्चना लकड़ा, जूही कुमारी, मेनका, सुभानी तिर्की, निभा तिर्की, सुनीता तिग्गा, सीमा दुलारी कुजूर, रोशन जोसफ टोप्पो, तकनीकी सहयोग सी 3 इंडिया के पवन कुमार गुप्ता, मुंबेद अख्तर के द्वारा दिया गया। स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सा प्रभारी सुलेमानी होरो ,जिला काउंसलर सीता लिंडा समेत अन्य मौजूद थे।

पूर्व उप प्रमुख गौरीशंकर उरांव के शव का किया गया अंतिम संस्कार

बारियातू। प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख मोहन उरांव उर्फ गौरीशंकर उरांव की गुमशुदगी के लंबे समय बाद उनके कंकाल का रविवार को लातू स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। जब रांची से उनका कंकाल घर लाया गया, तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। हर आंख नम थी, और हर व्यक्ति के चेहरे पर गहरी पीड़ा साफ नजर आ रही थी। इस दुःखद अवसर पर पंचायत की मुखिया तेतरी देवी, उप प्रमुख निशा शाहदेव, पूर्व मुखिया अर्जुन उरांव, उप मुखिया राम किशुन गंझू, वार्ड सदस्य विजय सिंह, दीपक गंझू, महावीर गंझू, रामवृक्ष उरांव, चित्तरंजन सिंह, सैलेश सिंह, पंकज सिंह, समाजसेवी विश्वनाथ उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष पुनेश्वर प्रजापति, समाजसेवी लाल आशीष नाथ शहदेव, बारियातू के पूर्व मुखिया प्रमोद उरांव और मोहम्मद जुबैर समेत कई पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कहा, गौरीशंकर उरांव जनता के हित के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।

एक दिवसीय योग नेचुरोपैथी शिविर का आयोजन

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के भौंरो गांव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में रविवार को वैदिक विश्व मंगल ट्रस्ट के तत्वाधान में एक दिवसीय योग नेचरोपैथी शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें गांव के पुरुष और महिलाओं ने भाग लिये शिविर में महिलाओं की संख्या अधिक थी। योग शिविर में बच्चों को डॉक्टर अशोक आचार्य ने लंबाई बढ़ाने के अभ्यास बतायें, महिलाओं को कमर दर्द के लिए आसन बतायें और प्राणायाम के रहस्य को बताया। योग शिविर का संयोजक शिव शंकर साहू, प्रकाश साहू, राधेश्याम साहू, पारसनाथ साहू, बिरंची प्रजापति, विष्णु, विनुमति देवी, किरण देवी, उर्मिला देवी, आशा देवी, सहित काफी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे।

लगातार 128वां सप्ताह सेवा भारती ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण मे लगातार 128 वां सप्ताह के रविवार को सुबह 7:30 बजे से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ कुमुद अग्रवाल, डॉ अंजलि सुमन, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सहसचिव संजय चौधरी ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्प चढ़ाकर शुभारंभ किये। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 39 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी, वजन, हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि का निःशुल्क जांच किया गया, और अन्य सभी प्रकार की स्वास्थ जांच पैथोलॉजी के माध्यम से आधे खर्च में ही किया जा रहा है। डॉ कुमुद अग्रवाल ने कहा कि लोगों को अपने स्वास्थ की जांच हर समय कराते रहना चाहिए, नहीं तो छोटी बीमारीया भी बड़ा रूप ले लेती है। महिला चिकित्सक डॉ अंजलि सुमन ने कहा कि लोग अपने स्वास्थ के प्रति जागरूक रहें और लोगों को भी जागरूक करें। उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल व सहसचिव संजय चौधरी ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ्य चेकअप करा कर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को एक घंटे के लिए लगाई जाती है। कहा कि राजीव यादव भी स्वास्थ्य की जांच करने में अपना सहयोग दे रहे हैं। शिविर में जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ कुमुद अग्रवाल,डॉ अंजली सुमन, अवधेश मित्तल, संजय चौधरी, गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, किशोर बंका, सुबोध प्रसाद, सत्यम सर्राफ आदि उपस्थित थे।

अगले वर्ष फरवरी में चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का भव्य सम्मेलन होगा

पारिवारिक मिलन समारोह सह जिला सम्मेलन में शामिल होंगे प्रदेश के कई नेता

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के जिला संयोजक मंडली की एक बैठक मुख्य संयोजक राजेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में यदुवीर धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया की अगले वर्ष फरवरी 2025 में चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का पारिवारिक मिलन समारोह और जिला सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में जिले के चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा परिवार के साथ-साथ प्रदेश के अगुआ भी शामिल होंगे। सम्मेलन सह पारिवारिक मिलन समारोह में चंद्रवंशी परिवार के सदस्य एक दूसरे से मिलेंगे और समाज की उन्नति पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन के आयोजन को ले एक संयोजक मंडली का गठन किया गया है, जो कार्यक्रम का सफल आयोजन करेगी। गांव-गांव जाकर सम्मेलन का प्रचार-प्रसार किया जायेगा और सब की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। लोहरदगा जिला चंद्रवंशी समाज के इतिहास में पहला अवसर होगा, जब चंद्रवंशी समाज का प्रत्येक घर और प्रत्येक परिवार इसमें अपना योगदान और भागीदारी निभायेगा। बैठक में आयोजन समिति के मुख्य संयोजक राजेंद्र वर्मा, सहसंयोजक प्रदीप नारायण सिंह विकास वर्मा, सागर वर्मा, परमेश्वर वर्मा, उत्पल वर्मा, अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष अरविंद वर्मा और ज्योति वर्मा प्रवक्ता- सागर वर्मा और मीडिया प्रभारी अवनी वर्मा को बनाया गया है। कार्यक्रम के मार्गदर्शन के लिए मार्गदर्शक मंडल का भी गठन किया गया। जिसमें मुनिंद्र प्रसाद, राम अवतार वर्मा, लखन वर्मा, जगदीश वर्मा, श्याम सुंदर वर्मा, चमार राम आदि शामिल किया गया है। इस बैठक में यह भी तय किया गया कि आयोजन समिति की अगली बैठक 01 दिसंबर को 11:00 बजे यदुवीर धर्मशाला में होगी इसमें महिला और युवा समिति का भी गठन किया जायेगा, जो इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपनी भागीदारी निभायेंगे।

झारखंड की जनता ने हेमंत सोरेन को आशीर्वाद दिया : दीपू सिन्हा

लातेहार झामुमो के केंद्रीय सदस्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की षड्यंत्रकारी नीतियों के खिलाफ झारखंड की जनता ने रिकॉर्ड तोड़ जनादेश देकर विरोधियों को यह बतला दिया है कि इंडिया रुकेगा नहीं और झारखंड झुकेगा नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य दीपू कुमार सिन्हा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सांप्रदायिक, विभाजनकारी और षड्यंत्रकारी नीतियों के खिलाफ झारखंड की जनता ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व में एक बार पुनः सरकार बनाने का प्रचंड और रिकॉर्ड तोड़ जनादेश देकर विरोधियों को यह बतला दिया है कि इंडिया रुकेगा नहीं और झारखंड झुकेगा नहीं।

इस शानदार और अभूतपूर्व जनादेश देने हेतु झारखंड की जनता का कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं और उन्हें यह विश्वास दिलाता हूं कि अगले पांच वर्षों में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड तथा झारखंडियों की तकदीर और तस्वीर बदल जायेगी। भले ही हम लातेहार विधानसभा में कुछ सौ मतों से हार गये हैं परंतु यहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह दिखला दिया है की लातेहार में झारखंड मुक्ति मोर्चा मजबूत था, है और रहेगा। कार्यकताओं एवं समर्थकों को इस हार से निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि प्रदेश में हमारे कार्यकारी अध्यक्ष के नेतृत्व में एक लोक कल्याणकारी और जन कल्याणकारी सरकार का गठन शीघ्र ही होगा। हमारी यह सरकार हर झारखंडियों के सपनों को पूरा करेगी। हम सभी लोगों और कार्यकर्ताओं को इस अप्रत्याशित हार के सदमे से निकलकर पूरी मजबूती के साथ आम जनता एवं मतदाताओं जिन्होंने हम पर भरोसा कर वोट दिया है उनकी सेवा में लग जाना है और एक सुंदर झारखंड बनाने के सपने को साकार करना है।

कोल्हान की खबरें

झामुमो की मंईयां सम्मान और बिजली बिल माफी योजना, भाजपा के बंटोगे तो कटोगे और एक रहेंगे सेफ रहेंगे पर भारी

कोल्हान में तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को लगा जोरदार झटका

- **अर्जुन मुंडा एवं मधु कोड़ा की पत्नी हारी, चंपाई सोरेन के पुत्र भी हारे**
- **भाजपा के स्टार प्रचारकों पर कल्पना का स्टारडम रहा भारी**

अरुण सिंह

घाटशिला (आजाद सिपाही)। झारखंड में लगातार दूसरी दफा हेमंत सोरेन की सत्ता में वापसी हुई है। हेमंत सोरेन के अगुवाई में इंडी गठबंधन ने झारखंड में 50 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज किया है। वर्ष 2019 के मुकाबले 2024 में एनडीए का प्रदर्शन फीका रहा तो इंडिया गठबंधन और मजबूत होकर उभरा है। इंडिया गठबंधन को दोबारा सत्ता दिलाने में राज्य की आदिवासी रिजर्व सीटों का बड़ा योगदान रहा है।

झारखंड के आदिवासी रिजर्व 28 सीट में से इंडी गठबंधन सरायकेला को छोड़ 27 विधानसभा सीट जीतने में सफल रही है। 2019 में एसटी रिजर्व दो सीटों खूंटी और तोरपा पर भाजपा को जीत मिली थी, इस बार वह दोनों सीट भी हार गयी भाजपा।

वहीं कोल्हान प्रमंडल के 14 सीटों की बात करें, तो पश्चिम सिंहभूम जिला के पांच सीटों चाईबासा से झामुमो के दीपक बिरुआ ने भाजपा के गीता बलमुचू को लगभग 64 हजार मतों के अंतर से हराया है। जगरनाथपुर सीट पर पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को कांग्रेस प्रत्याशी सोनाराम सिंकू ने पराजित कर अपनी सीट को सुरक्षित रखने में कामयाबी हासिल कर लिया है। मझगांव सीट पर भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई को झामुमो के निरल पूर्ति ने एक बार फिर पराजित किया है, यहां भाजपा को लगभग 60 हजार से हार मिली है। चक्रधरपुर सीट पर सुखराम उरांव एक बार फिर जीत गये हैं। मनोहरपुर से हाल ही में सांसद बनीं जोबा मांझी के पुत्र जगत मांझी ने जीत हासिल किया है, यह सीट गठबंधन के तहत आजसू को मिली थी।

इसी तरह, सरायकेला - खरसावां जिले की तीन सीटों सरायकेला में भाजपा उम्मीदवार और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झामुमो के गणेश महाली को पराजित किया है, खरसावां सीट पर झामुमो के दसरथ गागराई तीसरी दफा विजेता बने हैं उन्होंने भाजपा के शशि भूषण समद को हराया है। इचागढ़ सीट पर झामुमो की सविता महतो दुबारा विजयी हुई हैं।

पूर्वी सिंहभूम जिले की सभी छह सीटों के परिणाम पर नजर डाला जाये तो बहरागोड़ा में झामुमो के समीर मोहंति ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ दिनेशानंद गोस्वामी को पराजित किया है। इस बार समीर को पूर्व विधायक कुणाल षाणंगी और उनके पिता पूर्व हेल्थ मिनिस्टर डॉ दिनेश कुमार षाणंगी का भरपूर साथ मिला, तो भाजपा प्रत्याशी गोस्वामी को जिताने के लिए सांसद विद्युत बरण महतो अपनी पत्नी उषा महतो और पुत्र कुणाल महतो के साथ मिलकर काफी मेहनत किये, किंतु पार्टी को विजयी बनाने में विफल रहे। घाटशिला सीट पर झामुमो के रामदास सोरेन लगातार दूसरी बार जीतने में सफल रहे हैं, इस बार उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन को पराजित किया है उनको झामुमो की पिछली सरकार में चंपाई की जगह मंत्री बनाये गये थे। तीसरी बार विधायक बने रामदास सोरेन को नये मंत्रिमंडल में भी स्थान मिलना तय माना जा रहा है। जिले की हॉट सीट पोटका में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी डॉ मीरा मुंडा को हराकर संजीव सरदार दूसरी बार विधानसभा पहुंचने में शानदार जीत के साथ कामयाब हुए हैं। अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित जुगसलाई सीट पर झामुमो के मंगल कालिंदी ने आजसू पार्टी के रामचंद्र सहिस और जेएलकेएम उम्मीदवार विनोद स्वांसी को बड़े अंतर से हराया है। जमशेदपुर पूर्वी सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में ओड़िशा के गवर्नर रघुवर दास की पुत्र वधु पूर्णिमा साहू दास (भाजपा) ने कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व आइपीएस अधिकारी डॉ अजय कुमार को भारी अंतर से हरा दिया है। जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड के सरयू राय ने कांग्रेस प्रत्याशी और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को हराया है। इस तरह से 14 सीटों वाले कोल्हान प्रमंडल के 11 सीटों पर इंडी गठबंधन और सिर्फ तीन सीट पर एनडीए को सफलता मिली है।

कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि भाजपा के 'बंटोगे तो कटोगे' और 'एक रहेंगे, सेफ रहेंगे' के स्लोगन पर झामुमो सरकार की मंईयां सम्मान योजना और दो सौ यूनिट बिजली बिल माफी योजना भारी पड़ गयी है। इतना ही नहीं, गांव - देहात की राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले कुछ लोगों का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के तमाम स्टार प्रचारकों पर झामुमो की कल्पना सोरेन का स्टारडम भारी साबित हुआ है। इतना ही नहीं, कोल्हान प्रमंडल के रहने वाले चार पूर्व मुख्यमंत्रियों में से तीन अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा और चंपाई सोरेन को झारखंड के इस विधानसभा चुनाव ने जोरदार झटका दे दिया है। अर्जुन मुंडा और मधु कोड़ा अपनी पत्नी को नहीं जीतवा सके हैं, तो चंपाई सोरेन अपने बेटा को पराजित होने से नहीं बचा सके।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 का परिणाम आने के बाद भाजपा के प्रदर्शन पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन मायूस नजर आये। हालांकि उन्होंने जनादेश का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता गुमराह हुई है। कहीं न कहीं हम उन्हें समझाने में नाकाम रहे। लेकिन यह दौर चिंतन और मंथन का है। हम इसपर समीक्षा करेंगे और अगले 5 साल तक पूरी मजबूती के साथ जनता के मुद्दों में जमीन से जुड़कर संघर्ष करेंगे। मौके पर श्री सोरेन ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरायकेला विधानसभा सीट से सातवीं जीत को जनता का जीत बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने उनपर जो भरोसा जताया है, उसका सम्मान करते हैं। जनवरी महीने से संथाल परगना से एक बार फिर से आंदोलन की शुरूआत होगी। संथाल परगना को हर हाल में घुसपैठ से मुक्त करायेंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री को बधाई देने के लिए सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा। सभी से बारी-बारी से मुलाकात की जीत की बधाई दी।

आदित्यपुर में पत्थर से कुचलकर हत्या के मामले का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। आरआईटी थाना अंतर्गत बंतानगर डोबो डूंगरी में बीते रात स्थानीय शंभू लोहार नामक व्यक्ति की पत्थर से कुचलकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। आर आईटी पुलिस ने मामले में त्वरित कारवाई करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी देते हुए सरायकेला एसडीपीओ समीर सेवइयां ने बताया बीते 23 नवंबर को आरआईटी पुलिस को सूचना मिली बंतानगर डोबो डूंगरी के पास एक व्यक्ति का शव उसके घर के आंगन में पड़ा है। जांच के दौरान जानकारी मिली मृतक का नाम शंभू लोहार है। जो पूर्व में चोरी के मामले में जेल जा चुका है। थाना प्रभारी ने टीम का गठन कर जांच के दौरान घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी में बंता नगर के रहने वाले राहुल कालिंदी व धर्मेंद्र बास्के शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर, खून लगा हुआ शर्ट, टोपी व जैकेट, बाइक समेत एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया। जांच के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मोबाइल फोन चुराना मृतक के लिए बना काल : एसडीपीओ समीर कुमार सेवईया ने बताया मृतक शंभू लोहार ने हत्या आरोपी धर्मेंद्र बास्के के मोबाइल फोन को चुराया था। इससे नाराज होकर उसने अपने सहयोगी के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी पूर्व में चोरी के मामले में सजा काट चुके हैं। छापामारी दल में थाना प्रभारी विनय कुमार के अलावा शशि भूषण सिंह मुंडा, संजीत, राजकुमार साहा, चंदन कुमार, आरक्षी उमाशंकर सिंह व सशस्त्र बल शामिल रहे।

गुमला में खीस्त राजा का पर्व मना विश्वासियों ने भव्य जुलूस निकाला

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। खीस्तीय विश्वासियों ने रविवार को खीस्त राजा का पर्व मनाया। इस अवसर पर गुमला धर्मप्रांत के सभी चर्चों में पवित्र मिस्सा पूजा के साथ साथ क्रूस की आराधना की गयी। इस अवसर पर संत पात्रिक महागिरिजा गुमला में क्रूस की आराधना की गयी। इससे पहले संत पात्रिक महागिरिजा परिसर में पवित्र संक्रामेत की आशीष के बाद खीस्त विश्वासियों द्वारा गुमला शहर में शोभायात्रा निकाली गयी। जो सिसई रोड, टावर चौक से थाना रोड होते हुए लोहरदगा रोड, पटेल चौक से मेन रोड होते हुए पुनः टावर चौक और सिसई रोड होते हुए संत पात्रिक महागिरिजा पहुंचकर समाप्त हो गयी। शोभयात्रा में गुमला धर्मप्रांत

के धर्माध्यक्ष बिशप लीनुस पिंगल एक्का व संत इग्नासियुस के रेक्टर फादर फ्लोरेंस कुजूर को फूलों से सजी हुई गाड़ी में पवित्र संक्रामेत के साथ नगर भ्रमण कराया गया। लोगों ने शोभायात्रा में यीशु खीस्त राजाओं के राजा हैं, यीशु खीस्त हमारे राजा हैं सहित प्रभु यीशु के सम्मान में कई नारे लगाये। मौके पर बिशप ने कहा कि यीशु खीस्त राजाओं के भी राजा हैं। वे सभी विश्वासियों के दिलों के भी राजा हैं। जिसे हमें अपने सिंहासन रूपी दिल में राजा की तरह बसाकर रखते हैं।

बिशप ने कहा कि राजा का काम प्रजा की रक्षा करना है। उसी प्रकार यीशु खीस्त भी हमारी आध्यात्मिक रूप से रक्षा करते हैं। वे पापों से हमारी रक्षा करते हैं। साथ ही शैतान के प्रपंचों को विफल करते हैं। बिशप ने कई लोग राजनीतिक राजा हो सकते हैं। बयीशु खीस्त की तरह ही समस्त खीस्त विश्वासी भी प्रेम बांटे। वहीं संत इग्नासियुस के रेक्टर फार फ्लोरेंस कुजूर ने प्रवचन दिया और खीस्त विश्वासियों को खीस्त राजा की जीवनी से अवगत कराया. साथ ही खीस्त राजा को अपने दिल में बसाकर रखने की बात कही।

सर्व धर्म सद्भावना मंच ने किया जुलूस का स्वागत

गुमला (आजद सिपाही)। खीस्त राजा का पर्व शोभा यात्रा का भव्य जुलूस का स्वागत सर्व धर्म सद्भावना मंच ने किया। जुलुस में शामिल सभी विश्वासियों को पानी और शर्बत प्रस्तुत किया। जुलूस सिसई रोड से होते हुए थाना रोड, मैन रोड महावीर चौक होते हुए वापस टावर चौक में आने पर सर्व धर्म सद्भावना मंच ने स्वगत किया। मौके पर अध्यक्ष ए एन पी वास्तव कोषाध्यक्ष मोहम्मद खालिद, संरक्षक मुरली मनोहर प्रसाद, संरक्षक मोहम्मद अकील रहमान संरक्षक फादर क्रिस्टोफर लकड़ा, रविंद्र सिंह, दामोदर केसरा, मोहम्मद कलाम, मोहम्मद फिरोज आलम, सेत कुमार एक्का, अरुण कुमार केसरी, प्रोफेसर बी एन पांडे, राजू अग्रवाल, ललित कुमार मिंज, बृज अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

प्रखंड के विभिन्न चर्चों में राजा खीस्त पर्व धूमधाम से मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। प्रखंड के विभिन्न चर्चों में ईसाई समुदाय द्वारा राजा खीस्त पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड के सुदूरवर्ती दलमादी चर्च में ईसाई समुदाय के अनुयायियों द्वारा सुसज्जित रथ गाजे-बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गयी, यह रथ दलमादी चर्च से ससिया होते हुए खटखुरा में मिस्सा पूजा के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मिस्सा पूजा अनुष्ठान फादर दीपक एक्का और फादर किशोर कुजुर द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस मौके पर ईसाई विश्वासी पारंपरिक वेश भूषा पहने हुए थे, और ईश्वर की प्रार्थना विनती कर रहे है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग, सिस्टर एल सी, कारलुस कुजुर, विलयम, डूंगडुंग, लबिना डूंगडुंग, अनीमा डूंगडुंग, विजय डूंगडुंग, पीटर डूंगडुंग, फबीयन सोरेंग समेत हजारों ईसाई विश्वासी शामिल रहे।

ईसाई समुदाय ने खीस्त राजा का पर्व धूमधाम से मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के बीमरला और नवडीहा पल्ली में ईसाई समुदाय द्वारा खीस्त राजा का पर्व धूमधाम से मनाया। ईसाई समुदाय के लोगों ने इस क्रम में शोभायात्रा निकाला। शोभा यात्रा गांव के विभिन्न चौक चौराहे होते हुए पुनः पल्ली पहुंचा। जहां मिस्सा अनुष्ठान हुई। वहीं पल्ली पुरोहित ने कहा कि प्रभु यीशु हमेशा लोगों से प्रेम करना सिखाया है। बुराइयों को मिटाने के लिए प्रभु यीशु ने जन्म लिया था।

प्रभु यीशु के इच्छा के बगैर जीवन चलना मुश्किल है। हमें उनके बताये मार्गों का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। मौके पर फादर बल्लाइशूस इंदवार, फादर आरकर किंडो, संजय मिंज, फादर एडवर्ड टोप्पो, सिस्टर तरसीला, सिस्टर गीता सहित ईसाई समुदाय सैकड़ो महिला पुरुष बच्चे उपस्थित थे।

'खीस्त हमारे राजा हैं' के जयकारे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। खीस्त राजा पर्व के अवसर पर रविवार को जिले के सभी प्रखंडों समेत शहर में खीस्त हमारा राजा है के जयकारे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई।इस शोभायात्रा में करीब 30 हजार से अधिक खीस्त विस्वशियों ने हिस्सा लिया। इसमे हर उम्र के लोग शामिल थे। शोभायात्रा के दौरान पूरा शहर खीस्त राजा की स्तुति व महिमा का मधुर आवाज से गूंजता रहा। खीस्त विश्वासियों द्वारा शोभायात्रा में थमोकोल, लकड़ी और अन्य वस्तुओं से निर्मित कई प्रकार का ताजिया और झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा फूलों से सुसज्जित वाहन में पवित्र संक्रामेत लेकर खड़े विशप स्वामी फादर लीनुस पिंगल व वाहन के आगे आगे फूल बरसाते चल रहे नन्हे मुंन्हे बच्चे शोभायात्रा की शोभा बढ़ाते रहे। मौके पर खीस्त राजा पर्व का मुख्य समारोह गुमला के संत पात्रिक मैदान में हुआ। सबसे पहले संत पात्रिक मैदान में गुमला धर्मप्रांत के बिशप लीनुस पिंगल द्वारा पवित्र संक्रामेंत का मिस्सा अनुष्ठान किया गया। इसके बाद संत पात्रिक मैदान से शुरू हुई शोभायात्रा शहर के सिसई रोड, टावर चौक, थाना रोड, लोहरदगा रोड होते हुए पटेल चौक पहुंचा। फिर पटेल चौक से पुनः मेन रोड का भ्रमण कर सिसई रोड से होते हुए संत पात्रिक मैदान पहुंचा कर एकत्रित हो गयी। जहां पवित्र धार्मिक अनुष्ठान किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद बिशप ने अपने संदेश में कहा है कि खीस्त राजाओं के राजा हैं। वे हर एक दिल के राजा हैं। उन्होंने अपने जीवन में कभी क्रोध और अहिंसा का रास्ता नहीं अपनाया। हम उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए बुराई को त्याग कर अच्छे मार्ग पर चलकर बेहतर जीवन जीये। हम सभी को खुश रखें। उन्होंने कहा कि मिलजुलकर चलें। सही रास्ते पर चलें। क्रोध और ईर्ष्या से दूर रहें। समाज तभी मजबूत होता है जब हमारे विचार एक हो होंगे। हम सभी एकजुट होकर रहेंगे। एक दूसरे के दुख दर्द को दूर करेंगे। ईश्वर की महिमा व विशेष कृपा की बदौलत खीस्त राजा ने हजारों लोगों को मुक्ति के मार्ग दिखाये।

हमें उन्हें आदर्श मानकर उनके बताये मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। क्योंकि खीस्त राजा मुक्ति दाता हैं। हम सभी प्रभु के बताये मार्ग पर चलें। सेवा, शांति व अहिंसा के मार्ग को अपनाये। समाज की खुशहाली के लिए सभी लोगों से मिलजुलकर रहें। शोभायात्रा में विभिन्न टोला, मोहल्ला और गांव के लोग ताजिया के साथ शामिल हुए थे। साथ ही कई छात्रावास के बच्चे बच्चियां भी शामिल थी। धर्मसमाज के पुरोहित और धर्म बहनों ने भी सहभागिता निभाई। इधर शोभायात्रा के स्वागत को लेकर शहर के सिसई रोड स्थित छठ तालाब से लेकर करमडीपा मोड़ तक कई स्थानों पर तोरणद्वार बनाया गया था। सर्वधर्म सद्भावना मंच द्वारा स्टॉल लगाया गया था। वहीं विभिन्न स्थानों पर प्रभु यीशु के जीवनी से संबंधित झांकी का भी प्रदर्शन किया गया था। वहीं शोभायात्रा की सफलता को लेकर सुरछा का चाक चौबंद व्यवस्था किया गया था। सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह और पुअनि मुनेश तिवारी सुरछा की कमान संभाले हुए थे। शोभायात्रा की सुगमता को लेकर कई मार्गो पर कुछ पल के किये वाहनों के आवागमन को रोका भी गया था।

पिकअप वाहन से गिरने पर अधेड़ गंभीर, रिम्स रेफर

गुमला (आजद सिपाही)। तर्री ढ़ोढरी टोली निवासी माड़वारी महतो (45) की पिकअप वाहन से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गये है। घटना के बाद परिजनों के द्वारा उसे गुमला सदर अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया गया. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि रविवार की सुबह माड़वारी महतो पिकअप वाहन में मुरकुंडा से पुआल अपने घर ला रहे थे इसी दौरान बेहराटोली के समीप पिकअप वाहन से रास्ते में तार सटने पर वह पिकअप वाहन में चढ़ कर तार हटा रहा था इसी क्रम में वह अनियंत्रित होकर वाहन से नीचे सर के बल गिर गया जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया।

इस्लामिया अस्पताल में चोरी का प्रयास, लाखों का सामान फेंक कर भागे चोर

गुमला (आजद सिपाही)। शहर के इस्लामपुर स्थित राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन द्वारा संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में रविवार की तड़के सुबह 4:00 बजे चोरों द्वारा ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया। चोर चार की संख्या में थे सर्वप्रथम ग्रिल का ताला तोड़ने के बाद अंदर घुसे और तीन कमरों का दरवाजा को तोड़ दिया। इसके बाद बैटरी इन्वर्टर प्रिंटर मशीन की चोरी करने लगे। इसी बीच अस्पताल के बगल में रहने वाले जीशान खान नामक युवक ने अपने घर की खिड़की से चोरों को चोरी की घटना को अंजाम देते हुए देखा। इसके बाद जीशान उनसे पूछताछ करने लगा वही उनके चेहरे ढके होने पर उसे शक हुआ और उसने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद चोर सभी सामानों को फेंक कर भाग निकले। जीशान ने बताया चारों युवक मुंह ढके हुए थे जिससे उन्हें पहचान नहीं पाया। संभवतः सभी युवक नशेड़ी है। चोरी की घटना के बाद इसकी जानकारी गुमला थाना को दी गई। गुमला थाना के मुंशी रमाकांत सिंह घटनास्थल पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली। वही स्थानीय लोगों ने पुलिस से नियमित गस्ती की मांग की है।

जयकारों के साथ खीस्त राजा की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैनपुर नगर में खीस्त राजा पर्व पर रविवार को खीस्त राजा की जय, हे खीस्त तेरा राज आवे इन जयकारों के साथ खीस्त राजा की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में कैथोलिक समुदाय के लोग शामिल हुए। शोभायात्रा में आगे आगे पवित्र संक्रामेंत लेकर बच्चे चल रहे थे बीच में भजन गाते मंडली के लोग उसके पीछे छोटे-छोटे बच्चियां परी बनकर पुष्प वर्षा करते हुए चल रही थी। वहीं आकर्षक रूप से सजा की गई एक वाहन में पुरोहित पवित्र कुरुस लिए हुए थे। युवाओं की टोली ढोल नगाड़ा बजाते हुए शामिल थे, कई लोग बैनर व झंडा भी लेकर चल रहे थे।

शोभा यात्रा संत जॉन चर्च से शुरू होकर चर्च रोड सोहन चौक अल्बर्टा का चौक बस स्टैंड मेन रोड थाना रोड ब्लॉक चौक होते हुए वापस चर्च परिसर पहुंची कई चौक चौराहा में धर्म विश्वस्यों के द्वारा आकर्षक झांकी का प्रदर्शन किया गया। वहीं पूरे नगर को आकर्षक रूप से साजसजा की गयी थी। इससे पूर्व चर्च में पवित्र मिस्सा पूजा व प्रार्थना सभा हुई पल्ली पुरोहित फादर जेभिरियानुस किंडो ने खीस्त राजा पर्व का संदेश दिया, कहा कि खीस्त सभी राजाओं के राजा हैं उनका राज्य इस संसार के राजा महाराजाओं जैसा नहीं बल्कि सभी मानव के हित के लिए है। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से फादर राजेंद्र तिर्की डीन फादर जेभिरियानुस किंडो सहित कई पुरोहित व धर्म बने शामिल हुए।

झामुमो प्रत्याशी जिग्गा सुसारण होरो के भारी मतों से जीत पर कार्यकतोओं ने खुशी जाहिर किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। सिसई विधान सभा क्षेत्र से झामुमो प्रत्याशी जिग्गा सुसारण होरो के द्वारा 39 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज करने के बाद इंडी गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई बांटी और आतिशबाजी की। कार्यकर्ताओं द्वारा विजय जुलूस निकाल कर इंडी गठबंधन जिंदाबाद, शिबू सोरेन जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद का जोरदार नारा लगाया गया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अलीम खान ने कहा कि यह बदलाव की बयार है। हेमंत है, तो हिम्मत है। राज्य की जनता ने गठबंधन पर भरोसा जताया है। जनता भाजपा की साजिश को समझ चुकी है। इसलिए बीजेपी के जुमलेबाजी का उनपर कोई असर नहीं पड़ा। सुकरात उरांव ने कहा की गठबंधन का जुड़ाव जमीनी स्तर पर है। हम जनता के हित मे सदैव खड़ा रहते है साथ ही हेमंत सरकार द्वारा सभी जनता के कल्याण समेत आधी आबादी के

जिगा सुसारन होरो के जीत पर कार्यकर्ताओं ने निकाला विजय जुलूस

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा सिसई विधानसभा सीट से झामुमो विधायक जिगा सुसारन होरो के अप्रत्याशित जीत पर रविवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने कामडारा ब्लॉक चौक से लेकर पोकला गेट तक विजय जुलूस निकाला। वहीं झामुमो कार्यकर्ताओं के द्वारा जुलूस के दौरान जमकर आतिशबाजी की गयी। इस दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं के द्वारा शिबू सोरेन जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, जिगा सुसारन जिंदाबाद के गगनभेदी नारा पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस विजय जुलूस में सुगड़ तोपनो, जमुना प्रसाद, बिमल केर-केट्टा, अगापित होरो, आन्तोनी सुरीन, अमर सुरीन, पिबिन बारला, राजेश केरकेट्टा, अनिल हेमरोम, वेमसेंट केरकेट्टा, जॉन केरकेट्टा, सालन टोपनो, अजीत केरकेट्टा, अखलेश राम, जेम्स, जुसाफ बारला सहित अन्य झामुमो कार्यकर्ता काफी संख्या मे शामिल हुये।

कल्याण में अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाया गया है, जिसका परिणाम है कि जनता ने इंडिया गठबंधन पर भरोसा जताया है। उस पर हम खरा उतरेंगे। मौके पर अलीम खान, मुंतजीर खान, सुकरात उरांव, अमित बघवार, संजय कुजूर, जसिंता बारला, जसिंता बागे, विकास साहु, जे ड़ी नायक, रामरतन भगत, जयंत दास, मंगलेश्वर उरांव, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

आशिक अंसारी ने विजेता प्रत्याशियों को दी बधाई

गुमला (आजाद सिपाही)। वरिष्ठ कांग्रेसी सह प्रदेश प्रतिनिधि झारखंड प्रदेश कांग्रेस आशिक अंसारी ने जिले के तीनों विधानसभा चुनाव के विजेता प्रत्याशियों को बधाई दी। उन्होनें कहा कि गुमला, बिशुनपुर, सिसई विधानसभा में इंडी गठबंधन के उम्मीदवार भूषण तिर्की, चमरा लिंडा, और जिगा मुंडा को जनता ने सिर आंखों में बैठाया है और प्रचंड बहुमत देकर पुन: विधायक बनाया है। बधाई देने वाले में कमिटी, सचिव झारखंड प्रदेश कांग्रेस, रमेश चीनी, अकील रहमान, खालिद शाह, फिरोज आलम रामनिवास प्रसाद, मुरली मनोहर प्रसाद, साहित कई लोग शामिल हैं।

सरना टोली और डिक्शनरी मोहल्ला के लड़कों ने एक युवक को रॉड से मारकर किया घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शहर के सरना टोली और डिक्शनरी मोहल्ला के 10 से 12 लड़कों ने रविवार की अपराह्न 3 बजे नदी टोली निवासी 19 वर्षीय विष्णु राम को लात घुसा और रॉड से मारकर घायल कर दिया। घटना में उसका एक हाथ टूट गया है। इसके बाद कुछ लोगों ने मामले को शांत कराया। लेकिन शाम करीब 6 बजे फिर 10 से 12 लड़कों ने समूह बनाकर घायल युवक के घर पर हमला कर दिया। इसके बाद युवक ने गुमला थाना को फोन कर घटना की सूचना दी। थाना की पुलिस नदी टोली पहुंची। पुलिस को देखते ही सभी हमलावर घटना स्थल से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस घायल को लेकर सदर अस्पताल पहुंची। घायल विष्णु राम ने बताया मामले को लेकर थाना में शिकायत दर्ज कराई जायेगी। विष्णु ने बताया एक सप्ताह पूर्व मेरे एक दोस्त के फोन से दूसरे दोस्त को फोन किया लेकिन फोन दूसरा कोई उठाया। इसके बाद उसने गाली गलौज देना शुरू कर दिया। तब मैने भी गाली गलौज दिया। इसके बाद वे लोग मुझे मारने के लिए टारगेट कर लिए और रविवार को करीब 3 बजे सरना टोली स्थित मंदिर के समीप मेरे साथ मारपीट किया।

विजेता प्रत्याशी करें जिला का विकास: शिशिर

गुमला (आजाद सिपाही)। समाजसेवी शिशिर गुप्ता विजेता प्रत्याशी को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि बिशनपुर के चमरा लिंडा, गुमला के भूषण तिर्की और सिसई के जीगा सुसारन होरो दुसरी बार भी विधानसभा में जिले का नेतृत्व करेंगे। उन्होनें आशा व्यक्त किया कि ये तीनों विधायक गुमला जिले में बेहतर विकास का कार्य करेंगे। उन्होनें यह भी कहा कि राजनीति में हार जीत एक प्रक्रिया है। और जितनी भी पार्टियां खड़ी रहें, उन में से किसी एक को ही जीत हासिल होती है। जिस पार्टी को जीत मिलती है उन्हे विकास और जनता की सुविधाओ के लिए जनता ने मौका दिया है। और जो प्रत्याशी नहीं जीत सके उन्हे मंथन करना चाहिए। ताकि कमियों को दूर कर अगली बार पूरी तैयारी से चुनावी मैदान में उतर सकें।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने निकाला विजय जुलूस, भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

मनातू/पलामू। पांकी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने दूसरी बार मिली ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने रविवार को भव्य विजय जुलूस निकाला। जो मौर्या फार्म हाउस से पदमा, मनातू होते हुए चक पहुंचा। कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और स्वागत किया। विधायक डॉ मेहता, रामदास साहू के साथ खुली जिप पर सवार होकर कार्यकर्ताओं, जनता का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। समर्थक पदमा चौक पर सुबह नौ बजे से ही इंतजार कर रहे थे। इस बीच सुबह 11 बजे अपने सैकड़ों समर्थकों को लेकर गाजे-बाजे के साथ अबीर गुलाल उड़ाते मनातू चक पहुंचे। पूरे रास्ते में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, जनता, सड़क किनारे फूल माला के साथ अपने नेता के स्वागत के लिए खड़े थे।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पांच साल में अमन-चैन के वातावरण में विकास की लंबी लकीर जो मैंने खींची उस पर पांकी की जनता ने मुहर लगाते हुए एक बार फिर अपना समर्थन देकर सेवा करने का मौका दिया है।

उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में पांच साल पहले जो सामंतवादी व्यवस्था थी उसे समाप्त किया हूं। जुलूस में व्यवसायी रामदास साहू, अनिल साहू, अमरेश कुमार रंजन, राहुल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, गुड्डू सिंह, पिंटू यादव, अरविंद यादव, उदेश यादव, लाल यादव, प्रो बच्चन ठाकुर आदि शामिल थे।

हम चुनाव हारे हैं हौसला नहीं, सहयोग व स्नेह देने के लिए आभार : रामचंद्र चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

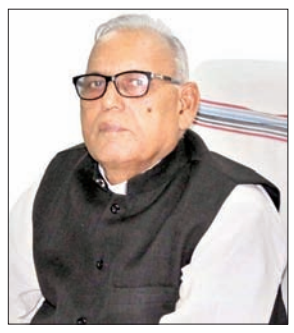

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर-मझिआंव विधानसभा सीट से इस बार का हार का मुंह देखने के दूसरी ही दिन रविवार को राज्य के पूर्व मंत्री सह निवर्तमान विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी अपने क्षेत्र में पहुंचे थे। विश्रामपुर में पत्रकारों से बातें करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की। जनता ने भी समर्थन दिया। पर किन्ही कारण वश इस बार चुनाव नहीं जीत पाए। चुनाव में हार जीत तो लगी रहती है। हम चुनाव हारे हैं हौसला नहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का भी हौसला बढ़ाते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कभी हारते नहीं हैं। जीतते हैं या सीखते हैं। उन्होंने जनता का भी आभार जताया। कहा कि जनता ने जो स्नेह और समर्थन दिया है, उसके लिए उनका हृदय से धन्यवाद। यहां की जनता ने मुझे वोट देकर चार बार विधायक बनाया। जनता के आशीर्वाद से एकीकृत बिहार और झारखंड में मंत्री बनने का भी अवसर मिला। हमने भी ईमानदारी पूर्वक सेवा भाव के साथ क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किया है। जिस कारण क्षेत्र का चहुंमुखी विकास भी हुआ। कहा कि पहले की तरह ही हम और हमारे पुत्र डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी जनता की सेवा करते रहेंगे।

नवनिर्वाचित विधायक नरेश प्रसाद सिंह का जगह-जगह हुआ स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर के नव निर्वाचित विधायक नरेश प्रसाद सिंह का रविवार को जगह-जगह कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने स्वागत किया। बीमोड़ पर युवा समाजसेवी ऋतुराज मिश्रा के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने माला पहनाकर जीत की बधाई दी। ऋतुराज मिश्रा ने विधायक नरेश प्रसाद सिंह को क्षेत्र के विकास में हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर विकाश उपाध्याय, मणिभूषण पांडेय, विकेश पांडेय और दुर्गा प्रसाद गुप्ता आदि मौजूद थे।

कांग्रेस आलाकमान के आदेशानुसार कार्य किया व महागठबंधन प्रत्याशी की जीत हुई : सुधीर चंद्रवंशी

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर विस के कांग्रेस नेता सुधीर चंद्रवंशी ने कहा कि आलाकमान के निर्देशों का हमनें पालन किया, जिस कारण हमारी जीत हुई। विश्रामपुर की जनता ने आइएनडीआइए महागठबंधन पर जो भरोसा दिखाया है उस पर हम सभी जरूर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगें। जनता भाजपा के छलावे में अब नहीं आने वाली है। अगले पांच वर्षों तक जनता के सुख-दुख में भागीदार रहूंगा व जनहित का कार्य करता रहूंगा। उन्होंने विश्रामपुर के महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी नरेश सिंह को जीत की बधाई दी।

झामुमो नेता बबलू सिंह ने हेमंत सोरेन को दी बधाई

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में आइएनडीआइए महागठबंधन की प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करने पर नेताओं-कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह चरम पर है। इसी बीच हुसैनाबाद के झामुमो नेता बशिष्ठ उर्फ बबलू सिंह ने रविवार को रांची पहुंचकर हेमंत सोरेन और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी मीर साहब से मुलाकात की। इस अवसर पर बबलू सिंह ने हेमंत सोरेन को गुलदस्ता भेंट कर जीत की बधाई दी। उन्होंने झामुमो के नेतृत्व में झारखंड के विकास और जनता की सेवा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को सराहा। कहा कि यह जीत झारखंड की जनता के विश्वास और हेमंत सोरेन की जनहितकारी नीतियों का परिणाम है। राज्य में विकास और समृद्धि का नया अध्याय शुरू होगा। झारखंड विधानसभा चुनावों में झामुमो, कांग्रेस, और राजद के महागठबंधन ने बहुमत हासिल कर विपक्ष को करारी शिकस्त दी। इस चुनावी नतीजे ने राज्य की राजनीति में झामुमो की मजबूत स्थिति को एक बार फिर से प्रमाणित किया। उन्होंने झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर गठबंधन सरकार के विजन को साझा किया। बबलू सिंह ने भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

स्वस्थ रहने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ना बेहद जरूरी: ट्री मैन डॉ कौशल

पर्यावरणविद ने बच्चे के जन्म व शादी पर वर-बधु को पौधा देकर सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के उंटारी के लुंबा सतबहिनी निवासी सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर महेंद्र नाथ शर्मा के पोते व चंद्रशेखर शर्मा के पुत्र के जन्मोत्सव और छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में विश्रामपुर रोड में एक शादी समारोह में शामिल होकर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पौधरोपण कर नवजात व वर-वधु को उनके स्वस्थ व सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। अंबिकापुर (केदारपुर) के प्रमोद सिंह के पुत्र कुणाल सिंह और भटगांव के विनोद सिंह की पुत्री की शादी में शामिल होकर वर-वधु को आशीर्वाद स्वरूप हिमाचल के कपूर व थाईलैंडप्रजाति के आम का पौधा देकर चिरंजीवी होने की मंगल कामना की। ट्री मैन डॉ कौशल ने उंटारी रोड के लुम्बा सतबहिनी के सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर महेन्द्रनाथ शर्मा के पोते व चंद्रशेखर शर्मा के पुत्र के जन्म उत्सव पर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधा रोपण कर उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वे भगवान शिव के समान वृक्ष और ऑक्सीजन के सिलेंडर के समान पौधा लगाया हूं। इससे बच्चे और उसके पूरे परिवार को हृदय से शुभकामना देता हूं। मौके पर मनोज सिंह, मीना राजपूत, लक्ष्मीकांत सिंह, सचिन सिंह, संजय उर्फ गुड्डू सिंह, बॉबी सिंह उपस्थित थे। वहीं लुम्बा सतबहिनी में वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र शर्मा, अश्विनी शर्मा, मुरलीधर शर्मा, मोतीलाल शर्मा, कमता शर्मा, सूबेदार समता शर्मा, ललन राय, रणधीर राज, राहुल शर्मा आदि उपस्थित थे।

राजद प्रत्याशी की जीत पर यादव महासभा ने लोगों में बांटी मिठाई, मंत्री बनाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जीत की खुशी में मिठाई खिलाकर बधाई देते यादव महासभा प्रखंड इकाई के सदस्य।

हरिहरगंज/पलामू। हुसैनाबाद विधानसभा सीट से आइएनडीआइए समर्थित राजद प्रत्याशी संजय सिंह यादव की जीत की खुशी में अखिल भारतीय यादव महासभा हरिहरगंज प्रखंड अध्यक्ष इं संजय कुमार यादव के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ो लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देखने के लिए मिला है कि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से जनता की अदालत में किसी प्रत्याशी को इतने भारी मतों से जीत हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि यह जीत आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार द्वारा सभी योजनाओं का लाभ सीधा लाभुकों तक पहुंचना और हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी का लोकप्रियता के कारण मिली है। वहीं यादव महासभा हरिहरगंज प्रखंड इकाई और राजद कार्यकर्ताओं ने विधायक संजय सिंह यादव को गठबंधन सरकार में मंत्री बनाने की मांग की है। इस मौके पर राजद वरिष्ठ नेता बुधन सिंह यादव, यादव महासभा के प्रखण्ड उपाध्यक्ष सूरज कुमार यादव,आनंद यदुवंशी, महावीर यादव जगनरायण यादव, वसिष्ठ कुमार सिंह, मोहम्मद राजा कादरी, शिक्षक मोहन मिश्रा, डॉ अनिल कुमार, आबिद उर्फ मुन्ना, मनदीप दास जयपाल चौधरी, मृत्युंजय सिंह, केदार ठाकुर, सुरेंद्र चंद्रवंशी, योगेंद्र यादव, अजय यादव, गोपाल यादव आदि उपस्थित थे।

सेहरा में खलिहाल में लगी आग, नुकसान

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र सह सतबरवा प्रखंड क्षेत्र में शनिवार की देर रात खलिहान में रखे धान के बोझा में अचानक आग लग गयी। इस कारण करीब एक हजार धान का बोझा जल कर राख हो गया, जिससे किसानों को हजारों का नुकसान हुआ है। आसपास के ग्रामीणों को आग कि तपीस महसूस होने पर वे खलिहान में पहुंचे और धान के बोझा को पास के ही कुआं, चापाकल और मोटर पंप चला कर आग पर किसी तरह काबू पाया। इस दौरान करीब एक हजार धान के बोझा को वहां से हटा कर जलने से बचा लिया गया। इसकी जानकारी पाकर मुखिया प्रतिनिधि लाल बिहारी प्रसाद भी मौके पर पहुंच गये। उन्होंने बताया कि किसान मोहम्मद इस्माइल मियां, मोहम्मद जसिमुदिन अंसारी और मोहम्मद महताब अंसारी समेत कई लोगों के धान का बोझा खलिहान में रखा हुआ था। उन्होंने मामले कि जानकारी सीओ को देने की बात कही।

झारखंड में आइएनडीआइए महागठबंधन की जीत झारखंडी जनमानस की जीत: रविंद्र शुक्ला

जीत पर कांग्रेस नेताओं ने जताया हर्ष, कहा- जनता ने झारखंड के विकास को पहचाना

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। झारखंड में आइएनडीआइ महागठबंधन की प्रचंड बहुमत की जीत पर नेताओं-कार्यकर्ताओं में हर्ष है। विश्रामपुर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार शुक्ला उर्फ गुड्डू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि झारखंड में महागठबंधन की जीत झारखंडी जनमानस की जीत है। उन्होंने जीत के लिए राज्य की जनता को बधाई दी है। साथ ही महागठबंधन के विधायकों को ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दी है। उन्होंने पलामू प्रमंडल में महागठबंधन के उम्मीदवारों की जीत पर नव नियुक्त विधायकों को भी शुभकामनाएं दी है। कहा कि कांग्रेस हमेशा राज्य के विकास के लिए सक्रिय रही है। जनता ने झारखंड में विकास की गति को पहचाना है और प्रचंड बहुमत देकर राज्य में जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जिम्मेवारी सौंपी है। कहा कि कांग्रेस एवं हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार झारखंड में विकास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। उन्होंने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा ने 'एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे' आदि नारा देकर राज्य की जनता को बांटने का जो सपना देखा था, जनता ने उसे नकार दिया है। झारखंड संघर्ष की धरती रही है। आंदोलनकारियों ने संघर्ष कर राज्य का निर्माण किया है। यहां पूंजीपतियों की सरकार नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा वाली सरकार की जरूरत थी। राज्य की जनता महागठबंधन के विकास की गति को पहचानते हुए बहुमत देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा की है। झारखंड एक बार फिर बेहतर विकास का साक्षी बनेगा और राहुल गांधी जी के सपनों को साकार करेगा।

स्पोर्ट्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ टेस्ट में रविवार को भारत ने आस्ट्रेलिया को 534 रनों का विशार स्कोर दिया है। वहीं, दूसरी पारी में बल्लेबाजी को उतरी आस्ट्रेलिया 12/3 बना सकी है।

तीसरे दिन का खेल खत्म: यशस्वी जायसवाल और कोहली के शतक ने भारत से खड़ा किया विशाल स्कोर

534 रन का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी भी लड़खड़ाई, 12 रन पर गंवा दिये तीन विकेट

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी के पहले मैच के तीसरे दिन का खेल रविवार को खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 487 रन का स्कोर बनाकर पारी घोषित कर दी। दूसरी पारी के 487 रन से पहले टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त हासिल थी। इस लिहाज से भारत के सामने कुल बढ़त 533 रन की हुई और 534 रन का लक्ष्य दिया। उधर, विराट कोहली के शतक का सभी को इंतजार था। उनके शतक लगाते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम की ओर से पारी घोषित करने का फैसला लिया गया। विराट ने 143 गेंद में 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। विराट ने लियोन की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां शतक और ओवरऑल तीनों प्रारूप मिलाकर 81वां शतक लगाया। यह ऑस्ट्रेलिया में उनका सातवां शतक रहा। वह सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। सचिन ने छह शतक लगाए थे। वहीं, विराट से पहले यशस्वी जायसवाल ने शतक जड़ा था और उन्होंने 161 रन की पारी खेली थी। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और तीन छक्के लगाए थे। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा शतक रहा था। वहीं, केएल राहुल ने पांच चौके की मदद से 77 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 25 रन और वॉशिंगटन सुंदर ने 29 रन बनाए। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल कुछ खास नहीं कर सके और 1-1 रन बनाए। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी भी लड़खड़ाती नजर आ रही है। अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलिआई बल्लेबाजों ने तीन विकेट के नुकसान पर 12 रन बना लिए हैं।

मैक्स वेरस्टापेन ने चौथी बार एफ-1 विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता

लास वेगास (एजेंसी)। मैक्स वेरस्टापेन फॉमूर्ला वन के इतिहास में चार विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले सिर्फ छठे रेसर बन गए हैं। उन्होंने रविवार को लास वेगास ग्रां प्री में पांचवें स्थान पर रहकर प्रतिद्वंद्वी लैंडो नोरिस को विश्व खिताब जीतने से वंचित कर दिया। वेरस्टापेन अब जुआन मैनुअल फैंगियो (पांच खिताब), एलेन प्रोस्ट (चार), माइकल शूमाकर (सात), सेबेस्टियन वेटेल (चार) और लुईस हैमिल्टन (सात) की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

वेरस्टापेन ने तीन हफ्ते पहले ब्राजील में ग्रिड पर जीत हासिल करके 10-रेस के जीत के सूखे को समाप्त कर दिया था और यह सुनिश्चित किया था कि उनका खिताब बचा रहे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in
11

हार से निराश कार्यकर्ताओं से मिलने निरसा पहुंचे सांसद ढुल्लू महतो, बढ़ाया हौसला

लाल झंडा और हेमंत सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष: ढुल्लू

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधानसभा का चुनाव परिणाम प्रकाशित हो चुका है। राज्य की सत्ता पर एक बार फिर सेहेमंत सोरेन सरकार की अगुवाई में आइएनडीआइए महागठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। वहीं राज्य के साथ ही धनबाद जिले में भी भाजपा की अपेक्षाकृत प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। इसी बीच सांसद ढुल्लू महतो रविवार को निरसा पहुंचे। उन्होंने निरसा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता की हार से निराश कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। कहा कि चुनाव परिणाम से निराश होने की आवश्यक नहीं है। यह समय अपनी कमियों को पहचान कर उसे दूर करने और जनादेश का सम्मान करते हुए

सांसद ढुल्लू महतो।

जनता की आवाज बनने कहा है। हम कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लाल झंडा व हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ संघर्ष करेंगे। सांसद ढुल्लू महतो दुगार्पुर जाने के क्रम में इसस दिन दोपहर निरसा सिनेमा हॉल मोड़ पर कुछ देर के लिए रुके थे। जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसद ने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में हुई पार्टी की हार पर चर्चा की और आगे की रणनीति के बारे में उन्हें बताया।

बाघमारा से भाजपा की जीत पर महुदा में निकला विजय जुलूस, कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। बाघमारा विधानसभा से करीब 18 हजार 682 वोट के अंतर से भाजपा के शत्रुधन महतो की जीत की खुशी में रविवार शाम महुदा बाजार में धनबाद जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं एवं उनके समर्थको ने विजय जुलूस निकाला। इस दौरान राधानगर से जुलुस निकलकर महुदा बाजार

होते हुए लालबंगला स्थित ब्रह्म बाबा मंदिर तक बाजे गाजे के साथ विजय जुलूस गई। जुलूस में कार्यकताओं ने पटाखा फोड़कर खुशी का इजहार किया। कार्यकताओं ने बाजे के धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रहे थे। और एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाते मिठाइयाँ बाँट कर खुशियाँ जाहिर करते दिखे। इस दौरान विधायक शत्रुधन महतो जिंदाबाद, सांसद ढूलु महतो जिंदाबाद, भाजपा पार्टी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। मौके पर शेखर सिंह, राजीव सिंह, पंसस अजय दास, विकास अग्रवाल, किशुन महतो, रोमी वर्णवाल समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रागिनी सिंह को चांदी का मुकुल पहनाकर दी गयी जीत की बधाई

झरिया से जीत दर्ज करने वाली विधायक रागिनी सिंह को जीत की बधाई देती लोजपा (रामबिलास) की प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आशा राय पासवास।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लोक जनशक्ति पार्टी (रामबिलास) की प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा राय पासवान ने रविवार को झरिया से भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक रागिनी सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं रागिनी सिंह ने उनका आभार व्यक्त किया।

कौटिल्य महापरिवार ने कुमार जयमंगल की जीत पर दी बधाई

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित कांग्रेस के युवा एवं लोकप्रिय विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह की जीत पर कौटिल्य महापरिवार के सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कौटिल्य महापरिवार बेरमो के संस्थापक अनिल चंद्र झा, अध्यक्ष अजय कुमार झा, सचिव बृज बिहारी पांडेय, संडे बाजार निवासी अजय कुमार झा, मीडिया प्रभारी कुमार गौरव, संतोष ठाकुर, मुकेश मिश्रा, मुकेश झा, सत्यजीत मिश्रा, इंद्रजीत मुखर्जी, कुंजित मुखर्जी, शंकर चक्रवर्ती, धीरज गिरी, बबलू गिरी, सत्येंद्र गिरी, प्रशांत बनर्जी, अशोक त्रिपाठी आदि ने बेरमो की जनता एवं विधायक जयमंगल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

श्री अरविंद का मनाया गया सिद्धि दिवस

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। करगली स्थित बिनोद बिहारी फुटबाल ग्राउंड स्थित श्री अरविंद सोसायटी बेरमो आश्रम में श्री अरविंदो सिद्ध दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में समिति प्रमुख मधुसूदन सिंह ने बताया कि आज ही के दिन महात्मा श्री अरविंद जी को सिद्धि प्राप्त हुई थी। इनके द्वारा रचित पुस्तक विश्व के कोने-कोने में मिल रहे हैं। आज सैकड़ो देश में उनके अनुयाई है। अध्यात्म का यही एक मार्ग है और लोगों को आध्यात्मिक के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसके लिए नई पीढ़ी को इसमें आध्यात्मिक ज्ञान लेने की आवश्यकता है। आज के भागदौड़ की जिंदगी में शांति के लिए अरविंद सोसायटी एक अहम पड़ाव है। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों लोगों ने श्री अरविंद सोसाइटी में आकर ध्यान लगाया और प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में समिति के सचिव विजय सिंह, शंकर सिंह, बृज बिहारी पांडेय, समाजसेवी अनिल गुप्ता, दयानंद बरनवाल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

गोमिया से योगेन्द्र प्रसाद की ऐतिहासिक जीत पर आइइएल में मनाया गया जश्न

आइइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया विधानसभा क्षेत्र से आइएनडीआइए गठबंधन प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद महतो की ऐतिहासिक जीत पर गोमिया के वरिष्ठ समाजसेवी पिंटू पासवान ने आईईएल स्थित मून लाईट में अपने समर्थकों के साथ जश्न मनाया। वहीं उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी व आतिशबाजी कर खुशी मनाया। इस अवसर पर समाजसेवी पिंटू पासवान ने कहा कि योगेंद्र प्रसाद महतो की जीत ऐतिहासिक है। वहीं योगेन्द्र प्रसाद की जीत से गरीब, महिलाएं, युवा, ग्रामीण सभी काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोमिया में विकास का सवेरा हुई है। इस मौके पर मुख्य रूप से समाजसेवी पिंटू पासवान, राजू पासवान, पंचायत समिति हरेंद्र सिंह, सोमनाथ पांडेय, जितेन्द्र कुमार, मिठू कुमार, मंटू पासवान, सानू सिंह, विकास यादव, राजेंद्र प्रसाद, प्रकाश राय, विक्रम राणा, कुशलेश भारती, पवन कुमार, राजन वर्मा, संजय पासवान, गुलशेर अली, सनोज ठाकुर, मुकेश ठाकुर सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

योगेंद्र महतो की जीत पर ललपनिया में निकला विजय जुलूस

महुआटाड़ (आजाद सिपाही)। गोमिया विधानसभा के आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी योगेंद्र महतो की जीत की खुशी में झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ललपनिया में विजय जुलूस निकाला। इस दौरान ढोल- नगाड़े बजाकर आतिशबाजी की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी मनाया। बैंक मोड़ से रामगढ़ रोड़ होते हुए बिरसा मुंडा पार्क स्थल तक यह रैली निकाली गई। इस दौरान जिंदाबाद के नारों से ललपनिया गूंज उठा। इस रैली में पूर्व मुखिया बबली सोरेन, कोदवाटाड़ पंचायत के तत्कालीन मुखिया बबलू हेंब्रम, तुलसी महतो, नौशाद सहित सैकड़ो लोगों की मौजूदगी रही।

निरसा एवं सिंदरी में भाकपा-माले की जीत से मजदूरों का बढ़ा है उत्साह : धर्म बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले के निरसा एवं सिंदरी विधानसभा सीटों पर भाकपा-माले के दोनों प्रत्याशियों अरुप चटर्जी और चंद्रदेव महतो की जीत पर संगठित मजदूर मोर्चा, संबंधित बीसीकेयू, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन, विश्वकर्मा प्रोजेक्ट धनसार के मजदूर नेता धर्म कुमार बाउरी ने खुशी जाहिर की है। कहा कि भाकपा-माले की दोनों सीटों पर जीत की उम्मीद को विधानसभा के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने

साकार किया है। इसके लिए दोनों विधानसभा के मतदाताओं और समस्त विश्वकर्मा के मजदूरों की तरफ से दोनों विधायकों को बहुत-बहुत बधाई। दोनों की जीत से मजदूरों का उत्साह काफी बढ़ा है। यह सर्व विदित है कि लाल झंडा मजदूरों के हक अधिकारों के लिए हमेशा खड़ा रहा है और अब वर्तमान में मजदूरों का हक और अधिकारों के लिए दोनों विधायक विधानसभा में बुलंद आवाज उठाएंगे। इस विधानसभा चुनाव में निरसा और सिंदरी से दोनों विधायकों की जीत से मजदूरों का स्वाभिमान और हौसला बढ़ा है। धारनी महतो, चौधरी भुइयां ने भी खुशी जाहिर कर बधाई दी।

धनबाद में निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेती हूं : डिंपल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की धनबाद जिला महिला अध्यक्ष डिंपल चौबे जेएलकेएम डुमरी और बेरमो की स्टार प्रचारक रही। डिंपल चौबे ने धनबाद जिला के हर एक विधानसभा चुनाव में संतोष जनक प्रदर्शन नहीं होने पर असंतोष जाहिर की। कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में जेएलकेएम के प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे हैं। हैं वहां की जनता का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने प्रत्यासियों को स्नेह व समर्थन किया। अब जो भी त्रुटियां रह गई है उसे जनता के बीच जाकर दूर करने और

समस्याओं का निदान करने का प्रयत्न करूंगी, ताकि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकूं। आला कमान जो भी निर्णय लेंगे वह मेरे लिए सर्वोपरि होगा।

त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जवान फ्रांसिस जेवियर कुजूर को धनबाद पुलिस लाइन में दी गयी श्रद्धांजलि

धनबाद (आजाद सिपाही)। पुलिस लाइन में रविवार को त्रिपुरा स्टेट फाइल्स के जवान फ्रांसिस जेवियर कुजूर को श्रद्धांजलि दी गई। वे धनबाद में चुनाव ड्यूटी में आए थे। जहां रविवार की सुबह हृदय गति रुक जाने से उनका निधन हो गया। एसएनएमएमसीएच में उन्हें भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दौरान त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जवान काफी संख्या में अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल

के बाद सीधे शव को धनबाद पुलिस लाइन लाया गया। यहां उन्हें सलामी देने के बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव भेज दिया गया। इस मौके पर सिटी एसपी समेत सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ त्रिपुरा बटालियन के सीनियर कमांडेंट आलोक भट्टाचार्य एवं बटालियन के जवान उपस्थित थे। फ्रांसिस जेवियर कुजूर गुमला के रहने वाले थे। उनकी तैनाती हीरापुर स्थित अभय सिंदरी कॉलेज के मतदान केंद्र 258 में थी। त्रिपुरा स्टेट राइफल्स की पांच कंपनी को धनबाद के छह विधानसभा में प्रतिनियुक्त किया गया था।

तेलमोचो शिव मंदिर के पास ट्रांसफार्मर में लगी आग, मची अफरा तफरी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। तेलमाचो शिव क्लोनी स्थित शिव मंदिर के समीप लगाये गये ट्रांसफार्मर में रविवार की सुबह भीषण आग लग गई। धीरे-धीरे आग बढ़ती चली गईं। इससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। लोग इधर उधर भागने लगे। देखते ही देखते आग की लपटे

आसमान छूने लगी। आसपास के लोगों ने स्थानीय पुलिस एवं बिजली विभाग को इसकी जानकारी दी। खबर पाते ही मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मी ने तत्काल क्षेत्र की बिजली को बंद किया। इस बीच करीब आधा घंटा बीत जाने से ट्रांसफार्मर जलता रहा और किसी अनहोनी की आशंका के चलते लोग डर से करीब नहीं गए। आसपास के राहगीर और दुकानदारों भयभीत रहे। अंत में स्थानीय कुछ लोगों ने धुल छिट कर आग पर काबू पाया गया। संभवत यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। जानकारी के अनुसार उक्त ट्रांसफार्मर को कुछ दिन पहले ही लगाया गया था।

जयराम की जीत से कार्यकर्ताओं में है भारी उत्साह : प्रकाश विश्वकर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के डुमरी विधानसभा सीट से शानदार जीत दर्ज करने से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। रविवार को ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रणधीर वर्मा चौक पर जमकर आतिशबाजी की एवं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। इस बाबत जिला अध्यक्ष ग्रामीण ने कहा कि जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने पार्टी को संघर्षो को साथ खड़ा किया है। जयराम महतो आज युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। झारखण्ड विधानसभा के चुनाव में जेएलकेएम के प्रत्याशीयों का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा। टाइगर जयराम की पार्टी जेएलकेएम के इस शानदार प्रदर्शन की चर्चा आज पुरे राज्य में हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का राजनीतिक अखाड़े में अभी-अभी पदार्पण हुआ है और आते ही जेएलकेएम पूरे झारखंड में चर्चा में है। यह एक बड़ी बात है। यह तो अभी महज शुरूआत है।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आइएनडीआइए गठबंधन की जीत पर वेदांता इएसएल ने दी बधाई

झारखंड के आर्थिक विकास और आमलोगों के कल्याण के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगें: आशीष गुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक इएसएलस्टील लिमिटेड झारखंड में सामाजिक विकास के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है। खासकर बोकारो में अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के बीच विभिन्न सरकारी और गैर-

लाभकारी संगठनों द्वारा कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों और मान्यताओं से सम्मानित इएसएल स्टील लिमिटेड उन समुदायों की भलाई को प्राथमिकता देता है जहां यह मौजूद है। वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड के सीइओ और डब्ल्यूटीडी आशीष कुमार गुप्ता ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आइएनडीआइए गठबंधन की जीत पर बधाई दी है। कहा कि हम राज्य के आर्थिक विकास और लोगों के कल्याण के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड नंद घर, वाड़ी (नाबार्ड की भागीदारी वाली कृषि पहल), वेदांता इएसएल कौशल विद्यालय, महिला सशक्तीकरण और सूक्ष्म उद्यम निर्माण के लिए जीविका, स्वास्थ्य सेवा से संबंधित हस्तक्षेप कार्यक्रम प्रोजेक्ट आरोग्य और वेदांता पारिस्थितिकी तंत्र में आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों की 1000 लड़कियों को रोजगार देने का लक्ष्य रखने वाली प्रोजेक्ट पंछी जैसी हमारी सीएसआर पहलों के माध्यम से राज्य सरकार की विकास योजनाओं और पहलों में योगदान देने के लिए सहयोग देने का वचन देता है। हमें विश्वास है कि वेदांता इएसएल संयंत्र के पेरिफेरल एरिया में की गई हमारी सभी पहल आने वाली सरकार के पर्यावरण और स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने और बेहतर झारखंड के आदर्श को स्थापित करने में महत्वपूर्ण संबल बनेगा और एक लंबा रास्ता तय करेगी।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

5000 स्कूलों में एनसीसी की सुविधा उपलब्धः मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात में एनसीसी के महत्व पर जोर दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 116वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। इस एपिसोड में पीएम मोदी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें एनसीसी, युवाओं की भूमिका, और डिजिटल अरेस्ट जैसी समस्याओं पर जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया। एनसीसी के महत्व पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी पीएम मोदी ने कहा कि एनसीसी दिवस आज बहुत खास है और यह दिन मेरे लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि मैं खुद एनसीसी का कैंडिडेट रहा हूं। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है। जब भी कहीं आपदा होती है, एनसीसी के कैडेट्स वहां मदद के लिए सबसे पहले पहुंचते हैं। इस बार एनसीसी में लड़कियों की संख्या 40% बढ़ी है, जो कि एक सकारात्मक बदलाव है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि एनसीसी को और मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। एनसीसी का विस्तार प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि अब तक 5,000 स्कूलों में 'एनसीसी' की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं, जिससे अधिक से अधिक छात्र इस संगठन से जुड़ पा रहे हैं और राष्ट्रीय सेवा की भावना को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने 'एनसीसी' के महत्व पर भी जोर दिया और बताया कि यह संगठन युवा पीढ़ी को नेतृत्व, अनुशासन और देशभक्ति के महत्व को

सिखाता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि 'एनसीसी' में भाग लेने से न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ती है, बल्कि यह देश की सेवा करने के प्रति एक गहरी प्रतिबद्धता भी विकसित होती है। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर खास आयोजन 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की 162वीं जयंती पर एक विशेष आयोजन होगा। पीएम मोदी ने बताया कि इस दिन भारत मंडपम में युवाओं का महाकुंभ आयोजित किया जायेगा, जिसमें करोड़ों युवा भाग लेंगे।

टाइम्स हायर एजुकेशन की पहली इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट-डीयू ने शुरूआती टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचइ) इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग 2025 में देश में प्रभावशाली चौथा स्थान हासिल किया है, जो अंतः विषय वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों को उजागर करता है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग 92 रही। हाल ही में जारी रैंकिंग में भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व है, जिसमें 65 विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनमें से सात शीर्ष 100 में शामिल हैं। भारतीय संस्थानों में अग्रणी है और इसने विश्व स्तर पर 41वां स्थान

हासिल किया है। यह मान्यता अंतः विषय अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किट विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। भारतीय संस्थानों में, किट शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक है, जो वैश्विक अंतः विषय विज्ञान परिदृश्य में देश की उपस्थिति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की और कहा अंतः विषय वैज्ञानिक अनुसंधान विश्वविद्यालयों में किट की स्थिति दशकों से इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में इसके विशाल योगदान को दर्शाती है। किट के गुणवत्तापूर्ण शोधकताओं और कर्मचारियों ने अपने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, नवाचार और प्रकाशनों के माध्यम से इसे संभव बनाया है।

OXFORD PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE DELHI | AFFILIATION NO: 3430121
OLD H.B. ROAD, PRAGATI PATH, RANCHI- 834011
CONTACT NO: 7485096731 / 33
Website: www.oxfordpublicschool.net.in
ADMISSION GOING ON FOR
CLASSES 1 & IX - SESSION 2025-26
Admission forms for Classes I & IX are available at the School Office Counter on all working days between 8:00 AM - 1:00 PM and can also be downloaded from our website. Documents Required to complete the registration formalities (as applicable): Aadhar, Birth Certificate, Bonafide Certificate, and the Permanent Education Number (PEN) of the candidate.
Principal

ओड़िशा पर्व पर पीएम मोदी का संबोधन

जय जगन्नाथ!
जय जगन्नाथ!

केंद्रीय मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी श्रीमान धर्मेंद्र प्रधानजी, अश्विनी वैष्णवजी, उड़िया समाज संस्था के अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ प्रधान जी, उड़िया समाज के अन्य अधिकारी, ओडिशा के सभी कलाकार, अन्य महानुभाव, देवियों और सज्जनों।

ओड़िशा र सबू भाइओ भउणी मानंकु मोर नमस्कार, एबंग जुहार। ओड़िया संस्कृति के महाकुंभ ओड़िशा पर्व 2024 कू आसी मं गर्बित। आपण मानंकु भेटी मूं बहुत आनंदित। मैं आप सबको और ओड़िशा के सभी लोगों को ओड़िशा पर्व की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस साल स्वभाव कवि गंगाधर मेहेर की पुण्यतिथि का शताब्दी वर्ष भी है। मैं इस अवसर पर उनका पुण्य स्मरण करता हूं, उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। मैं भक्त दासिआ बाउरीजी, भक्त सालबेगजी, उड़िया भागवत की रचना करने वाले श्री जगन्नाथ दासजी को भी आदरपूर्वक नमन करता हूं। ओडिशा निजर सांस्कृतिक विविधता द्वारा भारतकु जीबन्त रखिबारे बहुत बड़ भूमिका प्रतिपादन करिछि।

ओडिशा हमेशा से संतों और विद्वानों की धरती रही है। सरल महाभारत, उड़िया भागवत...हमारे धर्मग्रंथों को जिस तरह यहां के विद्वानों ने लोकभाषा में घर-घर पहुंचाया, जिस तरह ऋषियों के विचारों से जन-जन को जोड़ा... उसने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बहुत बड़ी भूमिका निभायी है। उड़िया भाषा में महाप्रभु जगन्नाथ जी से जुड़ा कितना बड़ा साहित्य है। मुझे भी उनकी एक गाथा हमेशा याद रहती है। महाप्रभु अपने श्री मंदिर से बाहर आये थे और उन्होंने स्वयं युद्ध का नेतृत्व किया था, तब युद्धभूमि की ओर जाते समय महाप्रभु श्री जगन्नाथ ने अपनी भक्त माणिका गौउडुणी के हाथों से दही खाई थी। ये गाथा हमें बहुत कुछ सिखाती है। ये हमें सिखाती है कि हम नेक नीयत से काम करें, तो उस काम का नेतृत्व खुद ईश्वर करते हैं। हमेशा, हर समय, हर हालात में ये सोचने की जरूरत नहीं है कि हम अकेले हैं, हम हमेशा प्लस वन होते हैं, प्रभु हमारे साथ होते हैं, ईश्वर हमेशा हमारे साथ होते हैं।

ओड़िशा के संत कवि भीम भोई ने कहा था- मो जीवन पछे नर्के पडिथाउ जगत उद्धार हेउ। भाव ये कि मुझे चाहे जितने ही दुख क्यों ना उठाने पड़ें...लेकिन जगत का उद्धार हो। यही ओड़िशा की संस्कृति भी है। ओड़िशा सबु जुगरे समग्र राष्ट्र एबं पूरा मानब समाज र सेबा करिछी। यहां पुरी धाम ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत बनाया। ओड़िशा की वीर संतानों ने आजादी की लड़ाई में भी बढ़-चढ़ कर देश को दिशा दिखायी थी। पाइका क्रांति के शहीदों का ऋण, हम कभी नहीं चुका सकते। ये मेरी सरकार का सौभाग्य है कि उसे पाइका क्रांति पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करने का अवसर मिला था।

उत्कल केशरी हरे कृष्ण मेहताबजी के योगदान को भी इस समय पूरा देश याद कर रहा है। हम व्यापक स्तर पर उनकी 125वीं जयंती मना रहे हैं। अतीत से लेकर आज तक, ओडिशा ने देश को कितना सक्षम नेतृत्व दिया है, ये भी हमारे सामने है। आज ओड़िशा की बेटी... आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मूजी भारत की राष्ट्रपति हैं। ये हम सभी के लिए बहुत ही गर्व की बात है। उनकी प्रेरणा से आज भारत में आदिवासी कल्याण की हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू हुई हैं, और ये योजनाएं सिर्फ ओड़िशा के ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के आदिवासी समाज का हित कर रही हैं।

ओड़िशा, माता सुभद्रा के रूप में नारीशक्ति और उसके सामर्थ्य की धरती है। ओड़िशा तभी आगे बढ़ेगा, जब ओड़िशा की महिलाएं आगे बढ़ेंगी। इसीलिए, कुछ ही दिन पहले मैंने ओड़िशा की अपनी माताओं-बहनों के लिए सुभद्रा योजना का शुभारंभ किया था। इसका बहुत बड़ा लाभ ओड़िशा की महिलाओं को मिलेगा। उत्कलर एही महान सुपुत्र मानंकर बिसयरे देश जाणू एबं सेमानंक जीबन रु प्रेरणा नेउ, एथी निमन्ते एपरी आयौजनर बहुत अधिक गुरुत्व रहिछि ।

इसी उत्कल ने भारत के समुद्री सामर्थ्य को नया विस्तार दिया था। कल ही ओड़िशा में बाली जात्रा का समापन हुआ है। इस बार भी 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन से कटक में महानदी के तट पर इसका भव्य आयोजन हो रहा था। बाली जात्रा प्रतीक है कि भारत का, ओडिशा का सामुद्रिक सामर्थ्य क्या था। सैकड़ों वर्ष पहले जब आज जैसी टेक्नोलॉजी नहीं थी, तब भी यहां के नाविकों ने समुद्र को पार करने का साहस दिखाया। हमारे यहां के व्यापारी जहाजों से इंडोनेशिया के बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानो की यात्राएं करते थे। इन यात्राओं के माध्यम से व्यापार भी हुआ और संस्कृति भी एक जगह से दूसरी जगह पहुंची। आजी विकसित भारतर संकल्पर सिद्धि निमंते ओड़िशार सामुद्रिक शक्तिर महत्वपूर्ण भूमिका अछि।

ओड़िशा को नयी ऊंचाई तक ले जाने के लिए 10 साल से चल रहे अनवरत प्रयास....आज ओड़िशा के लिए नये भविष्य की उम्मीद बन रहे हैं। 2024 में ओडिशावासियों के अभूतपूर्व आशीर्वाद ने इस उम्मीद को नया हौसला दिया है। हमने बड़े सपने देखे हैं, बड़े लक्ष्य तय किये हैं। 2036 में ओड़िशा, राज्य-स्थापना का शताब्दी वर्ष मनायेगा। हमारा प्रयास है कि ओड़िशा की गिनती देश के सशक्त, समृद्ध और तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में हो।

एक समय था, जब भारत के पूर्वी हिस्से को... ओड़िशा जैसे राज्यों को पिछड़ा कहा जाता था। लेकिन मैं भारत के पूर्वी हिस्से को देश के विकास का ग्रोथ इंजन मानता हूं। इसलिए हमने पूर्वी भारत के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। आज पूरे पूर्वी भारत में कनेक्टिविटी के काम हों, स्वास्थ्य के काम हों, शिक्षा के काम हों, सभी में तेजी लायी गयी है। 10 साल पहले ओड़िशा को केंद्र सरकार जितना बजट देती थी, आज ओड़िशा को तीन गुना ज्यादा बजट मिल रहा है। इस साल ओड़िशा के विकास के लिए पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा बजट दिया गया है। हम ओड़िशा के विकास के लिए हर सेक्टर में तेजी से काम कर रहे हैं।

ओड़िशा में पोर्ट आधारित औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए धामरा, गोपालपुर, अस्तारंगा, पलुर और सुवर्णरेखा पोर्ट्स का विकास करके यहां व्यापार को बढ़ावा दिया जायेगा। ओड़िशा भारत का mining और metal powerhouse भी है। इससे स्टील, एल्युमिनियम और एनर्जी सेक्टर में ओडिशा की स्थिति काफी मजबूत हो जाती है। इन सेक्टरों पर फोकस करके ओडिशा में समृद्धि के नये दरवाजे खोले जा सकते हैं।

ओड़िशा की धरती पर काजू, जूट, कपास, हल्दी और तिलहन की पैदावार बहुतायत में होती है। हमारा प्रयास है कि इन उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक हो और उसका फायदा हमारे किसान भाई-बहनों को मिले। ओडिशा की सी-फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में भी विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। हमारा प्रयास है कि ओड़िशा सी-फूड एक ऐसा ब्रांड बने, जिसकी मांग ग्लोबल मार्केट में हो।

हमारा प्रयास है कि ओड़िशा निवेश करने वालों की पसंदीदा जगहों में से एक हो। हमारी सरकार ओड़िशा में इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्कर्ष उत्कल के माध्यम से निवेश को बढ़ाया जा रहा है। ओड़िशा में नयी सरकार बनते ही, पहले 100 दिनों के भीतर-भीतर, 45 हजार करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी मिली है। आज ओड़िशा के पास अपना विजन भी है और रोडमैप भी है। अब यहां निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। मैं इन प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्रीमान मोहन चरण मांझी जी और उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

ओड़िशा के सामर्थ्य का सही दिशा में उपयोग करके उसे विकास की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है। मैं मानता हूं, ओड़िशा को उसकी strategic location का बहुत बड़ा फायदा मिल सकता है। यहां से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना आसान है। पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए ओडिशा व्यापार का एक महत्वपूर्ण हब है। Global value chains में ओडिशा की अहमियत आने वाले समय में और बढ़ेगी। हमारी सरकार राज्य से एक्स्पोर्ट बढ़ाने के लक्ष्य पर भी काम कर रही है।

ओडिशा में urbanization को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। हम ज्यादा संख्या में dynamic और well-connected cities के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ओड़िशा के टियर टू शहरों में भी नई संभावनाएं बनाने का भरपूर हम प्रयास कर रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम ओड़िशा के इलाकों में जो जिले हैं, वहां नये इंफ्रास्ट्रक्चर से नये अवसर पैदा होंगे।

हायर एजुकेशन के क्षेत्र में ओड़िशा देशभर के छात्रों के लिए एक नयी उम्मीद की तरह है। यहां कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय इंस्टीट्यूट हैं, जो राज्य को एजुकेशन सेक्टर में लीड लेने के लिए प्रेरित करते हैं। इन कोशिशों से राज्य में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ओड़िशा अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के कारण हमेशा से खास रहा है। ओड़िशा की विधाएं हर किसी को सम्मोहित करती है, हर किसी को प्रेरित करती हैं। यहां का ओड़िशी नृत्य हो... ओड़िशा की पेंटिंग्स हों... यहां जितनी जीवंतता पट्टचित्रों में देखने को मिलती है... उतनी ही बेमिसाल हमारे आदिवासी कला की प्रतीक सौरा चित्रकारी भी होती है। संबलपुरी, बोमकाई और कोटपाद बुनकरों की कारीगरी भी हमें ओड़िशा में देखने को मिलती है। हम इस कला और कारीगरी का जितना प्रसार करेंगे, उतना ही इस कला को संरक्षित करने वाले उड़िया लोगों को सम्मान मिलेगा।

हमारे ओड़िशा के पास वास्तु और विज्ञान की भी इतनी बड़ी धरोहर है। कोणार्क का सूर्य मंदिर, इसकी विशालता, इसका विज्ञान...लिंगराज और मुक्तेश्वर जैसे पुरातन मंदिरों का वास्तु.....ये हर किसी को आश्चर्यचकित करता है। आज लोग जब इन्हें देखते हैं...तो सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि सैकड़ों साल पहले भी ओड़िशा के लोग विज्ञान में इतने आगे थे।

ओड़िशा, पर्यटन की दृष्टि से अपार संभावनाओं की धरती है। हमें इन संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कई आयामों में काम करना है। आप देख रहे हैं, आज ओड़िशा के साथ-साथ देश में भी ऐसी सरकार है जो ओड़िशा की धरोहरों का, उसकी पहचान का सम्मान करती है। आपने देखा होगा, पिछले साल हमारे यहां जी-20 का सम्मेलन हुआ था। हमने जी-20 के दौरान इतने सारे देशों के राष्ट्राध्यक्षों और राजनयिकों के सामने...सूर्यमंदिर की ही भव्य तस्वीर को प्रस्तुत किया था। मुझे खुशी है कि महाप्रभु जगन्नाथ मंदिर परिसर के सभी चार द्वार खुल चुके हैं। मंदिर का रत्न भंडार भी खोल दिया गया है।

हमें ओड़िशा की हर पहचान को दुनिया को बताने के लिए भी और भी इनोवेटिव कदम उठाने हैं। जैसे....हम बाली जात्रा को और पॉपुलर बनाने के लिए बाली जात्रा दिवस घोषित कर सकते हैं, उसका अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रचार कर सकते हैं। हम ओड़िशी नृत्य जैसी कलाओं के लिए ओड़िशी दिवस मनाने की शुरूआत कर सकते हैं। विभिन्न आदिवासी धरोहरों को सेलिब्रेट करने के लिए भी नयी परंपराएं शुरू की जा सकती हैं। इसके लिए स्कूल और कॉलेजों में विशेष आयोजन किये जा सकते हैं। इससे लोगों में जागरूकता आयेगी, यहां पर्यटन और लघु उद्योगों से जुड़े अवसर बढ़ेंगे। कुछ ही दिनों बाद प्रवासी भारतीय सम्मेलन भी, विश्व भर के लोग इस बार ओड़िशा में, भुवनेश्वर में आने वाले हैं। प्रवासी भारतीय दिवस पहली बार ओड़िशा में हो रहा है। ये सम्मेलन भी ओड़िशा के लिए बहुत बड़ा अवसर बनने वाला है।

कई जगह देखा गया है बदलते समय के साथ, लोग अपनी मातृभाषा और संस्कृति को भी भूल जाते हैं। लेकिन मैंने देखा है...उड़िया समाज, चाहे जहां भी रहे, अपनी संस्कृति, अपनी भाषा...अपने पर्व-त्योहारों को लेकर हमेशा से बहुत उत्साहित रहा है। मातृभाषा और संस्कृति की शक्ति कैसे हमें अपनी जमीन से जोड़े रखती है...ये मैंने कुछ दिन पहले ही दक्षिण अमेरिका के देश गयाना में भी देखा। करीब दो सौ साल पहले भारत से सैकड़ों मजदूर गये...लेकिन वो अपने साथ रामचरित मानस ले गये...राम का नाम ले गये...इससे आज भी उनका नाता भारत भूमि से जुड़ा हुआ है। अपनी विरासत को इसी तरह सहेज कर रखते हुए जब विकास होता है...तो उसका लाभ हर किसी तक पहुंचता है। इसी तरह हम ओड़िशा को भी नयी ऊंचाई पर पहुंचा सकते हैं।

आज के आधुनिक युग में हमें आधुनिक बदलावों को आत्मसात भी करना है, और अपनी जड़ों को भी मजबूत बनाना है। ओड़िशा पर्व जैसे आयोजन इसका एक माध्यम बन सकते हैं। मैं चाहूंगा, आने वाले वर्षों में इस आयोजन का और ज्यादा विस्तार हो, ये पर्व केवल दिल्ली तक सीमित न रहे। ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ें, स्कूल कॉलेजों का participation भी बढ़े, हमें इसके लिए प्रयास करने चाहिए। दिल्ली में बाकी राज्यों के लोग भी यहां आयें, ओड़िशा को और करीबी से जानें, ये भी जरूरी है। मुझे भरोसा है, आने वाले समय में इस पर्व के रंग ओड़िशा और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगे, ये जनभागीदारी का एक बहुत बड़ा प्रभावी मंच बनेगा। इसी भावना के साथ, मैं एक बार फिर आप सभी को बधाई देता हूं।

आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय जगन्नाथ।

हेमंत सोरेन से मिले कांग्रेसी नेता

शशि भूषण राय ने जीत पर बधाई दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने झारखंड राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से मुलाकात की एवं चुनाव में प्रचंड जीत और नयी सरकार के गठन के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री राय ने कहा कि जिस तरह से महागठबंधन के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एकजुट होकर यह चुनाव लड़ा, उससे भाजपा की करारी हार हुई। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के कल्याणकारी कार्यों को जनता ने पसंद किया एवं हमारे समर्थन में वोट देकर यह जीत दिलवायी। इस जीत के पीछे महागठबंधन के वरिष्ठ नेताओं कांग्रेस के अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रभारी, गुलाम अहमद मीर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव का साझा नेतृत्व है। पिछले 5 सालों में कोरोना और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद हेमंत सोरेन जी ने काफी कुशलता से सरकार को चलाया, उन पर कई कठिनाइयां भी आयीं, पर उन्होंने इन सब का सामना किया। शशि भूषण राय ने कहा कि आने वाले समय में भी राज्य की गठबंधन सरकार और ऊर्जा के साथ काम करेगी एवं जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

बांग्लादेशी नाबालिग लड़की का रेस्क्यू

भुवनेश्वर(आजाद सिपाही)। रविवार को कटक से एक बांग्लादेशी नाबालिग लड़की को रेस्क्यू की घटना में पुलिस ने अपना तरफ से मामला दर्ज किया है। शुरूआती जांच में पुलिस ने साफ किया है कि नाबालिग की उम्र 16 साल है और उसका घर बांग्लादेश है। पूछ-ताछ में नाबालिग अधिक जानकारी नहीं दे सका। कटक के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा कि वह नौकरी के लालच में आरोपी के जाल में फंस गया है। डीसीपी के मुताबिक लिंकरोड इलाके से बांग्लादेशी नाबालिग को रेस्क्यू करने के बाद मधुपाटना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

Asarfi Hospital, Dhanbad
1st TIME LIVER & KIDNEY TRANSPLANT CLINIC AT DHANBAD
IN ASSOCIATION WITH
MGM HEALTH CARE CHENNAI
Liver Transplant Specialist
Kidney Transplant Specialist
Dr. Thiagarajan Srinivasan
MBBS, MS, DNB (Gastro Surgery)
Dr. Vikram Sagar TV
MBBS, MRCP (UK), CCT in Renal Medicine (UK), FRCP (Edinburgh), FRCP (London)
Clinic Date : 27th Nov. (Wednesday), 11:00 AM Onward
7808368888 Baramuri, P.O.: Bishunpur Polytechnic, Dhanbad 828130

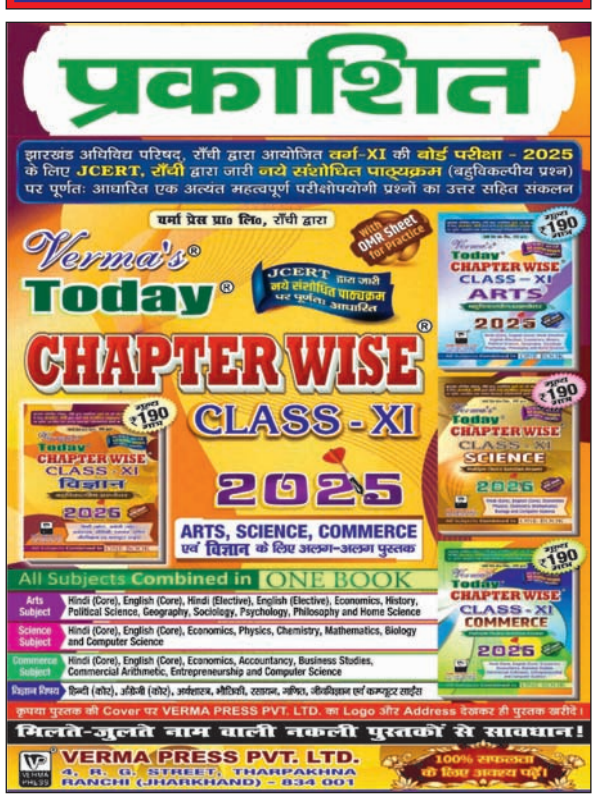

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**